सुविचार

नदी किनारे की घास पानी के साथ थोड़ा झुक लेती है और फिर उठ खड़ी होती है, लेकिन बड़े-बड़े पेड़ धार के सामने अड़ते हैं और टूट जाते हैं।

-शेखर जोशी

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
Jacqueline Fernandez Attends Paris...

Ranchi ● Monday, 06 October 2025 ● Year : 03 ● Issue : 259 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SARAFA

सोना	:	11,090
चांदी	:	165.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर की इमरजेंसी लैंडिंग

NEW DELHI : अमृतसर से इंग्लैंड के बर्मिंघम जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-117 (बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8) की बर्मिंघम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट ने 4 अक्टूबर को दोपहर 12:52 बजे अमृतसर से उड़ान भरी थी और करीब 10 घंटे 45 मिनट बाद बर्मिंघम पहुंची थी। लैंडिंग से पहले विमान की रैम एयर टरबाइन अपने आप एक्टिव हो गई, जिसके बाद पायलट ने एहतियातन इमरजेंसी लैंडिंग की। एयर इंडिया ने बताया कि सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। जांच में पाया गया कि विमान के सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहे थे। फिलहाल विमान को ग्राउंड कर दिया गया है और उसकी दिल्ली वापसी वाली उड़ान रद्द कर दी गई है। यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजा गया है। दरअसल, बोइंग ड्रीमलाइनर का यही मॉडल 12 जून को अहमदाबाद में टेकऑफ के कुछ देर बाद ही क्रैश हो गया था, इस हादसे में 270 लोगों की मौत हुई थी।

घर में धमाका, एक की मौत, मकान जमींदोज

AYODHYA : अयोध्या में एक घर में जोरदार विस्फोट हो गया। हादसा बीकापुर कोतवाली से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ। यह जगह राममंदिर से करीब 28 किलोमीटर दूर है। इस हादसे में एक घर जमींदोज हो गया। वहीं, मलबे में दबने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं, 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके से आसपास के 3-4 घरों की दीवारों में भी दरारें आई हैं। धमाके की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। धमाका कैसे हुआ, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। टीम मौके से सैंपल एकत्र कर रही है। पुलिस टीम भी मौके पर है। जिस घर में विस्फोट हुआ, वह विवेकानंद पांडेय का है। वह नगर पंचायत कर्मी हैं। घायल विवेकानंद की मां उषा देवी ने बताया- हम घर पर नहीं थे। मेरा बेटा घर पर था। बहुत चोट लगी है। उसे अस्पताल लेकर गए।

कैंची धाम बन रहा युवाओं की पहली पसंद

HALDWANI : उत्तराखंड के नैनीताल में स्थित विश्वविख्यात बाबा नीम करोली महाराज का कैंची धाम एक बार फिर सुर्खियों में है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुके इस मंदिर में अब युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सांख्यिकी विभाग द्वारा पिछले कई महीनों से किए जा रहे रजिस्ट्रेशन और होल्डिंग कैपेसिटी सर्वे के ताजा आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। सर्वे के अनुसार हर पांच हजार श्रद्धालुओं में करीब 70 फीसदी युवा होते हैं, जिनकी उम्र 15 से 30 साल के बीच है। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे पर काठगोदाम रेलवे स्टेशन से करीब 38 किलोमीटर दूर स्थित कैंची धाम में रोजाना आस्था का सैलाब उमड़ता है। बॉलीवुड सितारों से लेकर देश-विदेश की जानी-मानी हस्तियां यहां माथा टेक चुकी हैं।

बिहार में एसआईआर सफल, अब पूरे देश में कराएंगे : सीईसी

पोलिंग बूथों की 100 प्रतिशत की जाएगी वेबकास्टिंग, वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म भी कराया जाएगा लागू

24 जून 2025 को शुरू किया गया था एसआईआर का प्रोसेस, सेंटर से 100 मीटर की दूरी पर बैठ सकेंगे एजेंट

PHOTON NEWS PATNA : रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बिहार में चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी मतदाताओं का विशेष गहन निरीक्षण (एसआईआर) पूरी तरह सफल रहा। मतदाता सूची में यह सबसे बड़ी पहल रही। 24 जून 2025 को एसआईआर शुरू हुआ और वक्त पर समाप्त हुआ। सफल एसआईआर के लिए वोटर्स को धन्यवाद। अब इसे पूरे देश में कराएंगे। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने भोजपुरी में बिहार के मतदाताओं का अभिनंदन किया। कहा- रउआ के कोटि-कोटि धन्यवाद जतावतानी। फिर मैथिली में भी मतदाताओं का अभिनंदन किया। कहा- बिहार के सब मतदाता के अभिनंदन करतनी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, 'चुनाव को भी छठ महापर्व की तरह मनाएं।

90 हजार 217 बूथ लेवल ऑफिसरों ने किया काम

सीईसी ने बताया कि 90 हजार 217 बूथ लेवल ऑफिसर ने बेहतर काम किया। पूरे देश में बनने वाले बूथ लेवल ऑफिसर के लिए बिहार प्रेरणा बना। उन्होंने कहा- बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे। बूथ सेंटर से 100 मीटर की दूरी पर पोलिंग एजेंट बैठ सकेंगे। बिहार चुनाव में ईवीएम पर प्रत्याशियों की कलर फोटो लगाई जाएगी। बिहार में वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बिहार में लागू कराया जाएगा। बूथ से 100 मीटर की दूरी से हर प्रत्याशी अपने एजेंट को लगा सकते हैं। पोलिंग बूथों की 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की जाएगी।

देश के किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं

ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'बीएलओ जब मतदाता के पास जाए तो मतदाता उन्हें अच्छे से पहचान पाए, इसके लिए उनके लिए भी पहचान कार्ड शुरू किए गए हैं। अब पोलिंग बूथ के बाहर मोबाइल जमा कर वोट देने की सुविधा की गई है। इससे पहले मोबाइल घर या कहीं और छोड़कर आना होता था। सीईसी ने बताया कि अब बिहार के अलावा देश के किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे। मतदान पूर्ण होने पर जो पोलिंग एजेंट उपस्थित होते हैं, वो बताते हैं कि कितने वोट पड़े, उन्हें भी बताया जाए। पोलिंग एजेंट को मतदान शुरू होने से पहले भेजें।

चुनाव से पहले रिवीजन कराना जरूरी

एसआईआर को चुनाव से पहले कराए जाने के सवाल पर सीईसी ने कहा, लोक प्रतिनिधि कानून के हिसाब से रिवीजन हर चुनाव से पहले कराना ही होता है। किसी का ये कहना कि रिवीजन चुनाव के बाद होना चाहिए, ये न्यायसंगत नहीं है। जब हमारे बीएलओ ने घर-घर जाकर मतगणना की, ड्राफ्ट सूची में जिनका नाम आया और उसके बाद सभी राजनीतिक दलों को सभी बीएलओ को एक अगस्त से एक सितंबर तक दावे और आपत्ति करने का मौका दिया गया। इसी तरह से किसी अयोग्य आदमी का नाम आ गया तो उसे हटाया जा सकता है। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की ओर से एक मॉक पोल होता है। मॉक पोल में प्रत्याशियों द्वारा नामित कैंडिडेट की ईवीएम पर पोलिंग होती है, इससे पारदर्शिता सामने आती है। बिहार के आगामी चुनाव में जो प्रत्याशी खड़े हों, वो अपने बूथों पर अपने पोलिंग एजेंट जरूर नामित करें।

त्रासदी : मिरिक-सुखियापोखरी रोड के किनारे ढहा पहाड़ का हिस्सा

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में लैंडस्लाइड का कहर, 20 की मौत

KOLKATA @ PTI : रविवार को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में कुदरत का रौद्र रूप देखने को मिला। यहां भारी बारिश के बाद 7 जगह हुए भू-स्खलन में 20 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने बताया कि इस आपदा के बाद दार्जिलिंग का सिक्किम से संपर्क टूट गया है। मिरिक-सुखियापोखरी रोड के किनारे ढलान पर पहाड़ी का हिस्सा ढह गया। हादसे में कई घर टूट गए। लैंडस्लाइड के बाद रोड पर मलबा फैलने से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। वाहनों की आवाजाही और आसपास के कई इलाकों में कम्युनिकेशन टूट गया है। उधर मिरिक में एक लोहे का पुल भी टूट गया है। भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर है। तीस्ता बाजार के पास बलुखोला में पानी भर जाने से सिलिगुड़ी को सिक्किम और कालिंगपोंग से जोड़ने वाला हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। दार्जिलिंग शहर का भी कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। आपदा के बाद राहत एवं बचाव कार्य का काम शुरू हो गया है। भूस्खलन के कारण प्रमुख मार्गों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। इंटरनेट सेवा भी प्रभावित है।

7 जगहों पर भू-स्खलन, पुल टूटा, घर गिरे, मलबे में दबे लोग, सिक्किम से कटा संपर्क

- वाहनों की आवाजाही और आसपास के कई इलाकों में कम्युनिकेशन ब्रेक
- आपदा के बाद व्यापक स्तर पर तुरंत शुरू किया गया राहत और बचाव कार्य
- रोड पर मलबा फैलने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में आ रही दिक्कत
- लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से उफान पर तीस्ता नदी

पर्यटकों के फंसने की आशंका

गौरतलब है कि दुर्गापूजा के बाद बड़ी संख्या में पर्यटक दार्जिलिंग आते हैं। विशेष तौर पर सप्ताहांत में इस जगह पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में हुए भूस्खलन में बड़ी संख्या में यहां पर्यटकों के फंसने की आशंका है। दार्जिलिंग में टॉय ट्रेन सेवाएं काफी मशहूर हैं। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन ने दार्जिलिंग के टाइगर हिल और रॉक गार्डन सहित सभी पर्यटन स्थलों को बंद करने का फैसला किया है।

पीएम मोदी ने जनहानि पर जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दार्जिलिंग में पुल हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पोस्ट कहा कि दार्जिलिंग में पुल हादसे में जान गंवाने वालों के लिए गहरा दु:ख है। जिन्होंने अपने प्रियजन खोए हैं, उन्हें मेरी संवेदनाएं। घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उन्होंने प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

सीएम ममता ने जताया दुख, टोल फ्री नंबर जारी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर दुख जताते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मैं बहुत चिंतित हूं कि कल रात कुछ घंटों के भीतर अचानक भारी बारिश के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों के कई इलाके बाढ़ में डूब गए हैं, साथ ही बाहर से हमारे राज्य में अत्यधिक नदी का पानी आ गया है। राज्य मुख्यालय और जिलों में 24*7 नियंत्रण कक्ष हैं। आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से +91 33 2214 3526 और +91 33 2253 5185 पर संपर्क करें, जबकि टोल फ्री नंबर +91 86979 81070 और 1070 हैं। निवासियों और पर्यटकों से सावधान रहने को कहा है।

नेपाल में लैंडस्लाइड व बाढ़ से दो दिनों में 51 लोगों ने गंवाई जान

NEW DELHI @ PTI : पिछले तीन दिनों से नेपाल में हो रही भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड और बाढ़ ने दो दिनों में 51 लोगों की जान ले ली है। कई लोग लापता बताई जा रहे हैं। काठमांडू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सबसे ज्यादा नुकसान पूर्वी नेपाल के इलाम जिले में हुआ, जहां लैंडस्लाइड में 37 लोगों की मौत हो गई। इलाम की जिला अधिकारी सुनिता नेपाल ने कहा- रात भर हुई मूसलाधार बारिश ने लैंडस्लाइड को ट्रिगर किया, जिससे भारी नुकसान हुआ। कई इलाकों में सड़कें जाम होने की वजह से रेस्क्यू में मुश्किल आ रही है। बचावकर्मी पैदल ही प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। राजधानी काठमांडू में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई घर और बस्तियां डूब गई हैं। सिक्योरिटी फोर्सेज हेलीकॉप्टर और मोटरबोट से रेस्क्यू में जुटी हैं। नेपाल सरकार ने सोमवार और मंगलवार को पूरे देश में पब्लिक हॉलिडे घोषित किया है। मौसम विभाग ने 12 से ज्यादा जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। नेपाल में हर साल जून से सितंबर तक मानसून की बारिश होती है, लेकिन इस बार बारिश का मौसम देर तक चला, जिससे नुकसान ज्यादा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनका समय और तीव्रता भी पहले से ज्यादा खतरनाक हो गई है। नेपाल जैसे पहाड़ी देशों में यह खतरा और भी बड़ा है। दक्षिण-पूर्वी नेपाल में कोशी नदी का जलस्तर सामान्य से दोगुना से ज्यादा हो गया है। लोकल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि कोशी बैराज के सभी 56 गेट खोल दिए गए हैं, जबकि आमतौर पर 10-12 गेट ही खुले रहते हैं।

- कई लोग बताए जा रहे लापता हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू करने में जुटे आर्मी के जवान
- कई इलाकों में सड़कें जाम होने के कारण, बचाव कार्य में हो रही भारी परेशानी
- बचावकर्मी पैदल ही प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने की लगातार कर रहे कोशिश
- काठमांडू में भी हालात चिंताजनक नदियों का जलस्तर बढ़ने से डूब गए कई घर
- मौसम विभाग की ओर से 12 से ज्यादा जिलों में जारी किया गया रेड अलर्ट

रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया इलाके की घटना, जांच शुरू

प्राइवेट यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट ने किया सुसाइड

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया इलाके में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली 21 साल की छात्रा स्वाति कुमारी ने सुसाइड कर लिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। हालांकि, कमरे से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, स्वाति कुमारी रांची में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से बीबीए कर रही थी। फिलहाल वह सेकेंड ईयर में थी। मकान मालिक ने बताया कि स्वाति ने दो दिन पूर्व ही किराए पर उनका एक कमरा लिया था। स्वाति बिहार के सासाराम की रहने वाली थी। यहां से यूनिवर्सिटी नजदीक है, इसलिए यूनिवर्सिटी के बहुत सारे बच्चे इस इलाके में रहते हैं। कमरा लेते समय स्वाति किसी भी तरह से दबाव में नहीं दिखी थी।

बिहार के सासाराम की रहने वाली थी बीबीए सेकेंड ईयर की छात्रा स्वाति

- दो दिन पहले ही किराए पर लिया था कमरा, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट मृतका का मोबाइल जब्त

हर बिंदु पर की जा रही जांच : थाना प्रभारी

जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा के सुसाइड करने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई और छानबीन दोनों ही की जा रही है। 3 अक्टूबर को छात्रा अपने सासाराम स्थित घर से रांची लौटी थी। आत्महत्या के कारणों में अभी तक कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल पाई है। प्रेम-प्रसंग से लेकर हर बिंदु पर जांच की जा रही है। परिजनों के आने पर भी कई बातें खुलकर सामने आएंगी। परिजनों को सूचना दे दी गई है। मृतका के मोबाइल को भी साक्ष्य के लिए जब्त किया गया है। अंतिम बातचीत के आधार पर आगे की जांच की प्रक्रिया चलेगी। वहीं हटिया डीएसपी ने कहा- मामले की जांच के बाद खुलासा किया जाएगा।

कोल्ड्रिफ सिरप कंपनी पर एक्शन की तैयारी इससे अब तक 11 मौतें

NEW DELHI : कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्री सन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। इस कफ सिरप से मध्य प्रदेश में 32 दिन में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। इन सभी की उम्र 1 से 5 साल के बीच थी। हालांकि प्रशासन ने अब तक सिर्फ 11 मौतों की पुष्टि की है। कोल्ड्रिफ दवा की मैन्युफैक्चरिंग तमिलनाडु के कांचीपुरम में हो रही थी। अब इसे देश के तीन राज्यों (मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु) में बैन कर दिया गया है। देशभर में दवाइयों को कंट्रोल करने वाली संस्था सीडीएससीओ दवा कंपनी के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए तमिलनाडु फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) को लिखेगा। तमिलनाडु के ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारियों की जांच में खुलासा हुआ है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में 48.6 प्रतिशत डाईथाइलीन ग्लॉयकाल की मिलावट है। यह एक जहरीला केमिकल है। एमपी के छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत हुई है। पहला संदिग्ध मामला 24 अगस्त को सामने आया था।

- मृतकों में सभी की उम्र 1 से 5 साल के बीच
- मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में कर दिया गया बैन

वृद्धों की वृद्धि | **शून्य से 14 तक के एज की हिस्सेदारी और प्रजनन दर में गिरावट**

भारतीय आबादी में बढ़ रहा कामकाजी आयु वर्ग का अनुपात

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : गत वर्ष यानी साल 2024 में भारत आबादी की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुका है। इसकी आबादी 145 करोड़ से ऊपर हो चुकी थी। वर्तमान में यह 146 करोड़ भी क्रॉस कर रही है। यह दुनिया की कुल आबादी का 17.78 प्रतिशत है। दूसरे नंबर पर चीन की आबादी 140 करोड़ से ऊपर है। तीसरे नंबर पर अमेरिका की आबादी 34 करोड़ से ऊपर है।

उल्लेखनीय है कि 1901 से प्रत्येक दशकीय जनगणना में भारत की जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुई है, सिवाय 1911-21 के दौरान हुई कमी के। भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.4 प्रतिशत है। भारत में सिंधु-गंगा का मैदान दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है।

साल 2023 के सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम यानी नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की रिपोर्ट पर गौर करें तो भारत के सामने बुढ़ापे की चिंता साफ झलक रही है। आंकड़े सवाल कर रहे हैं कि क्या भारत बूढ़ा हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनसंख्या में शून्य से 14 आयु वर्क की हिस्सेदारी कम होती जा रही है। साथ प्रजनन दर में भी गिरावट के संकेत हैं।

एसआरएस की रिपोर्ट पर गौर करें तो भारत के सामने झलक रही बुढ़ापे की चिंता

गत वर्ष आबादी की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुका है इंडिया

- अब तक केवल 1911 से 21 के बीच भारत की जनसंख्या में आई थी कमी
- देश में सिंधु-गंगा का मैदान दुनिया की सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में है शामिल

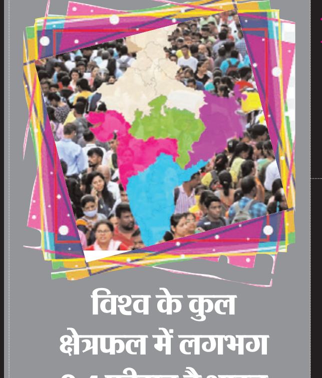

विश्व के कुल क्षेत्रफल में लगभग 2.4 फीसद है भारत की हिस्सेदारी

- साल 2024 में 145 करोड़ के पार जा चुकी है देश की जनसंख्या
- वर्तमान में दुनिया की कुल जनसंख्या में 17.78 प्रतिशत है भारत का हिस्सा

दुनिया का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण

भारत के महापंजीयक के एसआरएस डाटा के मुताबिक देश की कुल प्रजनन दर 1971 में 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 हो जाएगी। 2023 की रिपोर्ट में एसआरएस नमूना सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों के आधार पर विभिन्न जनसांख्यिकीय, प्रजनन और मृत्यु दर संकेतकों के अनुमान शामिल हैं। भारत में एसआरएस दुनिया के सबसे बड़े जनसांख्यिकीय सर्वेक्षणों में से एक है। इसमें लगभग 88 लाख नमूना जनसंख्या शामिल है।

लगातार बारिश से प्रभावित हो रहा था जन-जीवन

साफ रहा मौसम, खिली धूप लोगों ने ली राहत की सांस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। गढ़वा जिले के भवनाथपुर में पिछले 24 घंटे के दौरान 185 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी। इधर, रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। धूप खिलने से राहत मिली। दोपहर बाद आसमान में काले बादल छा गए। बता दें कि रांची और इसके आसपास के इलाकों में पिछले तीन-चार दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश से आम जीवन प्रभावित हो रहा था। मौसम साफ होने से लोगों ने राहत की सांस ली। विभाग के अनुसार झारखंड के पश्चिमी बिहार के दक्षिण और दक्षिण पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर पूर्व की ओर होते हुए बिहार की ओर कमजोर पड़ गया है। इससे आने वाले दिनों में मौसम साफ रहने की संभावना है। झारखंड में बारिश की संभावना नहीं है।

झारखंड के गढ़वा जिले में 185 मिमी बारिश दर्ज आईएमडी ने दी जानकारी

BRIEF NEWS

कोडरमा घाटी में ट्रेलर पलटा, चालक की मौत

KODERMA : कोडरमा थाना अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा घाटी स्थित जमसोती नाला के समीप छड़ लदा एक ट्रैकर पलट गया।

शनिवार रात की इस घटना में ट्रेलर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक चालक की पहचान, (बिहार) के समस्तीपुर जिले के मोहदीनगर निवासी राकेश महतो (30, पिता बुघन महतो) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार उक्त ट्रेलर बोकारो से छड़ लोड कर पटना जा रहा था। इसी बीच रात के करीब 10 बजे कोडरमा घाटी के जमसोती नाला के समीप तीखे मोड़ के पास ट्रेलर अनियंत्रित हो गई। ट्रेलर का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे जाकर पलट गई। चालक गाड़ी के केबिन में फंस गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस बीच कोडरमा थाना का पीसीआर वैन वहां पहुंचा और उक्त ट्रेलर चालक को काफी मुश्किल से गाड़ी से बाहर निकाला और सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया, वहीं परिजन भी कोडरमा पहुंच गए हैं।

फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का शव

PALAMU : पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो गांव में फंदे पर लटका नवविवाहिता का शव बरामद किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रविवार को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया। शव की पहचान पुनीता देवी, पति राकेश कुमार के रूप में हुई है। उसकी शादी 13 महीने पहले हुई थी। रविवार को एमएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया। एमएमसीएच में महिला के मायके पक्ष के लोगों ने दहेज नहीं मिलने पर हत्या कर फंदे पर लटका देने का आरोप लगाया है। चाचा संतु मेहता के अनुसार शादी के समय चार लाख रुपये और पल्सर गाड़ी दी थी। पुनीता की ननद की शादी में कर्ज हो गया था। उसका पति ससुराल पक्ष से बार-बार पैसे मांगता था और नहीं मिलने पर पुनीता के साथ मारपीट करता था। चाचा ने आरोप लगाते हुए कहा कि पैसे नहीं देने के कारण पुनीता की हत्या की गई और फिर खुदकुशी साबित करने के लिए शव को फंदे से टांग दिया गया। घटना के बाद मायके पक्ष को कोई जानकारी नहीं दी गई। उसके गांव से कुछ लोग करसो गांव में शादी का डेट रखने गए थे। उनको जानकारी हुई, तब उन्हें इस संबंध में पता चला। जब मौके पर पहुंचे तो शव फंदे से उतार दी गई थी। चाचा ने कहा कि पुनीता की हत्या पति के अलावा देवर पिंटू, ननद, नंदोषी एवं सास ने मिलकर की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पुलिस ने मोबाइल छिनतई के आरोपी को भेजा जेल

JAMSHEDPUR : साकची में कदमा के शास्त्रीनगर रोड नंबर-1 के रहने वाले नीरज गौरव का मोबाइल छीन कर एक बदमाश भाग रहा था। इलाके के लोगों ने दौड़ा कर बदमाश को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। साकची के थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि पकड़ा गया अपराधी कपाली के गौस नगर का रहने वाला रमजान अंसारी है। पुलिस के सामने उसने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है। कागजी प्रक्रिया के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

पलामू में 65 वर्षीय बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या, बेटा-बहू हिरासत में

चैनपुर थाना क्षेत्र के समेरा पंचायत अंतर्गत कुदागाकला गांव के शौचालय में मिला शव

- बंद पड़े पब्लिक टॉयलेट में खून से लथपथ मिली थी लाश, सन्न रह गए लोग

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले में एक क्रूर हत्याकांड का मामला सामने आया है। चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरा पंचायत अंतर्गत कुदागाकला गांव में शनिवार देर रात बंद पड़े शौचालय के भीतर 65 वर्षीय बुजुर्ग निजामुद्दीन अंसारी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर के थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा दल-बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। शनिवार रात करीब 9 बजे जब निजामुद्दीन अंसारी का शव घर के पीछे स्थित अप्रयुक्त शौचालय में खून से लथपथ मिला, तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

पुलिस ने मौके पर ही घटना की जानकारी लेते हुए मृतक के बड़े बेटे 40 वर्षीय अनीश अंसारी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। बेटे को ले जाने के बाद उसकी पत्नी (बहू) भी अपनी बेटी के साथ पुलिस के पास चली गई। परिवार का एक सदस्य, मृतक का पोता (जो नशे का आदी बताया जाता है) फरार है। हालांकि उसकी बहन का दावा है कि वह तीन दिन पहले गढ़वा काम करने गया था। थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि बड़े बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी बिंदुओं पर तेजी से जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

लंबे समय से चल रहा था जमीन और पारिवारिक विवाद

ग्रामीणों ने बताया कि मृतक निजामुद्दीन अंसारी का बड़े बेटे अनीश अंसारी के साथ पारिवारिक और जमीन विवाद लंबे समय से चला आ रहा था। यह मामला थाना और कोर्ट तक भी पहुंचा था और कई बार पंचायत भी हुई थी, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ। ग्रामीणों के अनुसार, विवाद होने पर बड़ा बेटा अनीश अक्सर निजामुद्दीन की हत्या करने की धमकी देता था। शनिवार को निजामुद्दीन का छोटा बेटा ससुराल गया था, जिसका फायदा उठाकर हत्या को अंजाम दिया गया। हत्या की आशंका सीधे तौर पर पहले से विवाद होने के कारण बड़े बेटे पर जताई जा रही है।

महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, बिस्तर पर मिला शव

PALAMU : पलामू जिला अंतर्गत पाटन थाना क्षेत्र के बरसेता गांव में शनिवार देर रात एक 25 वर्षीय महिला प्रीति कुमारी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। महिला का शव रविवार तड़के बेड पर मिला, जिसके बाद मायके वालों ने सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान सुनील पासवान की पत्नी प्रीति कुमारी के रूप में हुई है, जिसका विवाह वर्ष 2018 में सुनील से हुआ था। दंपती की दो छोटी बेटियां हैं। प्रीति के परिजनों का कहना है कि वर्ष 2022 से ही सुनील पासवान का मेदिनीनगर निवासी एक युवती के साथ प्रेम संबंध था, जिसके बाद उसने उससे विवाह भी कर लिया था। इसी कारण प्रीति को लगातार मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी। मायके वालों का मानना है कि यह मौत नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या है। मृतका के परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताने के पीछे कुछ महत्वपूर्ण तथ्य रखे हैं। उन्होंने बताया कि घटना से कुछ समय पहले प्रीति ने अपने चचेरे भाई को वाट्सएप पर एक फोटो भेजी थी, जिसमें वह दूसरे कपड़े में दिखाई दे रही थी, जबकि शव में अलग कपड़े पहने दिखी। इसके अलावा, बेड पर दो तकिए भी मिले हैं, जिसके कारण परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। पाटन थाना की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेदिनीनगर भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

कोलेबिरा के बाघचंडी मंदिर में हुई तोड़फोड़ दुकान बंद कर व्यापारियों ने जताया आक्रोश

शनिवार की देर रात हुई घटना, सुबह में पुजारी ने हालत देखकर मचाया शोर

PHOTON NEWS SIMDEGA : सिमडेगा जिले में कोलेबिरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध बाघचंडी मंदिर में शनिवार रात को असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की। घटना ने पूरे क्षेत्र को आक्रोश और तनाव के माहौल में डाल दिया है। असामाजिक तत्वों ने मंदिर के मुख्यद्वार को क्षतिग्रस्त कर दिया, त्रिशूल को उखाड़कर फेंक दिया और पूजन सामग्री को भी फेंक दिया।

रविवार को सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी पंचम सिंह ने बताया कि मुख्य पूजा स्थल के साथ भी छेड़छाड़ की गई है और कई धार्मिक वस्तुएं तोड़ दी गई हैं। उन्होंने इसे मंदिर की पवित्रता को भंग करने का प्रयास बताया। घटना

मंदिर के पास जुटी लोगों की भीड़ • फोटोन न्यूज

की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मंदिर परिसर में एकत्र हुए और इसे आस्था पर हमला करार देते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आक्रोशित व्यापारियों ने घटना के विरोध में अपनी दुकानें बंद रखीं।

कोलेबिरा के विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, पूर्व मंत्री विमला प्रधान सहित कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस घटना की तीखी निंदा की है। भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता अशोक बड़ाइक और भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाइक ने इसे धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया और तत्काल कार्रवाई की मांग की। हिंदू ब्रिगेड ने इस घटना को जिले की शांति भंग करने की साजिश बताया। संगठन ने कहा कि पहले चर्च पर हमला और अब मंदिर में तोड़फोड़, यह दशार्ता है कि कुछ तत्व जानबूझकर धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में सफल नहीं होने दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

गिरिडीह : तालाब में डूबकर पिता-पुत्र की हो गई मौत

GIRIDIH : जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के पोरदाग में तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से पिता-पुत्र की मौत हो गई है। बताया जाता है कि रविवार को मृतक बाइक लेकर अपने पुत्र के साथ तालाब नहाने गया था, इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से पिता और पुत्र दोनों की डूबने से मौत हो गई है । जब काफी देर तक दोनों घर नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। जहां तालाब के पास बाइक कपड़ा मोबाइल देखा गया। इसके बाद लोगों ने तालाब में डूब कर खोजबीन शुरू की। जहां पिता और पुत्र का शव तालाब से निकला गया है । मृतक सुजय मल्लिक (45) और पुत्र दीप मल्लिक (10)की पहचान हुई

है। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक आसनसोल वर्दवान का रहने वाला बंगाली परिवार से जुड़ा हुआ है और दुर्गा पूजा में अपने ससुराल आया हुआ था। फिलहाल पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेजा है।

चुट्टूपालू घाटी में अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवार को रौंदा, कार को भी मारी टक्कर

टोल प्लाजा से रामगढ़ शहर तक लग गई वाहनों की लंबी कतार

AGENCY RAMGARH : रांची- पटना राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चुट्टूपालू घाटी में एक बार फिर दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक अनियंत्रित डंपर ने एक बाइक सवार को रौंद दिया। इस हादसे के बाद भाग रहे डंपर चालक ने एक क्रेटा कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद वह गाड़ी सड़क पर ही खड़ी हो गई। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों ने ट्रक को पकड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और वाहन को जब्त कर लिया है। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि मृतक बाइक सवार की पहचान सोसो सिंदवार गांव निवासी बारकेश्वर महतो (40), पिता धनेश्वर महतो के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बारकेश्वर महतो रविवार को सुबह अपनी बाइक (जेएच 24 ए 3202) से रामगढ़ काम करने के लिए आ रहा था।

चुट्टूपालू घाटी के नीचे सैनी होटल के पास पीछे से आ रहे एक डंपर (यूपी 64 बीटी 6132) ने उसे रौंद दिया। इसके बाद डंपर चालक गाड़ी को लेकर भागने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान आगे जा रही एक क्रेटा कार (यूपी 32 क्यूजे 8984) को भी धक्का मार दिया।

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार व डंपर

पहली दुर्घटना बनी दूसरे हादसे का कारण

सैनी होटल के पास रविवार की सुबह एक ट्रक (जेएच 02 डब्ल्यू 7572) दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस ट्रक पर लदा डस्ट सड़क पर फैल गया था। रांची की तरफ से आ रहे हाइवा ने उस डस्ट से बचने के लिए गाड़ी मोड़ी और अनियंत्रित हो गई। इसी दौरान बाइक सवार इसकी चपेट में आ गया।

ग्रामीणों ने घंटों किया प्रदर्शन, जाम रहा एनएच-33

इस घटना के बाद मृतक के परिजन ग्रामीणों के साथ मिलकर प्रदर्शन करने लगे। परिजनों ने मुआवजे की मांग की है। पुलिस परिजनों से बात कर रही है। इस दौरान एनएच-33 चार घंटे तक जाम रहा। जाम की वजह से राहगीरों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। टोल प्लाजा से लेकर रामगढ़ शहर तक लंबा जाम लग गया। शाम तक सड़क जाम थी।

रांची से बरामद की गई लापता मुखिया सपना कुमारी

BERMO : गोमिया व रांची की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में शनिवार की देर रात गोमिया स्थित पलिहारी गुरुडीह पंचायत की लापता मुखिया सपना कुमारी को रांची से बरामद कर लिया। पुलिस मुखिया को रांची से गोमिया लेकर आई। इसकी पुष्टि बेरमो के डीएसपी बीएन सिंह ने की। पुलिस ने मुखिया सपना कुमारी को रविवार को अदालत में पेश कर बयान दर्ज कराने के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

ज्ञात हो कि मुखिया सपना कुमारी 2 अक्टूबर से लापता थी। उसके लापता होने से पंचायत क्षेत्र में चिंता और चर्चाओं का माहौल गरम हो गया था। मुखिया के पति आशीष कुमार ने गोमिया थाना में लिखित आवेदन देकर पत्नी के लापता होने की सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।

घर में संदिग्ध अवस्था में मिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव

फ्लैट में रखे थे एक दर्जन कुत्ते, पुलिस को हुई काफी परेशानी

PHOTON NEWS SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना अंतर्गत माझी टोला स्थित रैनबसेरा सोसाइटी में शनिवार की देर रात सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव मिला। मृतक राउंड्री स्टीवेन्शन (48) यहां एक कंपनी में कार्यरत था। घटना के बाद से उसकी पत्नी लापता है।

पुलिस ने बताया कि राउंड्री स्टीवेन्शन हाल ही में रैनबसेरा सोसाइटी के डुप्लेक्स नंबर-41 में किराये पर रहने आया था। उसके घर में करीब 10 कुत्ते पाल रखे थे। शनिवार रात जब पुलिस मौके पर पहुंची तो घर में मौजूद कुत्तों के कारण शव तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। बाद में आदित्यपुर नगर निगम की डॉग रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। एक

घर से कुत्तों को निकालते नगर निगम के कर्मचारी • फोटोन न्यूज

घंटे की मशक्कत के बाद कुत्तों को बाहर निकाला गया। इसके बाद शव को कब्जे में लिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक की पत्नी तीन-चार दिन पहले घर छोड़कर चली गई थी। आशंका जताई जा रही है कि पत्नी के चले जाने से इंजीनियर मानसिक तनाव में था। फिलहाल पुलिस हत्या व आत्महत्या के संभावित कारणों की जांच में जुटी है।

आदित्यपुर के थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के सही कारणों का पता चलेगा। पुलिस मृतक की लापता पत्नी की तलाश भी कर रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत, पति पर हत्या का आरोप

PALAMU : पलामू के पाटन थाना क्षेत्र स्थित बरसैता गांव में सुनील पासवान की पत्नी प्रीति देवी (25) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार रात प्रीति का शव उसके कमरे में मिला। मायके पक्ष ने पति पर तकिए से मुंह दबाकर जान लेने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एमएमसीएच में रविवार दोपहर एक बजे पोस्टमार्टम किया गया। मृतका प्रीति की शादी वर्ष 2018 में सुनील पासवान से हुई थी। परिजनों के अनुसार, सुनील ने एक साल पहले मेदिनीनगर में रहने वाली एक युवती से दूसरी शादी कर ली थी। इस बात को लेकर प्रीति नाराज रहती थी और यह मामला पहले भी थाने तक पहुंचा था। सुनील अपनी दूसरी पत्नी के साथ मेदिनीनगर में रहता है। प्रीति के पिता किरानी राम ने अपने दामाद और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मायके पक्ष का कहना है कि सुनील ने

अपनी प्रेमिका के कहने पर प्रीति की हत्या की है। सुनील की मां भी उसकी दूसरी शादी से नाराज रहती थी। दशहरा के दौरान सुनील ने अपनी पत्नी से 'मंईयां सम्मान योजना' के दो हजार रुपये और मां से समूह किस्त के नाम पर चार हजार रुपये लिए थे। शनिवार रात प्रीति अपनी दो मासूम बच्चियों (4 और 3 वर्ष) के साथ खाना खाकर सो गई थी। आधी रात को पड़ोसियों ने शोरगुल सुना और मौके पर पहुंचने पर प्रीति को मृत पाया। उसके शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं थे। मौके से जरूरी जानकारी लेकर पाटन पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पर्व-त्योहार | करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली, देवउठनी एकादशी के साथ फेस्टिवल सीजन हो जाएगा समाप्त

आठ से होगी कार्तिक माह की शुरुआत, पांच नवंबर को समापन

PHOTON NEWS JSR : स्नान दान के पवित्र माह कार्तिक की शुरुआत 08 अक्टूबर से होगी। कार्तिक माह में कई तीज-त्योहार आएंगे।

इस दौरान करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली, देवउठनी एकादशी सहित कई त्योहारों की रौनक छाई रहेगी। स्नान-दान के साथ-साथ भगवान विष्णु की आराधना के लिए भी यह माह विशेष फलदायी माना जाता है। पवित्र कार्तिक माह की शुरूआत गुरुवार से होगी जो 05 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा तक रहेगा। यह माह फेस्टिवल सीजन का आखिरी माह है।

देवउठनी एकादशी से देवशयनी एकादशी के बीच चातुर्मास का यह आखिरी माह होता है। चातुर्मास के दौरान कई तीज-त्योहार आते हैं। देवप्रबोधिनी एकादशी के बाद बड़े पर्व-

त्योहारों का सिलसिला थम जाएगा। इसके बाद जनवरी में मकर संक्रांति के साथ ही पर्वों की शुरूआत होगी।

दीपोत्सव की रहेगी धूम

कार्तिक माह में दीपोत्सव की धूम रहेगी। धनतेरस से भाईदूज तक पर्वों की रौनक छाई रहेगी। इसी प्रकार भोजपुरी समाज का छठ पर्व भी कार्तिक माह में ही आएगा। पं. विपिन झा का कहना है कि कार्तिक माह भगवान विष्णु की आराधना के लिए विशेष फलदायी होता है। इस माह में साधना, आराधना, जप आदि करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। इस माह कार्तिक माहात्म्य की कथा करने का विधान है। इसके साथ ही, इस माह में तीर्थ स्थलों पर स्नान दान करने का भी विशेष महत्व है। इस माह पवित्र नदियों में स्नान करने से आयुष्य और आरोग्य की प्राप्ति होती है। इस माह गौ पूजन का भी विशेष महत्व है। गोवर्धन पूजा और गोपाष्टमी के दिन गोमाता की पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है।

कार्तिक मास के पर्व-त्योहार

10 अक्टूबर : करवा चौथ
13 अक्टूबर : अहोई अष्टमी
17 अक्टूबर : रमा एकादशी
18 अक्टूबर : धनतेरस,
19 अक्टूबर : काली चौदस
20 अक्टूबर : दिवाली
22 अक्टूबर : गोवर्धन पूजा
23 अक्टूबर : भैया दूज और चित्रगुप्त पूजा
25 अक्टूबरः छठ पर्व का नहाय-खाय
26 अक्टूबर : खरना
27 अक्टूबर : सूर्य देव को संध्याकाल का अर्घ्य
28 अक्टूबर : सुबह का अर्घ्य
30 अक्टूबर : गोपाष्टमी
31 अक्टूबर : अक्षय नवमी
01 नवंबर : देवउठनी एकादशी
02 नवंबर : तुलसी विवाह
05 नवंबर : देव-दिवाली

युवक की धारदार हथियार से हत्या, घटना के बाद से पिता फरार

PALAMU : पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के रतनपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां सूरज ठाकुर नामक एक युवक की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। आशंका जताई जा रही है कि इस अपराध को अंजाम देने वाला कोई और नहीं, बल्कि मृतक का पिता अमित ठाकुर है, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गया है। मामले की जानकारी रविवार सुबह सामने आई। घटना शनिवार रात की बताई गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पिता अमित ठाकुर की पत्नी एक वर्ष पूर्व गुमशुदा हो गई थीं, जिसके बाद से ही उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई थी। वहीं मृतक सूरज ठाकुर और उसके पिता अमित ठाकुर दोनों मिलकर कपूरी ठाकुर चौक स्थित संदीप चौरसिया कॉम्प्लेक्स के ऊपर के तल्ले पर एक सैलून चलाते थे। जांच में यह बात सामने आई कि पिता-पुत्र के बीच कोई विवाद हुआ, जिसके बाद अमित ठाकुर ने आवेश में आकर अपने बेटे की हत्या करी दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है, और आरोपित पिता की तलाश की जा रही है।

रांची रेल मंडल के प्रमुख स्टेशनों को बनाया जाएगा वेस्ट फ्री जोन

PHOTON NEWS RANCHI : रांची रेल मंडल प्रमुख स्टेशनों को वेस्ट फ्री यानी कचरा मुक्त बनाने के लिए अधिकारी से लेकर कर्मचारी जुटे हुए हैं। इसे लेकर तरह तरह की एक्टिविटी कराई जा रही है,ताकि लोगों को भी जीरो वेस्ट के बारे में जागरूक किया जा सके। बता दें कि 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाए जा रहे विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाली कई गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। रांची मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर जीरो वेस्ट को केंद्र में रखकर सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है। रेलवे स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाते हुए प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और परिसरों को कचरा मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से यात्रियों को जागरूक करने और प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनों का उपयोग बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि फेंकी गई प्लास्टिक से जल स्रोत और नालियों में अवरोध न उत्पन्न हो।

- जीरो कचरा के बारे में पैसेंजर्स को किया जा रहा जागरूक
- प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए दुकानदारों और स्टॉल संचालकों को भी संदेश

कूड़ेदान का बेहतर तरीके से प्रबंधन

स्टेशनों को जीरो वेस्ट जोन बनाने की दिशा में कूड़ेदान के सही प्रबंधन, अपशिष्ट पृथक्करण तथा रीसाइक्लिंग पर काम किया गया है। प्लास्टिक-मुक्त वातावरण बनाने के लिए दुकानदारों और खानपान स्टॉल संचालकों को भी जागरूक किया गया है। इसके साथ ही सौर ऊर्जा से संचालित उपकरणों की कार्यशीलता और उन्हें पूर्णतः उपयोग के योग्य बनाने पर जोर दिया गया।

चलती ट्रेन से गिरी महिला, आरपीएफ के जवान ने बचाई जान

महिला को बचाने में जवान हुआ चोटिल, इलाज के बाद मिली छुट्टी

RANCHI : रांची रेल मंडल में आरपीएफ द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन रक्षक के तहत एक महिला को जीवनदान मिला। 4 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 18640 रांची आरा एक्सप्रेस के नियमित जांच के दौरान यह घटना घटी। ट्रेन के रांची स्टेशन से प्रस्थान करने के कुछ ही क्षण बाद एक महिला यात्री ने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया। तेज रफ्तार में उतरने की कोशिश के दौरान वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की गैप में गिर पड़ी। ड्यूटी पर तैनात उप-निरीक्षक सूरज पांडेय ने बिना देर किए दौड़कर महिला को प्लेटफॉर्म की ओर खींचा और उसकी जान बचाई। इस प्रयास के दौरान उनके बाएं पैर में चोट लग गई।

उन्हें उपचार के लिए राज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद उन्हें छोड़ दिया गया है। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम सुष्मिता देवी बताया। वह रोहतास के बिक्रमगंज की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने परिवार के साथ सामान्य डिब्बे में बिक्रमगंज जा रही थीं। यात्रा के दौरान बेटी के नजर नहीं आने पर घबराहट में उन्होंने चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की, जिससे यह हादसा हुआ। उप निरीक्षक सूरज पांडेय की सतर्कता, साहस की चर्चा हो रही है। बता दें कि कमांडेंट पवन कुमार के दिशा-निर्देश में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

BRIEF NEWS

हमारी यात्रा आत्मबोध से विश्वबोध की तरफ होनी चाहिए : गोपाल शर्मा

RANCHI : रांची के हरमू स्थित विद्यापति दलान में रविवार को अखिल भारतीय साहित्य परिषद, झारखंड के तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आत्मबोध से विश्वबोध विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा समेत अन्य गणमान्यों ने भी संबोधित किया। गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी यात्रा आत्मबोध से विश्वबोध की तरफ होनी चाहिए। विश्व को जानने के लिए आत्म का ज्ञान प्रथम है, प्रकृति हमें कई प्रकार की चीजें उपलब्ध कराती है, परन्तु हमें यह जानना अति आवश्यक है कि हम प्रकृति को क्या देते हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज को जाति, भाषा, प्रांत आदि में बांटने का कार्य किया जाता है।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 150 मरीजों का हुआ नि:शुल्क इलाज

RANCHI : रांची स्थित पंजाबी भवन में भगवान महावीर आई हॉस्पिटल के की ओर से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गयी। संचालनकर्ता अरुण चावला ने बताया कि शिविर में आंखों में खुजली, मोतियाबिंद, काला मोतिया, आंखों से पानी गिरना, लाल होना व चोट आदि रोगों की जांच की गई। जांच के बाद 14 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया,जिनका इलाज अस्पताल में किया जाएगा। डॉक्टरों ने जिन मरीजों को चश्मा पहनने की सलाह दी, उन्हें पंजाबी हिंदू बिरादरी की ओर से नि:शुल्क चश्मा दिया गया। इससे पहले शिविर के उद्घाटन अवसर पर भगवान महावीर आई हॉस्पिटल के पूर्व अध्यक्ष पूरणमल जैन का स्वागत पंजाबी हिंदू बिरादरी के अध्यक्ष सुधीर उग्गल और राजेश खन्ना ने शॉल व पुष्पगुच्छ देकर किया।

रांची विश्वविद्यालय में रविवार को भी जारी रहा डिग्री निष्पादन कार्य

RANCHI : झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा 19 साल बाद विश्वविद्यालय शिक्षक नियुक्ति के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर 2025 निर्धारित है। आवेदन प्रक्रिया के अंतिम चरण में सबसे बड़ी चुनौती डिग्रियों को लेकर सामने आई है। आवेदकों को अपने यूजी और पीजी की डिग्रियां आवेदन के साथ संलग्न करना है, लेकिन रांची विश्वविद्यालय के पास वर्षों से लंबित डिग्रियों का बैकलॉग अभ्यर्थियों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। स्थिति को देखते हुए, रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का कार्यालय रविवार को भी खुला रहा और डिग्री निष्पादन का कार्य जारी रहा। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सुबह से ही छात्रों की लंबी कतारें लगी रहीं।

पीएचईडी पहाड़ पर युवती की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

उधारी के पैसे मांगने पर बाप-बेटे ने ली युवती जान

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के सदर थाना क्षेत्र के पीएचईडी पहाड़ पर युवती की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। वहीं इस मामले में पुलिस ने बाप-बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि तनुश्री के पास जयपाल सिंह का 80 हजार रुपये बकाया था, जिसे वह लौटाना नहीं चाहता था। वह लगातार पैसे की मांग कर रही थी, इसलिए उसे खत्म करने की योजना बनाई। इसके बाद उन्होंने तनुश्री को पहाड़ पर बुलाया। आरोपियों ने तनुश्री के मोबाइल से जबरन 50 हजार रुपये और अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए और बाद में उसकी हत्या कर दी।

29 सितंबर को मिला था शव

बूटी मोड़ फुटका टोली पीएचईडी पहाड़ के पास 29 सितंबर को एक अज्ञात युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन हरकत में आया और शव को रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद 72 घंटों तक शिनाख्त के लिए रखा गया। वहीं सदर थाना में मामला दर्ज करते हुए छानबीन शुरू की गई। एसपी और डीएसपी सदर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

पिता-पुत्र सहित तीन अभियुक्त गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

जानकारी देते सिटी एसपी व अन्य • फोटोन न्यूज़

लोहरदगा के रहने वाले हैं तीनों अभियुक्त

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका की पहचान ओरमांझी के चापावार की तनुश्री के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में जयपाल सिंह, धीरज कुमार सिंह और करण कुमार सिंह शामिल हैं। सभी नगरा लोहरदगा के रहने वाले हैं और वर्तमान में पानी टंकी शिवाजी नगर बूटी में रह रहे थे। पुलिस ने उनके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतका का सिम कार्ड व स्मार्टफोन, अन्य दो स्मार्टफोन बरामद किए हैं।

श्रद्धाभाव से मना प्रकाश पर्व, भाई जसपाल सिंह के गायन से निहाल हुए श्रद्धालु

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा में सिख पंथ के चौथे गुरु श्री गुरु रामदास जी का प्रकाश पर्व रविवार को श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया गया। इसके साथ ही विशेष रूप से दिल्ली से पहुंचे प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई जसपाल सिंह जी ने मेरी प्रीत गोविंद सिंह जिन घटैह्हुऔर धन धन रामदास गुरुह्ह जैसे गायन से साध संगत निहाल किया। इस अवसर पर खास तौर पर गुरद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्द्र सिंह ने कथा वाचन के दौरान गुरु रामदास जी के जीवन और उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु जी ने रामदासपुर (अमृतसर) की स्थापना कर सिख समाज को नई दिशा दी। उन्होंने आनंद कारज विवाह पद्धति और मसंद प्रणाली की भी शुरुआत की। इसके पहले, सुबह आठ बजे से विशेष दीवान का आयोजन किया गया, इसकी शुरुआत हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह और साथियों ने आसा दी वार कीर्तन से हुई। कार्यक्रम का समापन श्री आनंद साहिब के पाठ, अरदास, हुकमनामा और कड़ाह प्रसाद वितरण के साथ हुआ। सभी ने गुरु घर में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया और गुरु के अटूट लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का माहौल पूर्णतः भक्ति, प्रेम और समर्पण से भरा रहा। सभा की ओर से भाई जसपाल सिंह को सरोपा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

जनता की चिंता करें स्वास्थ्य मंत्री : सीपी सिंह

RANCHI : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी सोशल मीडिया पर अपने बयानों और पोस्ट के कारण लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। ताजा मामला भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह को लिखे पत्र का है। डॉ. इरफान अंसारी ने सोशल मीडिया पर पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक सीपी सिंह को एक पत्र लिखा है। सीपी सिंह ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सीपी सिंह ने कहा कि डॉ. इरफान अंसारी को हमारी चिंता छोड़ कर स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते राज्य की जनता की चिंता करनी चाहिए।

आज से शुरू होगा मारवाड़ी महिला सम्मेलन का सृजन स्पार्कल दिवाली मेला

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन सृजन शाखा की ओर से दीपावली के उपलक्ष्य में छह और सात अक्टूबर को अग्रसेन भवन में सृजन स्पार्कल दिवाली मेला लगाया जा रहा है। अग्रसेन भवन में शाखा अध्यक्ष नेहा सरावगी, सचिव रीता मोदी, कोषाध्यक्ष निधी शर्राफ ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। शाखा की पदाधिकारियों ने रविवार को बताया कि सृजन स्पार्कल मेले का उद्घाटन छह अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे मुख्य अतिथि सांसद महुआ माजी करेंगी। मेले में 55 स्टॉल्स लगाएं जायेंगे। इसमें कोलकाता, रामगढ़, तिलैया, रांची की बहनें स्टॉल लगायेंगी। स्टॉल में एथनिक वियर, फ्यूजन वेयर, बेड कवर, भगवान की पोशाक, बंदनवार, हैंगिंग ज्वेलरी और हाथों से बने सजाने वाले सामान उपलब्ध होंगे।

जान-बूझकर अटकाए जा रहे जमीन म्यूटेशन के मामले : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में जमीन के म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) मामलों में हो रही देरी को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि झारभूमि पोर्टल के डाटा को स्टेट डेटा सेंटर में ट्रांसफर करने के बाद भी स्थिति बदतर बनी हुई है। एक साधारण आवेदन खोलने में ही 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है, जो सरकारी तंत्र की लापरवाही और बाबूशाही की नई चाल है। बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि केवल रांची जिले में ही म्यूटेशन के करीब 18 हजार मामले लंबित पड़े हैं। इसके लिए उन्होंने इंटरनेट की धीमी गति को जिम्मेदार ठहराने की सरकारी दलील को झूठा बताते हुए कहा कि असली वजह रिश्वतखोरी है। उन्होंने कहा कि संबंधित अंचल अधिकारी (सीओ) को मोटी रकम या जमीन में हिस्सा नहीं मिलने पर मामले जानबूझकर अटका दिए जा रहे हैं।

जयंती पर याद किए गए कैलाशपति मिश्र

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, कुशल संगठनकर्ता और पूर्व राज्यपाल दिवंगत कैलाशपति मिश्र की जयंती रविवार को प्रदेश भाजपा की ओर से मनाई गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने बिरसा चौक के समीप स्थित दिवंगत कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि दिवंगत कैलाशपति मिश्र विशाल व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी थे। जनसंघ काल से ही उन्होंने झारखंड के सघन जंगल क्षेत्र में पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाया। भाजपा का झारखंड में मजबूत जनाधार खड़ा करने, कार्यकर्ताओं को गढ़ने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पशु चिकित्सा महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों ने लिया वॉकथॉन में भाग

RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के रांची पशुचिकित्सा और पशुपालन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रविवार को 71वें वन्यजीव सप्ताह वॉकथॉन में भाग लिया। वॉकथॉन का आयोजन झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग ने किया था। झारखंड के पहला सप्ताह में पूरे देश में वन्यजीव सप्ताह के रूप में मनाया जाता है, जो वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। रांची पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय के कुल 50 छात्र-छात्राओं ने 10 किमी वॉकथॉन में हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान के लिए कांग्रेस ने जिलाध्यक्षों को दिया टास्क

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शुरू किए गए 'वोट चोर, गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान को गति देने के उद्देश्य से गठित प्रदेश मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की पहली बैठक रविवार को कांग्रेस भवन में हुई। इस बैठक में प्रकोष्ठ के संयोजक अशोक कुमार चौधरी सहित सदस्य शशिभूषण राय, रमा खलखो, सुनील सिंह, शहबाज अहमद व प्रशांत किशोर उपस्थित रहे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि बैठक में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर सभी जिलाध्यक्षों को 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान के फॉर्म भेजे जाएंगे। उन्हें तय समय सीमा के भीतर हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत सुनिश्चित करनी होगी। इसके तहत जिलाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने प्रखंड अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों और मोर्चा प्रकोष्ठों के साथ बैठक कर अभियान को अधिकतम लोगों तक पहुंचाएं। सभी जिलाध्यक्षों को 10 अक्टूबर से पहले अभियान की बैठक से संबंधित रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को भेजनी होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के सदस्य प्रतिदिन अपने नाम के सामने निर्धारित जिलाध्यक्षों, जिला पर्यवेक्षकों, विधायकों, पूर्व विधायकों, सांसदों एवं पूर्व सांसदों से संपर्क करेंगे और अभियान की प्रगति की जानकारी लेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को नियमित रूप से प्रतिवेदन के रूप में दी जाएगी।

बैठक में प्रकोष्ठ के संयोजक अशोक कुमार चौधरी व अन्य

लापरवाही बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट के लिए अभी और करना होगा इंतजार

रांची नगर निगम में आवेदनों की पेंडिंग लिस्ट हुई लंबी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम शहर के लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराता है। होल्डिंग टैक्स कलेक्शन, रोड, नाली सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं भी निगम ही देता है। इसके अलावा नगर निगम से बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट भी जारी किए जाते हैं। इसके लिए समय भी निर्धारित है। लेकिन, रांची नगर निगम में इन दिनों बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट के लिए आवेदनों की लंबी कतार लगी हुई है। महीनों से आवेदन पड़े रहने के कारण लोगों को सर्टिफिकेट जारी नहीं हो पा रहा है। इस वजह से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इतना ही नहीं लोग नगर निगम के चक्कर लगाकर परेशान हो रहे हैं। हालांकि नगर प्रशासक ने मामले को गंभीरता से लिया है। वहीं नए रजिस्ट्रार को जिम्मेवारी सौंपी गई है। साथ ही उन्हें तेजी से आवेदनों को निपटाने का आदेश दिया है। नगर निगम की ओर से कुछ महीने पहले डॉक्यूमेंट सही है, तो एक हफ्ते के अंदर बर्थ सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा। रांची नगर निगम ने सभी डॉक्यूमेंट की एक लिस्ट जारी की थी, ताकि आवेदन करने में किसी को परेशानी नहीं हो। वहीं उन्हें आवेदन करने के लिए नगर निगम की दौड़ नहीं लगानी पड़े। इतना ही नहीं डेथ सर्टिफिकेट के लिए भी जरूरी दस्तावेजों की लिस्ट जारी कर दी गई थी, ताकि लोगों को आवेदन करने में कोई दिक्कत न हो। लेकिन, आवेदन करने के बावजूद महीनों से आवेदन पड़ा हुआ है। बता दें कि आवेदन के 21 दिनों के अंदर बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट जारी करने का प्रावधान है।

- नगर निगम ने नए रजिस्ट्रार को सौंपी जिम्मेदारी
- तीन हजार से अधिक आवेदनों का बैकलॉग
- हर दिन 50 से अधिक नए आवेदन हो रहे जमा
- आवेदन के 21 दिनों के अंदर जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का है प्रावधान

कर्मचारियों पर बढ़ता जा रहा लोड

रांची नगर निगम में बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट बनाने के लिए हर दिन 50 से अधिक नए आवेदन जमा होते है। इसके अलावा नाम सुधार और बदलने के लिए भी आवेदन लेकर लोग पहुंचते है। जिससे कि नगर निगम पर लोड बढ़ता ही जा रहा है। चूंकि पहले से ही आवेदनों की भरमार है। ऐसे में नए आवेदन करने वालों को सर्टिफिकेट के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

निगम की वेबसाइट पर चेक करें स्टेटस

रांची नगर निगम ने लोगों की परेशानी कम करने के लिए वेबसाइट में बदलाव किया है, जहां पर लोग बर्थ और डेथ के लिए किए गए आवेदन का स्टेटस देख सकते हैं। इससे उन्हें जानकारी मिल जाएगी कि उनका सर्टिफिकेट बना है या नहीं। टोकन नंबर डालकर लोग अपने आवेदन का स्टेटस चेक कर सकते हैं। इससे वे नगर निगम की दौड़ लगाने से बच जाएंगे।

सोदाग में सोहराई जतरा के दौरान नशापान पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को नामकुम प्रखंड अंतर्गत सोदाग पंचायत में आगामी सोहराई जतरा के सफल, अनुशासित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध आयोजन को लेकर बैठक हुई। अध्यक्षता ग्राम प्रधान गोविंदा बखला और संचालन पंचायत के मुखिया पतरस तिर्की ने किया। बैठक में पंचायत क्षेत्र के सभी वार्ड सदस्य, सोदाग मौजा के पाहन, कोटवार, पाईनभोरा महिला-पुरुष, युवक-युवतियां तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने जतरा को न केवल एक धार्मिक पर्व, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुखिया पतरस तिर्की ने जानकारी दी कि जतरा समिति का गठन कर लिया गया है, जिसमें आयोजन से जुड़े विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी समिति के सदस्यों को सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि जतरा के दौरान नशापान पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, जिससे आयोजन की गरिमा बनी रहे। साथ ही, पारंपरिक वेशभूषा में खोड़हा दल द्वारा गीत-संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे स्थानीय संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रदर्शन सुनिश्चित हो सके। विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु समिति को विशेष निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा, समन्वय और आपसी सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई है ताकि जतरा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न उत्पन्न हो।

शिव बने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष

RANCHI : रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले ग्रुप) ने झारखंड प्रदेश इकाई का पुनर्गठन रविवार को किया। रांची में पार्टी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सर्वसम्मति से शिव उरांव को प्रदेश अध्यक्ष और नारी सेना की अध्यक्ष पूनम सिंह को महिला प्रदेश अध्यक्ष चयनित किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव विजय प्रसाद गुप्ता ने इसकी औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक हक और न्याय पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। गुप्ता ने कहा कि झारखंड में 40 प्रतिशत से अधिक खनिज होने के बावजूद दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग अब भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Monday, 06 October 2025

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

मेला में धक्का-मुक्की

मेला में धक्का-मुक्की हो ही जाती है। कुंभ में तो बड़ा हादसा हो गया था, गनीमत रही कि यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ। हां, तो हम बात कर रहे हैं दशहरा के मेले की। जब नदी घाटों पर माता की प्रतिमा विसर्जित होने आती है, तो मेले का दृश्य बन ही जाता है। ऐसा ही हुआ, अपने शहर में। घाट पर दो पुराने परिचितों में धक्का-मुक्की हो गई। दोनों ने आस्तीनें चढ़ा लीं। पुरानी अदावत याद आ गई। एक को कुछ चढ़ी हुई थी, सो अंदर का शेर जाग गया। सामने वाले को बकरी समझते हुए ललकारने लगा। वास्तव में वह बम-बारूद साथ लेकर चलता है, इसलिए जवाब देने में देर नहीं लगाई। थोड़ी देर बाद पता चला कि बम तो कब का फुस्स हो चुका है, सो खाकी के सामने मिमियाने लगा। उधर, शेर भी चूहा बन चुका था। रात में दोनों ने माफी मांग ली।

निगम नहीं, जिला चाहिए

अपना मानगो आठ वर्ष बाद भी ढंग से निगम नहीं बन सका, लेकिन ख्वाब तो मेट्रो वाले हैं। फ्लाईओवर बनते देख हाकिमों को भी इसका फील आने लगा है, तो आनन-फानन में पुलिस अनुमंडल बनाने का प्रस्ताव रख दिया गया। पता नहीं यह कब बनेगा, लेकिन बुद्धिमान भतीजे ने झट से इसका क्रेडिट ले लिया। सुनने वाले अवाक रह गए। पहले तो कभी भतीजे ने इसकी चर्चा नहीं की थी, प्रस्ताव कब दे दिया था। खैर, इस मामले पर कोई पलटवार नहीं आया है, लेकिन बताते हैं कि चतुर चाचा अब इसे जिला बनाने का प्रस्ताव दे चुके हैं या दे दिया है। संभावना बहुत है, क्योंकि इसी जिले में दो-दो फ्लाईओवर बन रहे हैं। आसपास में बहुत से गांव-ब्लॉक हैं, जिसे मिलाकर यह जिला तो बन ही सकता है। वैसे भी यहां की आबादी दिनों-दिन बढ़ रही है। प्रस्ताव सरकार तक पहुंचते-पहुंचते काबिल बन जाएगा।

फिर रूठ गई किस्मत

एक नेताजी हैं, वह हर चुनाव में उम्मीद से भर जाते हैं। इस बार भी दुर्भाग्य से उपचुनाव की नौबत आई, तो लगे फील्डिंग करने। गांव-गांव घूमे, समस्या सुन दिलासा भी देने लगे। समर्थन बढ़ाने के लिए प्रवास भी करने लगे थे। सुबह-शाम चौक-चौराहे पर दो-चार लोगों को चाय पिलाते और देश-दुनिया की राजनीति पर चर्चा करने लगते। उनके तेवर और मूड देखकर यही लगा कि इस बार वे पंजा लड़ाकर रहेंगे। लेकिन, दूसरे ही दिन उनका सपना तब टूट गया, जब आलाकमान ने घोषणा कर दी कि हाथ तो तीर-कमान का ही साथ देगा। इसके साथ ही भूतपूर्व नेताजी की किस्मत एक बार फिर रूठ गई। गनीमत रही कि इस बार वे खूंटा तोड़कर नहीं भागे। अब उन्हें पता चल गया है कि इस बार भागे तो रस्सी पकड़ने भी कोई नहीं आएगा। पिछली बार खूंटा तोड़कर भागे थे तो भागते ही रह गए थे।

घर से निकलते ही...

घर से निकलते ही... कुछ दूर चलते ही..., यह गाना तो आपने सुना ही होगा। दरअसल, इस गाने की याद मुझे तब आई, जब छुक-छुक गाड़ी से यात्रा करने का अवसर मिला। ट्रेन पकड़ने के लिए घर से सुबह दस बजे निकला था, लेकिन स्टेशन पर पहुंचने से पहले ही पता चला कि गाड़ी दोपहर नहीं, शाम तक आएगी। फिर जांच-पड़ताल करने पर पता चला कि यह ट्रेन करीब 100 किलोमीटर दूर के स्टेशन पर आएगी। दौड़ते-भागते ही वहां पहुंचा, तो पता चला कि वह तो आपके शहर वाले स्टेशन पर ही शाम को आएगी। फिर उल्टे पांव भागा, तो गनीमत रही कि पांच मिनट बाद अपने शहर वाले स्टेशन पर आ गई। वैसे भी आजकल ट्रेन स्टेशन से खुलती है, तो कब गंतव्य पर पहुंचेगी, कोई नहीं बता सकता। स्टेशन से खुलकर आउटर या अगले किसी सुनसान हॉल्ट पर घंटों तक खड़ी रह सकती है।

सुंदरनगर में यात्री से लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मानगो बस स्टैंड जाने की बजाय ले गए थे जंगल की ओर

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर पुलिस ने 19 सितंबर की सुबह प्रेमी युगल के साथ हुई लूटपाट की घटना का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन, युवती का बैग, लेडीज पर्स और वारदात में प्रयुक्त ऑटो बरामद कर लिया है। इस घटना में एक अन्य आरोपी भी शामिल था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

घटना के बारे में बताया गया है कि गम्हरिया के रहने वाले शुभांकर अपने परिचित महिला योगिता बोबड़े के साथ 19 सितंबर की तड़के करीब चार बजे टाटानगर स्टेशन पहुंचे थे। वहां से उन्होंने मानगो बस स्टैंड जाने के लिए एक ऑटो पकड़ा। मगर, ड्राइवर और उसके दो साथी उन्हें गुमराह कर सुंदरनगर के भूरीडीह रेल फाटक की तरफ जंगलों की ओर ले गए। वहां तीनों ने युगल को चाकू दिखाकर डराया, उनके मोबाइल, पर्स और बैग लूट लिए। विरोध करने पर शुभांकर पर चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया। किसी तरह दोनों जंगल से भागकर सड़क पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू की और अब दो अपराधियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर दिया है।

ऑटो चालक ने दिया था घटना को अंजाम

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

समाचार सार

पुलिस अस्पताल में लगा हेल्थ कैंप

JAMSHEDPUR : साकची में शीतला मंदिर चौक के पास स्थित पुलिस अस्पताल में रविवार को रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी और जमशेदपुर पुलिस के संयुक्त सहयोग से एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस हेल्थ कैंप का उद्घाटन एसएसपी पीयूष पांडे ने किया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने पुलिसकर्मियों को मुफ्त स्वास्थ्य परामर्श दिया। रोटरी स्टील सिटी के सचिव जितेश कुमार चौधरी ने बताया कि शिविर में जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट, डेंटल, गायनो, पीडियाट्रिक और जनरल सर्जन जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 250 पुलिसकर्मियों की जांच की।

एनसीसी कैडेटों का 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' में चयन

GHATSILA : संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर के दो एनसीसी कैडेट संस्कार राय और सोमेन दास का चयन एक भारत- श्रेष्ठ भारत शिविर के लिए चयन हुआ है। एनसीसी व रक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में यह शिविर मोतिहारी (बिहार) में होने वाला है।

चाईबासा में वज्रपात से 4 बैलों की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो प्रखंड अंतर्गत लिसिमोती गांव में वज्रपात की चपेट में आकर 4 बैलों की मौत हो गई। इस घटना से गांव में सन्नाटा पसर गया है। मृत बैलों के मालिक ननकी गागराई और महावीर लागुरी हैं। ननकी गागराई ने बताया कि वह एक विधवा महिला हैं और अपने परिवार का पालन-पोषण खेती करके करती हैं। उनके पास ये बैल ही आय के स्रोत थे। महावीर लागुरी ने बताया कि उनके पास भी ये बैल ही आय के स्रोत थे। वज्रपात की घटना से उन्हें भी भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी से मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इन्हें सरकार से मुआवजा मिलना चाहिए।

गोलमुरी के एक घर से 5 लाख की चोरी

JAMSHEDPUR : गोलमुरी थाना अंतर्गत बजरंगनगर में शनिवार की देर रात चोरों ने स्व. गणेश शर्मा के घर से करीब 5 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन, सोने-चांदी के जेवरात और नकद पार कर दिए। यह घटना रात 1.30 बजे से सुबह 4 बजे के बीच की है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। सुबह जब परिवार के लोग सो कर उठे तो घर का सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। सूचना मिलने पर रविवार को गोलमुरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच शुरू कर दी। स्व. गणेश शर्मा के पुत्र सुजीत शर्मा और रंजीत शर्मा ने अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस घटना से पूरे बजरंगनगर इलाके में दहशत है।

सिदगोड़ा में ढाई साल के मासूम की हार्ट अटैक से मौत, होगी जांच

बहनों के साथ खेलते-खेलते पलंग पर लेटा, फिर नहीं उठा

PHOTON NEWS JSR : सिदगोड़ा थाना अंतर्गत पदमा रोड, 10 नंबर बस्ती में रविवार को ढाई वर्ष के मासूम रौनक वीर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना से परिवार, रिश्तेदारों और पूरे मोहल्ले में शोक की लहर है। रौनक की मां निकिता कौर ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे वह अपने बेटे को बहनों जसकीरत (10) और प्रभकीरत (8) के साथ खेलते देख रही थी। कुछ देर बाद रौनक घर में आकर पलंग पर लेट गया। जब निकिता काम खत्म करके लौटीं, तो उन्होंने समझा कि रौनक सो रहा है। लेकिन, आवाज देने और हिलाने पर भी जब वह नहीं उठा तो उनके होश उड़ गए।

बच्चे की फाइल फोटो

परिजनों ने सूचना उनके पिता परविंदर सिंह, जो आईटी कंपनी में मैनेजर हैं, को दी। आनन-फानन में बच्चे को मर्सी हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि संभवतः बच्चे को हार्ट फेल्योर हुआ है। बाद में परिजन रौनक को टीएमएच भी ले गए। वहां भी डॉक्टरों ने उसे मृत बताया। रौनक का शव टिनप्लेट हॉस्पिटल के शीतगृह में रख दिया गया है।

सोमवार को उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिवार पर यह दूसरा बड़ा सदमा है। करीब पांच महीने पहले रौनक की दादी का भी हार्ट अटैक से निधन हो गया था। रौनक के दादा राजेंद्र सिंह बारीडीह गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने उनकी बहुत बड़ी परीक्षा ली है। इस घटना से पूरा इलाका स्तब्ध है। मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

रंगड़ो पुलिया पर भिड़े दो ट्रक, केबिन में फंसा चालक

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के बरसोल थाना क्षेत्र अंतर्गत क्षतिग्रस्त रंगड़ो पुलिया एक बार फिर बड़े हादसे का गवाह बन गया। रविवार की सुबह करीब 4.30 बजे इस जर्जर पुलिया पर दो ट्रकों की टक्कर हो गई, जिसमें एक ट्रक का चालक मोहम्मद बारीक बुरी तरह अपने केबिन में फंस गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फंसे हुए चालक को बाहर निकाला गया। उसे बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि ट्रक कुछ माल लोड कर कोलकाता से बहरागोड़ा की ओर जा रहा था। इसी दौरान पुलिया पर दूसरे ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टक्कर मारने वाले ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसका चालक मोहम्मद बारीक एक घंटे तक केबिन में फंसा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण हर रोज मोटरसाइकिल और छोटे वाहन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। एनएचएआई द्वारा क्षतिग्रस्त पुलिया पर मिट्टी डाल दी थी, जिसने स्थिति को और भी खतरनाक बना दिया है।

ब्राउन शुगर बेच रहा युवक गिरफ्तार, 98 पुड़िया बरामद

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते डीएसपी भोला प्रसाद • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान में सीतारामडेरा थाना की पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। रविवार को पुलिस ने कुआं मैदान के पास ब्राउन शुगर बेच रहे एक युवक को रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक उरांव बस्ती का रहने वाला राजू लोहार है। एसएसपी ऑफिस में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएसपी हेड क्वार्टर-1 भोला प्रसाद ने बताया कि आरोपी के पास से 98 पुड़िया ब्राउन शुगर और 2200 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। जांच में पता चला है कि राजू पहले भी साकची इलाके में ब्राउन शुगर बेचता था। तब साकची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वह 8 महीने तक जेल में रहा था। जेल से छूटने के बाद उसने दोबारा नशे का कारोबार शुरू किया। अब वह आदित्यपुर से ब्राउन शुगर मंगाकर सीतारामडेरा इलाके में बेचने लगा था। पुलिस की पूछताछ में उसने कई अन्य सप्लायरों के नाम बताए हैं। उन पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने राजू लोहार को जेल भेज दिया।

बाबूलाल मरांडी पहुंचे घाटशिला कार्यकर्ताओं का बढ़ाया उत्साह

बैठक को संबोधित करते सांसद बिद्युत बरण महतो • फोटोन न्यूज

GHATSILA : कुमार मंगलम हॉल में रविवार को भाजपा, पूर्वी सिंहभूम जिला कमेटी के तत्वावधान में घाटशिला विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल हुए। उन्होंने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीतियों पर चर्चा की तथा सभी कार्यकताओं को बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया। बैठक में जिले के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं का उत्साह, एकता और संगठन की शक्ति ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहु, सांसद बिद्युत बरण महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, जिला प्रभारी बड़कुंवर गागराई, जिलाध्यक्ष चंडी साव तथा वरिष्ठ भाजपा नेता अभय सिंह भी उपस्थित थे।

मनोहरपुर में बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना अंतर्गत शहरी इलाके में चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के गहने और नकद की चोरी कर ली। घटना तब हुई, जब घर की मालकिन पुष्पा गुप्ता बाहर गई थीं।

पुष्पा गुप्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 23 सितंबर को वह विभागीय कार्य से चाईबासा गई थीं, फिर अपनी बेटी के घर चली गईं। इसके बाद दशहरा पर अपनी मां के घर जमशेदपुर चली गईं।

3 अक्टूबर को जब वह लौटीं तो देखा कि घर का ताला और सीकड़ टूटा था। अंदर देखा कि सभी अलमारी और बक्से का ताला खुला था। उनमें रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने और करीब 70 हजार रुपये गायब थे।

गोलमुरी में भाजपा नेता के घर में चोरी, ले गए 400 अमेरिकी डॉलर

PHOTON NEWS JSR : गोलमुरी थाना क्षेत्र के न्यू केबुल टाउन निवासी भाजपा नेता प्रेम झा के घर में रविवार की सुबह लाखों की चोरी हो गई। भाजपा, जमशेदपुर महानगर के जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा ने बताया कि लगभग 4 बजे अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर नकद राशि और मोबाइल फोन की चोरी कर ली। घटना के समय घर के सभी सदस्य गहरी नींद में थे। चोर घर की दीवार के सहारे अंदर घुसे और सीधे कमरे में पहुंचकर घर में टेबुल पर रखे दो मोबाइल फोन चुरा लिए। इसके साथ ही घर में टंगी जीन्स और पैंट से नकद राशि निकाल ली। चोरी हुई रकम में भाजपा नेता प्रेम झा की जीन्स से लगभग 1900 रुपये और उनके भाई के पर्स से लगभग 16 हजार नकद और करीब 400 अमेरिकी डॉलर

जांच करने पहुंचे पुलिस पदाधिकारी

(लगभग 35 हजार रुपये) शामिल हैं। इसके अलावा, चोरों ने उनके माता-पिता के मोबाइल फोन भी टेबुल से उठा लिए। वारदात के बाद सभी कपड़ों और पर्स को छत पर ले जाकर चोरों ने आराम से नकदी निकाली और कपड़ों को वहीं फेंक दिया। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे, तो छत पर लटक रहे कपड़ों को देखकर पूरी घटना का पता चला। घटना की जानकारी मिलते ही जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू भी प्रेम झा के आवास पहुंचीं। विधायक ने फोन पर गोलमुरी थाना प्रभारी से बात कर मामले की त्वरित जांच, पूरे केबुल क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग तेज करने और नियमित गश्त शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने केबुल टाउन क्षेत्र की हाई मास्ट लाइट के मरम्मतीकरण को लेकर जमशेदपुर अक्षेस के अधिकारियों को भी तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, भाजपा नेता मोहन कुमार, राकेश राव, प्रेम प्रकाश दुबे, राकेश झा व अन्य मौजूद रहे। प्रेम झा की शिकायत के बाद गोलमुरी थाना के पुलिस पदाधिकारी पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

घाटशिला की जनता को विधायक नहीं मंत्री चुनने का विकल्प : सुदिव्य कुमार

PHOTON NEWS GHATSILA : नेताजी सुभाष चंद्र टाउन हॉल में रविवार को झामुमो का विधानसभा स्तरीय चुनाव प्रशिक्षण शिविर लगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के उच्च शिक्षा, पर्यटन एवं तकनीकी विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू एवं भू-राजस्व एवं कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा उपस्थित थे। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए दोनों मंत्री ने कहा कि अबकी बार घाटशिला की जनता सिर्फ एक विधायक नहीं, बल्कि एक मंत्री चुनने का विकल्प होगा। पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू ने कार्यकताओं की भूमिका को बॉर्डर पर तैनात सिपाही से जोड़ा। झामुमो के प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने गुरुजी व रामदास सोरेन को नमन करते हुए, उनके आदर्शों की विरासत को याद किया। पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पर तीखा प्रहार करते हुए सवाल उठाया कि जो अपने राजनीतिक साथी से उनके अंतिम क्षणों में मिलने तक नहीं गए, वे झारखंड की अस्मिता की बात किस मुंह से करते हैं। जिस पार्टी ने चम्पाई सोरेन को इतना सम्मान दिया, वे उसके नहीं हुए, तो घाटशिला की जनता के कैसे हो सकते है। सांसद जोबा मांझी ने कहा कि आज की लड़ाई झूठ और छल के खिलाफ है। स्व. रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन ने अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि घाटशिला को एजुकेशन हब बनाना मेरे बाबा का सपना था। उसे हम हर हाल में पूरा करेंगे। कार्यक्रम का समापन दिशोम गुरु शिबू सोरेन और रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। धन्यवाद ज्ञापन जिला संयोजक बाघराय मार्डी ने किया।

प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित मंत्री, सांसद व अन्य • फोटोन न्यूज

इंफ्रास्ट्रक्चर मानगो चौक व छोटे ब्रिज पर हो रही पाइलिंग, छठ के बाद न्यू पुरुलिया रोड पर शुरू होगा पिअर निर्माण

दुर्गापूजा संपन्न होने के बाद तेजी से बनाया जा रहा मानगो फ्लाईओवर

PHOTON NEWS JSR : दुर्गापूजा संपन्न होने के बाद मानगो फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तेज हो गया है। यहां मानगो चौक पर पाइलिंग का काम तेजी से किया जा रहा है। मानगो के छोटे ब्रिज पर भी पाइलिंग का काम चल रहा है। पाइलिंग का काम पूरा होने के बाद पाइल कैप का काम शुरू किया जाएगा।

गौरतलब है कि दुर्गापूजा के दौरान फ्लाईओवर का निर्माण कार्य बाधित हो गया था। मगर, अब इसे दोबारा शुरू कर दिया गया है। मानगो चौक पर पाइलिंग तेजी से की जा रही है। इसके लिए गड्ढा खोदा गया है। डिमना रोड पर स्पॉन एरेक्शन का काम पूरा हो चुका है। मानगो चौक पर पाइलिंग कैप का निर्माण होने के बाद यहां पिअर और पिअर कैप का निर्माण होगा। पिअर कैप का निर्माण होने के बाद यहां स्पॉन एरेक्शन किया जाएगा। न्यू पुरुलिया रोड पर पाइल कैपिंग का काम पूरा हो चुका है।

फ्लाईओवर का चल रहा निर्माण कार्य • फोटोन न्यूज

यहां अब छठ के बाद पिअर निर्माण शुरू होगा। तय किया गया है कि छठ तक न्यू पुरुलिया रोड पर कोई निर्माण नहीं किया जाए। क्योंकि, अगर यहां अभी पिअर निर्माण शुरू होगा तो छठ में यातायात की समस्या खड़ी हो जाएगी। तब यहां भयंकर जाम लगने लगेगा, क्योंकि यहां सड़क संकरी है। इसी वजह से कहा गया है कि यहां पिअर निर्माण छठ के बाद कराया जाएगा।

पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही अब स्वर्णरेखा नदी में भी पाइल कैपिंग का काम शुरू होगा। यहां पाइल का काम होना है। इसके अलावा, पाइलिंग होने के बाद पिअर और पिअर कैप बनाए जाएंगे। तब जाकर यहां स्पॉन एरेक्शन होगा। स्पॉन एरेक्शन का मतलब पिअर कैप के ऊपर गार्डर रखे जाएंगे। न्यू पुरुलिया रोड पर टू-लेन फ्लाईओवर का अभी सर्वे नहीं हुआ है।

यहां पहले सिंगल लेन फ्लाईओवर बनाया जाना था। मगर, अब यहां भी टू-लेन फ्लाईओवर का प्रस्ताव है। मगर, अब तक टू-लेन फ्लाईओवर का सर्वे नहीं हुआ है। सर्वे होने के बाद ही यहां काम स्टार्ट होगा।

फ्लाईओवर की प्रगति

- 254 जगह पाइलिंग होनी है, अब तक हुई है 250
- 57 जगह होना है पाइल कैप निर्माण, अब तक 42 जगह हो चुका
- 57 जगह होना है पिअर का निर्माण, अब तक बन चुके 38
- 57 जगह होना है पिअर कैप का निर्माण, अब तक बन चुका 25
- 20 स्पॉन एरेक्शन होना है, अब तक हो चुके 12

BRIEF NEWS

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई का दिखावा कर रही सरकार : प्रवीण

BHAGALPUR : भागलपुर में रविवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेता प्रवीण सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार सरकार भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करने का दिखावा कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा आपराधिक गतिविधियों या भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति को जब्त करने की नई प्रक्रिया सिर्फ एक दिखावा है। श्री कुशवाहा ने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खासमखास मंत्री के अधीन कार्यरत तीन इंजीनियरों के यहां करोड़ों की अवैध संपत्ति मिली, तब सरकार ने क्या कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार यह दावा करते हैं कि बिहार से भ्रष्टाचार खत्म हो गया है, जबकि सच्चाई यह है कि आज भी आम लोगों को अपने काम के लिए सरकारी दफ्तरों में रिश्वत देनी पड़ती है।

सड़क निर्माण की मिली स्वीकृति, मंत्री ने विधायक को लिखा पत्र

ARARIA : फारबिसगंज स्टेशन चौक से बड़ा शिवालय, ट्रेनिंग स्कूल होते हुए पंचमुखी मंदिर पोखर तक 1.20 किलोमीटर लंबे सड़क निर्माण की स्वीकृति विभाग से मिल गई है। इस सड़क निर्माण को लेकर पथ निर्माण विभाग बिहार सरकार की ओर से 6.61 करोड़ रुपए स्वीकृत की गई है। मामले को लेकर बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी को पत्र लिखकर जानकारी दी। विधायक विद्यासागर केशरी ने इस सड़क निर्माण को लेकर विधानसभा में कई बार प्रश्न उठाया था और व्यक्तिगत तौर पर मंत्री नितिन नवीन से मुलाकात कर सड़क की उपयोगिता बताते हुए इसके निर्माण के लिए सकारात्मक पहल करने की मांग की थी। सड़क निर्माण की विभागीय स्वीकृति मिलने पर विधायक ने मंत्री नितिन नवीन के प्रति आभार प्रकट किया है।

दुर्घटना में पिकअप चालक की हुई मौत

BHAGALPUR : जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर भागलपुर खगड़िया सीमा के समीप एक पिकअप ड्राइवर को तेज रफ्तार टैंकर के ड्राइवर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ड्राइवर की मौके पर मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब पिकअप ड्राइवर गाड़ी को साइड में खड़ा कर लघुशंका कर रहा था। उसी दौरान टैंकर गाड़ी के ड्राइवर ने पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे खड़ी पिकअप ड्राइवर पर पलट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बेगूसराय जिला के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखडडा निवासी स्वर्गीय विजय यादव के 25 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है।

अररिया में तबाही, जल-जमाव, सड़क धंसने और यातायात बाधित होने की स्थिति

भारी बारिश के कारण एनएच पर पलटा ट्रक, जनजीवन अस्त-व्यस्त

AGENCY ARARIA : पिछले दो-तीन दिनों से अररिया में हो रही मूसलाधार बारिश ने जिले के जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शनिवार देर रात तेज मेघ गर्जन और तूफानी हवाओं के साथ हुई बारिश ने कई इलाकों में तबाही मचाई है, जिसके कारण गंभीर जलजमाव, सड़क धंसने और यातायात जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई है।

देर रात हुई भारी बारिश के चलते जिले से गुजरने वाली एनएच-27 पर रेन कट की वजह से सड़क करीब 10 फीट तक धंस गई। इस भीषण घटना में एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके अलावा, तेज हवा के कारण फोरलेन सड़क एनएच 27 और फारबिसगंज-कुरसेला स्टेट हाईवे पर कई स्थानों पर पेड़ गिर गए, जिससे यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। पोरबन्दर से सिलचर जाने वाली एनएच 27 फोरलेन सड़क पर ढोलबज्जा के निकट पेड़

अनियंत्रित होकर रास्ते में पलटा ट्रक

भारी तूफान से ट्रक पर गिरा पेड़

ग्रामीण क्षेत्रों में भारी नुकसान, 24 घंटे का अलर्ट

तेज हवा और मूसलाधार बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में दर्जनों घर उजड़ गए हैं। पूरे जिले में बिजली गुल हो गई है, जिससे आमजनों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि खेतों में पानी भर जाने से उनकी फसल को क्षति होने की आशंका है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। फिलहाल प्रशासन ने सड़क मरम्मत और जल निकासी के लिए टीमें तैनात करने का दावा किया है, लेकिन स्थानीय निवासी त्वरित और ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गिर जाने से दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और जाम जैसे हालात पैदा हो गए हैं।

स्वास्थ्य केंद्र में जलजमाव से हाहाकार : फारबिसगंज शहर का मुख्य बाजार सदर रोड पूरी तरह से पानी में डूब गया, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालात की गंभीरता नरपतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जहाँ पूरे परिसर में जलजमाव हो गया है। अस्पताल के ओपीडी, दवा कक्ष और मुख्य प्रवेश द्वार तक पानी भर गया, जिसके कारण मरीजों को घुटनों तक पानी पार कर इलाज के लिए जाना पड़ रहा है। वार्डों के आसपास गंदगी और पानी जमा होने से मच्छरों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।

अवैध वसूली करते धराया नकली सिपाही, पुलिस ने किया गिरफ्तार

AGENCY BETTIAH : बेतिया पुलिस जिला के सीमावर्ती सिकटा बॉर्डर के पास चौक पर पुलिस कमांडो के वर्दी में दुकान वाले से पैसे की अवैध वसूली करते फर्जी सिपाही को पुलिस ने गिरफ़्तार किया है। गिरफ्तार नकली सिपाही की पहचान बेतिया पुलिस जिला के शिकारपुर थाने के रखही गांव निवासी रफे आलम के रूप में हुई है। गिरफ्तार नकली कमांडो पुलिस का वर्दी पहन कर जगह जगह में ड्यूटी भी कर रहा था।

थानाध्यक्ष नीतिश कुमार मौर्य ने रविवार को बताया कि चुनाव को देखते हुए सिकटा बाजार के बॉर्डर चौक पर एएसआई सुभाष कुमार के नेतृत्व में जवानों के तैनात किया गया था। इसी दौरान बॉर्डर चौक के दुकानदारों से अवैध वसूली कर रहा था। पैसा नहीं देने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहा था। जिसकी शिकायत जब

लोगों द्वारा किया गया तो जांच हुई जांच में वह फर्जी कमान भी दिखाया। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

उसके पास से एक कॉम्बैट वर्दी, एक खाकी वर्दी जिसमें बिहार पुलिस का बैच एवं नेम प्लेट लगा हुआ है। दो बेल्ट, तीन बैरेट कैप, पिस्तौल तथा कारतूस रखने वाला कवर समेत तीन बैंकों का एटीएम कार्ड जब्त किया गया है।

गिरफ्तार फर्जी सिपाही ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वो वर्दी का प्रयोग अवैध वसूली के लिए करता था। वहीं घरवालों को बताता था कि मेरा बिहार पुलिस में नौकरी लगा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने उत्कृष्ट कार्य के लिए सारण जिले के 10 बीएलओ को किया सम्मानित

AGENCY PATNA : बिहार में हाल ही में संपन्न हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले सारण जिले के 10 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह पटना के होटल ताज में आयोजित किया गया, जहां राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित बीएलओ को प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिह्न प्रदान किए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस मौके पर कहा कि बीएलओ लोकतंत्र की जड़ हैं, जिनके अथक परिश्रम से मतदाता सूची की शुद्धता और अद्यतनता सुनिश्चित होती है। सारण जिला प्रशासन ने भी इन सभी बीएलओ को बधाई देते हुए उनके कार्य की सराहना की है।

सारण जिले से सम्मानित होने वाले बीएलओ

- राजकुमार राम – 113 एकमा विधानसभा, मतदान केंद्र संख्या 216
- राजू कुमार प्रसाद – 115 बनियापुर, मतदान केंद्र संख्या 297
- मसूदूल हसन अंसारी – 117 मढ़ौरा, मतदान केंद्र संख्या 258
- कुमारी रीता – 116 तरैया, मतदान केंद्र संख्या 231
- संतोष कुमार – 116 तरैया, मतदान केंद्र संख्या 180
- प्रशांत कुमार – 114 मांझी, मतदान केंद्र संख्या 260
- हेवंती देवी – 118 छपरा, मतदान केंद्र संख्या 302
- हीना प्रवीण – 118 छपरा, मतदान केंद्र संख्या 258
- संगीता कुमारी – 122 सोनपुर, मतदान केंद्र संख्या 146
- निरजा – 122 सोनपुर, मतदान केंद्र संख्या 242

बिहार भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने राजग के तीन घटक दलों के नेताओं से की मुलाकात

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीट बंटवारे की कवायद तेज हो गई है। दो दिन के दौरे पर पटना पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को राजग के तीन घटक दलों के नेताओं से मुलाकात की।

धर्मेंद्र प्रधान ने सबसे पहले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के घर मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहे। फिर राजग के घटक दल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी से मिलने उनके आवास गए। जहां करीब आधे घंटे तक बैठक चली।

नेताओं से की मुलाकात करते धर्मेंद्र प्रधान

इस बैठक में राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल साथ रहे। दो बैठकों के बाद तीसरी बैठक राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के साथ उनके आवास पर हुई, जो करीब आधे घंटे तक चली।

धर्मेंद्र प्रधान ने इस बैठक के दौरान राजग के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा की। जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने धर्मेंद्र प्रधान के साथ बैठक को शिष्टाचार मुलाकात बताया। सीट बंटवारे के सवाल पर उन्होने कहा कि राजग के सभी घटक दल साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे। वहीं, हम के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा सीट बंटवारे पर चर्चा हुई है।

कटिहार में 664.45 लीटर अवैध शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

AGENCY KATIHAR : जिले के बलिया बेलौन थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से 664.45 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान एक तस्कर मंटू मंडल को भी गिरफ्तार किया गया है। बलिया बेलौन थाना अध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पिकअप वाहन में शराब की बड़ी खेप लेकर आ रहा है। इसके बाद थानाध्यक्ष ने अपने पुलिस बल के साथ मिनापुर फुटानी चैक पर वाहन जांच अभियान चलाते हुए एक पिकअप वाहन से 664.45 लीटर विदेशी शराब और अधिक मात्रा में आलू बरामद किया गया है। पुलिस ने वाहन चालक मंटू मंडल को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार अभियुक्त मंटू मंडल पिता स्वर्गीय सुरेश मंडल ग्राम कुसेर्ला बस्ती, थाना कुसेर्ला, जिला कटिहार के निवासी है।

दरभंगा पुलिस ने 24 घंटे में दर्ज किए 10 मामले, शराब जब्त

DARBHANGA : दरभंगा जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान पुलिस ने कुल 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उन्हें जेल भेजा। इस दौरान विदेशी शराब की बड़ी खेप, 198.75 लीटर और देशी शराब के 10 लीटर जब्त किए गए। पुलिस ने 16 जमानती और 2 अजरामती वारंट के तहत कार्रवाई की, साथ ही 43 व्यक्तियों का चरित्र सत्यापन और 26 व्यक्तियों का पासपोर्ट सत्यापन भी किया। वाहनों की जांच एवं सामान के रूप में 85,500 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। अन्य गतिविधियों में, किसी भी वाहन की जब्ती या देशी आग्नेयास्त्र बरामदगी नहीं हुई।

NEWS BOX

ऐतिहासिक होगी तेजस्वी यादव की जनसभा : संजय यादव

AGENCY BHAGALPUR : जिले के गोराडीह प्रखंड के बिरनौध में 08 अक्टूबर को होनेवाले बिहार विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की जनसभा को लेकर रविवार को झारखंड सरकार के उद्योग एवं श्रम संसाधन मंत्री संजय यादव एवं बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु संयुक्त रूप से सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री संजय यादव ने कहा कि कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। इसके लिए जगह-जगह तोरण द्वार, सभा स्थल पर 5000 कुर्सियां, नुक्कड़ सभा और जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। श्री यादव ने कहा कि लोग तेजस्वी को देखने और सुनने के लिए काफी उत्सुक हैं। गाजे-बाजे के साथ कार्यकर्ता सभा स्थल पर गांव-गांव से आकर शामिल होंगे। श्री यादव ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के झूठी घोषणाएं से जनता आक्रोशित है। विकास योजनाओं में लूट मची है। जनता का कोई सुनने वाला नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकार झूठी घोषणाओं के माध्यम से जनता को गुमराह कर वोट लेने का प्रयास कर रही है।

चारा लाने जा रहीं तीन लड़कियां बाढ़ के पानी में बहीं, दो की मौत

AGENCY BETTIAH : पश्चिम चंपारण ज़िला में लगातार बारिश के बाद आई बाढ़ में रविवार की सुबह बेतिया पुलिस जिला के सिकटा थाने के भवानीपुर गांव की तीन जिसमें दो सगी बहन पानी के तेज बहाव में बह गई। जानकारी के अनुसार जिससे दोनों खास बहनों की मौत हो गई है। वहीं एक को स्थानीय लोगों ने बचा लिया है। दोनों बहने एक साथ मवेशियों के लिए चारा लाने जा रही थी। इसी बीच टूटे हुए सड़क पर बह रहे तेज पानी के बहाव में बह गई। इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। काफी मशक्कत के बाद दोनों को पानी से निकाला गया लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। किशोरियों की पहचान भवानीपुर गांव के शेख आलम की पुत्री रॉबिन खातून व रुबाना खातून के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर सिकटा थाने के थानाध्यक्ष नितिश कुमार मौर्य ने मौके पर पहुंचकर दोनो के लाश को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस संवाददाता को बताया कि तीन किशोरी चारा काटने जा रही थी। उसी दौरान तीनों पानी में बह गई। जिसमें ग्रामीणों ने तैयब मियां की पुत्री हुसनेआरा खातुन को बचा लिया। वहीं सगी दो बहनों की मौत पानी से निकालने से पहले हो गई थी। इस घटना से इलाका में कोहराम मचा हुआ है।

भारती शिक्षा समिति के पूर्व छात्रों का हुआ सम्मेलन

AGENCY BHAGALPUR : भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार के तत्वावधान में रविवार को आयोजित विभाग स्तरीय पूर्व छात्र सम्मेलन का कार्यक्रम आनन्दराम ढांढनियाँ सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ऊपू क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्यालीराम, भागलपुर विभाग के जिला निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष प्रो० डा० शैलेश्वर प्रसाद सिन्हा, प्रांत संयोजक पूर्व छात्र परिषद अनुराग महाराणा, विभाग संयोजक पूर्व छात्र परिषद भागलपुर के अश्वनी खरोड, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य रविशंकर पाण्डेय एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमंत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। आगत अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूर्व छात्रों को एकजुट करना और उनके अनुभवों को साझा करना था। उक्त अवसर पर उत्तर पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्यालीराम ने कहा कि पूर्व छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूर्व छात्रों को एकजुट करना और उनके अनुभवों को साझा करना है। जिससे वर्तमान छात्रों को लाभ हो सकता है। पंच परिवर्तन की चर्चा विस्तार से किए। विभाग के सभी विद्यालयों से आए हुए प्रधानाचार्य एवं पूर्ववर्ती छात्रों की अलग-अलग टोली ने वर्ष भर कै क्रियाकलापों का वृत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमंत कुमार ने प्रस्तुत किया। धन्यवाद जापान अश्विनी खरौड ने किया। मंच संचालन संयोजक, पूर्व छात्र, सरस्वती विद्या मंदिर नरगा के सौरभ आचार्य ने किया। वंदे मातरम के पश्चात कार्यक्रम संपन्न हुआ।

विधान पार्षद अब्दुल बारी सिद्दीकी ने पांच योजनाओं का किया शिलान्यास

AGENCY DARBHANGA : राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव एवं बिहार विधान परिषद के मुख्य सचेतक अब्दुल बारी सिद्दीकी ने आज अलीनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित हॉस्पिटल परिसर में पाँच जन-उपयोगी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें से चार योजनाएँ अलीनगर प्रखंड क्षेत्र के लिए हैं। अलीनगर हॉस्पिटल में दो कमरों का प्रतीक्षालय निर्माण, पिरहौली में पीसीसी सड़क निर्माण, सिसौनी में पीसीसी सड़क निर्माण, तथा अलीनगर प्रखंड मुख्यालय में प्रतीक्षालय एवं सभागार निर्माण। इसके अलावा, घनश्यामपुर प्रखंड परिसर में कपूरी सभागार एवं प्रतीक्षालय निर्माण योजना का भी शिलान्यास किया गया। सिद्दीकी ने बताया कि अलीनगर विधानसभा क्षेत्र में अब तक लगभग 60 जनहित योजनाएँ स्वीकृत की जा चुकी हैं, जिनका शिलान्यास कार्यक्रम जल्द आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के कारण वे आज पटना लौट रहे हैं, किंतु अवसर मिलने पर सभी स्वीकृत योजनाओं का शिलान्यास स्वयं करेंगे। उन्होंने रचनात्मक, विकासात्मक एवं जन-उपयोगी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया।

सियासी मुकाबला दरभंगा जिले की राजनीति इस बार दिख रही बेहद दिलचस्प

राजनीतिक समीकरणों में उलझे गौड़ा बौराम और अलीनगर

AGENCY DARBHANGA : दरभंगा जिले की राजनीति इस बार जातीय समीकरण, आंतरिक खींचतान और टिकट वितरण की संभावनाओं को लेकर बेहद दिलचस्प हो गई है। जिले की दस विधानसभा सीटों में 2020 के विधानसभा चुनाव में नौ सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की थी, जबकि राजद को केवल एक सीट पर संतोष करना पड़ा। इनमें जेडीयू को पाँच, भाजपा को चार और राजद को एक सीट मिली थी। 2020 के नतीजों के अनुसार, दरभंगा शहरी, जाले, घनश्यामपुर, बहेड़ी और अलीनगर सीटें एनडीए के हिस्से में आईं, जबकि बिरौल, गौड़ा बौराम, दरभंगा

ग्रामीण और कुशेश्वरस्थान जैसे क्षेत्रों में भी एनडीए ने मजबूत प्रदर्शन किया था। जिले की दस सीटों में से नौ पर एनडीए की जीत ने उस समय एनडीए की संगठनात्मक मजबूती और जातीय संतुलन साधने की रणनीति को सफल बना दिया था। अब 2025 के चुनाव से पहले सबसे बड़ी चुनौती टिकट वितरण को लेकर सामने आई है। खासकर गौड़ा बौराम और अलीनगर विधानसभा क्षेत्र में यह खींचतान स्पष्ट दिख रही है। गौड़ा बौराम से वर्तमान विधायक स्वर्णा सिंह के पति सुजीत सिंह और भाजपा के युवा नेता राजीव ठाकुर के बीच अंदरखाने जबरदस्त दावेदारी की जंग चल रही है। दोनों नेता सार्वजनिक रूप से भले ही एक-दूसरे पर हमलावर न दिखें, मगर अंदर ही अंदर टिकट की दौड़ में एक-दूसरे को पीछे करने की पूरी कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि अलीनगर और गौड़ा बौराम, भले ही दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र हैं, मगर टिकट वितरण में दोनों के बीच सीधा संबंध बन गया है। सूत्रों के अनुसार, यदि गौड़ा बौराम से सुजीत सिंह को टिकट मिलता है तो अलीनगर से संजय कुमार सिंह (पप्पू सिंह) की दावेदारी कमजोर पड़ जाएगी, वहीं यदि अलीनगर से संजय कुमार सिंह को टिकट मिलता है तो गौड़ा बौराम से सुजीत सिंह की उम्मीदवारी पर असर पड़ेगा। दरअसल, दरभंगा की दस सीटों में राजपूत और ब्राह्मण समुदायों के बीच टिकट बंटवारा एक परंपरागत संतुलन के रूप में देखा जाता है। यदि किसी सीट पर राजपूत उम्मीदवार को मौका मिलता है तो पास की दूसरी सीट पर ब्राह्मण उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि दोनों सीटों पर दावेदारी को लेकर जातीय समीकरण गहराई से जुड़ गए हैं।

नरपतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हुआ जलमग्न, बढ़ी परेशानी

AGENCY ARARIA : अररिया के विभिन्न इलाकों में लगातार दो दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है। जिसके कारण जिले में बहने वाली नदियां पूरे उफान पर हैं। वहीं बारिश के कारण आम जनजीवन पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ा है। सड़क से लेकर सरकारी कार्यालय और अस्पताल तक में जल जमाव ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी है। जिले के नरपतगंज प्रखंड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह जल मग्न हो गया है। जिसके कारण आमजनों के साथ स्वास्थ्यकर्मियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य सड़क से लेकर पूरा अस्पताल परिसर जलमग्न है। वहीं अस्पताल और कमरे में पानी फैल जाने के कारण लाखों रुपए मूल्य की

दवाईयां और अन्य स्वास्थ्य उपकरण पानी में बिखरे पड़े हैं और खराब हो रहे हैं। नरपतगंज समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पानी फैल जाने के कारण चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों को अस्पताल पहुंचने में काफी परेशानी हो रही है। वहीं अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर तक वाहन नहीं आ पाने के कारण मरीजों और उसके परिजनों को पैदल ही फैले पानी को पार कर अस्पताल पहुंचना पड़ रहा है।

पुल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दिया धरना

BHAGALPUR : जिले के जगदीशपुर प्रखंड के तहसुर और सैदपुर घाट पर पुल निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। धरना दे रहे ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से पुल निर्माण की मांग की जा रही है। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीण रवि कुमार ने बताया कि पुल नहीं होने के कारण लोगों को जगदीशपुर जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर किसी ग्रामीण की तबीयत खराब हो जाए तो उसे अस्पताल ले जाने में घंटों का समय लग जाता है। धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि इस पुल के बनने से तहसुर, सैदपुर और आसपास के कई गांवों के लोगों को सीधा फायदा होगा।

बैंकों और बिल्डरों की संयुक्त धोखाधड़ी

बिल्डरों की ओर से अपने घर का सपना देखने वालों को ठगने के मामले किसी से छिपे नहीं। माना जाता था कि समय के साथ इस तरह के मामलों पर विराम लगेगा और फ्लैट खरीदारों को छलने-ठगने का सिलसिला बंद होगा, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। हाल में हजारों लोग ऐसे सामने आए, जो अपनी गाढ़ी कमाई के साथ अपना सुख-चैन भी खो रहे हैं और जिनका अपने घर का सपना भी पूरा नहीं हो पा रहा है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि अपने घर का सपना संजोने वालों को ठगने में बिल्डरों के साथ बैंक भी शामिल पाए गए। दोनों ने लोगों को सबवेंशन स्कीम के तहत ठगा। इस स्कीम के तहत लोग दस या बीस प्रतिशत राशि देकर किसी बिल्डर/डेवलपर की परियोजना में अपना फ्लैट बुक कराते थे। शेष पैसा बैंक सबवेंशन स्कीम के तहत सीधे बिल्डर को दे देते थे। वे फ्लैट तैयार कर ग्राहकों को सौंपने तक खुद बैंकों को किस्त चुकाने का वादा करते थे। हजारों लोगों ने इस आकर्षक स्कीम के तहत अपने फ्लैट बुक कराए। यह सिलसिला 2010-11 से शुरू हुआ। सबवेंशन स्कीम के नाम पर हो रहे घोटाले का पता तब चला, जब कुछ ऐसे पीड़ित लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिन्हें उन किस्तों को चुकाने के लिए कहा जा रहा था, जिन्हें बिल्डर को देना था। बिल्डरों ने केवल किस्त चुकानी ही बंद ही नहीं की थी, बल्कि फ्लैट निर्माण भी रोक दिए थे। उन्होंने बैंक से मिला पैसा कहीं और खपा दिया था। कुछ बिल्डर तो डिफाल्टर हो गए थे। इसके बाद बैंकों ने बिल्डरों की गर्दन दबोचने के बजाय फ्लैट खरीदारों को पकड़ा और उन्हें उस लोन की शेष किस्तें चुकाने को विवश करने लगे, जो वस्तुतः बिल्डरों को दिया गया था। बैंकों को इस तर्क से कोई मतलब नहीं था कि फ्लैट खरीदार फ्लैट हासिल किए बिना किस्त क्यों चुकाएं। चूंकि भुक्तभोगी लोगों ने सबवेंशन स्कीम के तहत किस्त चुकाने को लेकर बैंकों और बिल्डरों से त्रिपक्षीय समझौता कर रखा था, इसलिए वे फंस गए। इसलिए और भी, क्योंकि बैंकों ने इससे पल्ला झाड़ लिया कि बिल्डर फ्लैट बना भी रहे हैं या नहीं। यह अंधेरगर्दी तब हुई, जब रिजर्व बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को यह एडवाइजरी जारी कर रखी थी कि वे बिल्डरों को उनकी परियोजनाओं के लिए चरणबद्ध तरीके से पैसा दें, यानी उनकी आवासीय परियोजना जैसे-जैसे आगे बढ़े, वैसे-वैसे वे उन्हें पैसा दें। उन्होंने ऐसा करना जरूरी नहीं समझा। इसलिए नहीं समझा, क्योंकि ठगी के इस खेल में वे भी बिल्डरों का साथ दे रहे थे। यदि बैंक अतिरिक्त सतर्कता न भी बरतते, केवल रिजर्व बैंक की एडवाइजरी का ही पालन करते और इसकी चिंता करते कि उनका अपना पैसा डूबने न पाए तो हजारों लोगों को ठगे जाने से रोका जा सकता था। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि बैंकों ने बिल्डरों के साथ मिलकर लोगों को ठगा। वस्तुतः यह ठगी नहीं लूट है। इससे अधिक शर्म की बात और कोई नहीं कि कई सरकारी बैंक भी इस तरह की खुली लूट में शामिल पाए गए। वास्तव में इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ को बिल्डरों के साथ बैंकों-वित्तीय संस्थानों के खिलाफ भी मामले दर्ज करने का आदेश दिया। अप्रैल में सामने आए इस मामले में जुलाई में 22 मामले दर्ज किए गए। पहले केवल दिल्ली, एनसीआर के ही बिल्डर इस ठगी में लिप्त पाए गए थे, पर बीते सप्ताह सीबीआइ जांच में पता चला कि मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में भी बैंकों और बिल्डरों ने घर खरीदारों को धोखा दिया है। इसलिए छह और मामले दर्ज किए गए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट मित्र का कहना है कि सुपरटेक लिमिटेड फ्लैट खरीदारों को धोखा देने में मुख्य अपराधी है। सुपरटेक की कई परियोजनाओं में लोगों के फ्लैट फंसे हैं। सबवेंशन स्कीम के तहत लोगों को ठगने के मामले 2010 से लेकर 2018 तक की परियोजनाओं के हैं। इसका मतलब केवल यही नहीं कि 2017 में रेरा के गठन के बाद भी बैंक-बिल्डर मिलकर लोगों को ठगते रहे, बल्कि यह भी है कि इस नियामक संस्था ने भी फ्लैट खरीदारों के हितों की परवाह नहीं की। इस संस्था का गठन तो फ्लैट खरीदारों के हितों के लिए किया गया था। वह भी धोखेबाज बिल्डरों के हित की चिंता करती दिखी। यह कहीं ज्यादा शर्म की बात है, क्योंकि यह बाड़ खेत को खाए वाला मामला है। यह समझ आता है कि लोग बिल्डरों पर सहज ही भरोसा न करें, लेकिन क्या अब वे बैंकों और रेरा जैसी संस्था से भी कोई उम्मीद न रखें। उनकी संदिग्ध कार्यप्रणाली तो इसी ओर संकेत करती है। पता नहीं सबवेंशन स्कीम के तहत बैंकों के कितने हजार करोड़ रुपये फंसे हैं और कितने हजार लोग ऐसे हैं, जिन्हें फ्लैट भी नहीं मिला और वह लोन भी उनके गले पड़ गया, जिसे बिल्डर डकार गए। यदि इस मामले की जांच और सुनवाई वर्षों तक होती रही और बैंक एवं बिल्डरों को कठघरे में नहीं खड़ा किया गया तो यह हजारों फ्लैट खरीदारों के साथ अन्याय होगा। इस अन्याय का प्रतिकार केवल यही नहीं होगा कि लोगों को लूटने वाले बैंक अफसरों और बिल्डरों को दंड का भागीदार बनाया जाए, बल्कि फ्लैट खरीदारों को राहत दी जाए। उन्हें उन अनिर्मित या अर्धनिर्मित फ्लैटों का लोन चुकाने को बाध्य नहीं किया जाना चाहिए, जो उन्हें मिले ही नहीं।

भारत में बाल विवाह उन्मूलन की दिशा और यूएन रिपोर्ट

ANALYSIS

डॉ. निवेदिता शर्मा

आंकड़े कहते हैं, दुनिया के कुल बाल विवाहों में से लगभग एक तिहाई भारत में होते हैं। यह स्थिति केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिंता का विषय रही है। यहां गरीबी, अशिक्षा एवं अन्य कारण मिलकर बाल विवाह को गहराई तक जड़ें जमाने में मदद की है। किंतु, पिछले दो दशकों में सरकार, नागरिक समाज और बाल अधिकार संगठनों के संयुक्त प्रयासों ने इस सामाजिक समस्या को बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए। बाल विवाह निरोधक कानून लागू हुआ, लेकिन वास्तविक बदलाव तब शुरू हुआ जब कानूनी ढांचे के साथ सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को जोड़ा गया। साल 2023-24 में ही नागर समाज, पंचायतों और कानूनी हस्तक्षेपों की मदद से 73,501 बाल विवाह रोके गए। इनमें से लगभग 59,364 मामले पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से रोके गए, जबकि 14,137 मामले कानूनी कार्रवाई के कारण रुके (एनसीपीसीआर रिपोर्ट, 2024)। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि पंचायतें और स्थानीय निकाय सक्रिय होने पर सामाजिक कुरीतियों को जड़ से उखाड़ सकती हैं। असम में बाल विवाह में 84 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, वहीं महाराष्ट्र और बिहार में यह गिरावट लगभग 70 प्रतिशत रही (भारत सरकार, 2024)।

भारत ने बाल विवाह रोकथाम में हाल के वर्षों में जो प्रगति हासिल की है, वह पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायक है। संयुक्त राष्ट्र की आम सभा के दौरान जारी रिपोर्ट टिपिंग पॉइंट टू जीरो : एविडेंस टुवर्ड्स ए चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया ने यह बताया कि 2023 से अब तक भारत में चार लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए। यह संख्या आंकड़ों की दृष्टि से तो महत्व रखती ही है, साथ में सामाजिक परिवर्तन की दिशा में यह एक निर्णायक क्षण का प्रतीक है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने एक साल पूर्व जब कहा था कि मौजूदा गति से दुनिया को बाल विवाह मुक्त बनने में लगभग तीन सौ साल लगेंगे, तब किसी ने नहीं सोचा था कि भारत इतनी तेजी से प्रगति कर पाएगा। आंकड़े कहते हैं, दुनिया के कुल बाल विवाहों में से लगभग एक तिहाई भारत में होते हैं। यह स्थिति केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिंता का विषय रही है। यहां गरीबी, अशिक्षा एवं अन्य कारण मिलकर बाल विवाह को गहराई तक जड़ें जमाने में मदद की है। किंतु, पिछले दो दशकों में सरकार, नागरिक समाज और बाल अधिकार संगठनों के संयुक्त प्रयासों ने इस सामाजिक समस्या को बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए। बाल विवाह निरोधक कानून लागू हुआ, लेकिन वास्तविक बदलाव तब शुरू हुआ जब कानूनी ढांचे के साथ सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को जोड़ा गया। साल 2023-24 में ही नागर समाज, पंचायतों और कानूनी हस्तक्षेपों की मदद से 73,501 बाल विवाह रोके गए। इनमें से लगभग 59,364 मामले पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से रोके गए, जबकि 14,137 मामले कानूनी

कार्रवाई के कारण रुके (एनसीपीसीआर रिपोर्ट, 2024)। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि पंचायतें और स्थानीय निकाय सक्रिय होने पर सामाजिक कुरीतियों को जड़ से उखाड़ सकती हैं। असम में बाल विवाह में 84 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, वहीं महाराष्ट्र और बिहार में यह गिरावट लगभग 70 प्रतिशत रही (भारत सरकार, 2024)। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन हजारों बालिकाओं के जीवन से जुड़े तथ्य हैं, जो समय से पहले विवाह के बंधन से बचीं और शिक्षा तथा भविष्य को संवारने का अवसर प्राप्त किया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने इस अभियान में विशेष योगदान दिया है। आयोग ने लगातार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से डेटा एकत्र किया, उच्च जोखिम वाले जिलों की पहचान की और लक्षित कार्यक्रम चलाए (एनसीपीसीआररिपोर्ट, 2024)। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 27 राज्यों और 7 केंद्रशासित प्रदेशों में 11.5 लाख से अधिक बच्चे बाल विवाह के उच्च जोखिम में हैं। आयोग ने न केवल आंकड़ों पर ध्यान दिया, बल्कि जागरूकता अभियान, हेल्पलाइन, बालिकाओं के लिए शिक्षा पुनर्वास और पंचायतों के साथ समन्वय जैसी पहलों के माध्यम से जमीनी स्तर पर बदलाव सुनिश्चित किया। सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। 2023 में भारत सरकार ने 257 ऐसे जिलों की पहचान की, जहां बाल विवाह की दर 23 प्रतिशत से अधिक थी। इसके लिए 270 संगठनों को जिम्मेदारी दी गई और प्रत्येक संगठन को 50 गांवों में काम करने तथा कम से कम छह शादियां रोकने का लक्ष्य सौंपा गया। इन प्रयासों के सबूत पोर्टल पर अपलोड किए गए, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। कुछ ही महीनों में आंकड़ा चार लाख से अधिक तक पहुंच गया। यह रणनीति इस बात का उदाहरण है कि जब समाज के विभिन्न वर्गों को ठोस जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व दिए जाते हैं, तो परिणाम कितने ठोस हो सकते हैं। हालांकि उपलब्धियां अनेक हैं, चुनौतियां अभी भी बरकरार हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2022 में प्रोहिबिशन आफ चाइल्ड मैरिज एक्ट, 2006 के तहत 3563 मामले न्यायालयों में दर्ज हुए, लेकिन केवल 181 मामलों में मुकदमेबाजी पूरी हुई। यह दशार्ता है कि कानूनी प्रक्रिया अभी भी धीमी है और पीड़ितों को न्याय मिलने में विलंब होता है। यदि कानूनी व्यवस्था अधिक तेज और संवेदनशील बनाई जाए तो दोषियों को सजा मिल सकती है और समाज में प्रभावशाली संदेश जाएगा। भारत में बाल विवाह की दर में पिछले तीन दशकों से निरंतर गिरावट आई है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के कई अध्ययनों के अनुसार 1990 से 2005 तक यह दर लगभग एक प्रतिशत प्रति वर्ष घट रही थी, लेकिन पिछले दशक में यह गिरावट लगभग दो प्रतिशत प्रति वर्ष रही। यह रफ्तार इस बात का संकेत है कि भारत में सामाजिक चेतना और सरकारी नीतियां मिलकर ठोस परिवर्तन ला रही हैं। शिक्षा और महिला सशक्तिकरण ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों ने लिंगानुपात सुधारने के साथ-साथ बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का अवसर दिया। जब बालिकाएं स्कूल में रहती हैं तो विवाह की उम्र तक पहुंचने से पहले उनकी शादियां रोकना आसान हो जाता है (भारत सरकार, 2024)। स्व-सहायता समूहों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी ने भी गांव-गांव में जागरूकता फैलाने में मदद की। पंचायत प्रतिनिधियों और सामुदायिक नेताओं के सहयोग ने इस सामाजिक कुरीति को तोड़ने में अहम योगदान दिया। निःस्संदेह इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार धन्यवाद की पात्र है और साथ में वे राज्य सरकारें भी जिन्होंने इसमें रुचि प्रदर्शित कर इसे गंभीरता से लिया। भारत ने अब तक जो उपलब्धि हासिल की है वह न केवल अपने नागरिकों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरक उदाहरण है। जब दुनिया के सबसे अधिक बाल विवाहों वाला देश इतनी तेजी से इस कुरीति को कम करने में सफल हो सकता है तो अन्य देशों के लिए भी यह राहदर्शक बन सकता है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अथक प्रयास, पंचायतों की सक्रिय भागीदारी, सामाजिक संगठनों का सहयोग और सरकार की नीतियां मिलकर एक नई इबारत लिख रही हैं। यह इबारत केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि करोड़ों बालिकाओं के सपनों और भविष्य की है। आज जब भारत अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है और विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प ले रहा है, तब यह और भी आवश्यक है कि बाल विवाह जैसी कुरीतियों का पूर्ण उन्मूलन हो, क्योंकि कोई भी समाज तब तक सशक्त और विकसित नहीं हो सकता, जब तक उसकी बेटियां स्वतंत्र, शिक्षित और सशक्त न हों। बाल विवाह को रोकना केवल कानून लागू करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है और भारत ने यह साबित कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो यह आंदोलन सफलता की नई ऊंचाइयां छू सकता है । फिर भी चुनौतियां अभी भी अनेक मौजूद हैं। गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक दबाव आज भी बाल विवाह की सबसे बड़ी वजह हैं। कई बार परिवार आर्थिक बोझ कम करने या सामाजिक सुरक्षा के नाम पर बेटियों की कम उम्र में शादी कर देते हैं। लड़कियों की शिक्षा बीच में छूट जाती है और उनका जीवन घरेलू जिम्मेदारियों में सिमटकर रह जाता है। स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी कम नहीं हैं। कम उम्र में गर्भधारण से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ जाती है, कुपोषण की समस्या गहराती है और महिला स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसके लिए अभी भी हम सभी को मिलकर समाज के सहयोग से अनेक प्रयास करने की जरूरत है।

यूपीएससी स्थापना के 100 वर्ष

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश करते हुए एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़ा है। लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की परिकल्पना हमारे राष्ट्र निमार्ताओं ने संवैधानिक निकायों, सिविल सेवाओं में योग्यता के संरक्षक के रूप में की थी। इसी सोच के साथ यूपीएससी को केंद्रीय सिविल सेवाओं के अधिकारियों की भर्ती, पदोन्नति और अनुशासन संबंधी मामलों में अहम भूमिका सौंपी गई। पिछले सौ वर्षों में इसकी विकास यात्रा केवल एक संस्थान का इतिहास नहीं है, बल्कि भारत के उस गहरे विश्वास का प्रतीक है, जो निष्पक्षता, विश्वास और सत्यनिष्ठा पर आधारित है। संविधान निमार्ताओं ने संविधान के भाग-14 में अनुच्छेद 315 से 323 तक के तहत संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों को विशेष दर्जा दिया। इसका उद्देश्य उनकी स्वतंत्रता और स्वायत्तता सुनिश्चित करना था, ताकि भर्ती, पदोन्नति और अनुशासन संबंधी मामलों में कोई दबाव या पक्षपात न हो। यह उनके दूरदर्शी विचारों का प्रमाण है कि यह संस्था आज भी योग्यता, भरोसे और ईमानदारी के सिद्धांतों पर मजबूती से खड़ी है। इसके जरिए दुनिया के सबसे विविधतापूर्ण एवं सबसे बड़े लोकतंत्र में शासन के विशाल कार्यभार का संचालन होता है। यूपीएससी की इस ऐतिहासिक यात्रा में केवल प्रशासनिक निरंतरता ही नहीं दिखती, बल्कि यह भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों पर बढ़ते भरोसे का भी प्रतीक है। शुरूआती वर्षों में यूपीएससी कुछ ही परीक्षाएं आयोजित करता था, पर आज यह एक बड़ा और विविध कार्यक्षेत्र संभाल रहा है। आज प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा से लेकर इंजीनियरिंग, वानिकी, चिकित्सा, सांख्यिकी और कई अन्य सेवाओं के लिए भर्ती का दारोमदार यूपीएससी के पास है। इसका दायरा बढ़ा है, पर इसका मूल दायित्व वही है-देश की सेवा के लिए सबसे योग्य प्रतिभाओं का चयन करना। सिविल सेवा परीक्षा का लाजिस्टिक कार्य भी असाधारण है। प्रारंभिक परीक्षा 2 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित होती है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए लगभग 10झ12 लाख अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। मुख्य परीक्षा में चुनौती और जटिल हो जाती है, जहां विभिन्न केंद्रों पर प्रत्येक उम्मीदवार को उसकी ओर से चयनित विषय का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराना होता है। यह चुनौती तब और बढ़ जाती है, जब दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष व्यवस्था करनी पड़ती है, जैसे सहायक लेखक की सुविधा। दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को बड़े फांट में प्रश्न पत्र दिए जाते हैं। यदि यूपीएससी का इतिहास उसकी बुनियाद है, तो भरोसा, ईमानदारी और निष्पक्षता उसके स्तंभ हैं। दशकों से लाखों अभ्यर्थियों ने आयोग पर विश्वास जताया है कि सफलता या असफलता सिर्फ उनकी योग्यता पर निर्भर करेगी। यह विश्वास यूं ही नहीं बना। इसे बड़ी मेहनत और ईमानदारी से गढ़ा गया है। प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, मूल्यांकन में निष्पक्षता और गलत तरीकों के खिलाफ सख्त रुख से यह संभव हुआ है। प्रश्नपत्र बनाने से लेकर परीक्षा आयोजन और मूल्यांकन तक प्रत्येक चरण में ईमानदारी का परिचय दिया जाता है। ईमानदारी से आशय है संस्था को राजनीतिक या बाहरी दबावों से बचाना, गोपनीयता बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना कि सर्वाधिक योग्य ही चयनित हों। निष्पक्षता का अर्थ है सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर देना-चाहे वे शहर से हों या गांव से, संपन्न हों या वंचित, अंग्रेजी में निपुण हों या न हों। हमारे जैसे विविधतापूर्ण देश में जहां कई स्तरों पर असमानता बनी हुई है, वहां यूपीएससी परीक्षाओं को समान अवसर का मैदान माना जाता है। संस्थान के लिए यह गर्व से भरी उपलब्धि है। आज जब हम यूपीएससी का शताब्दी समारोह मना रहे हैं, तो हम उन गुमनाम नायकों को भी सम्मानित करें, जिनकी वजह से यह सफलता संभव हुई। इनमें प्रश्न तैयार करने और मूल्यांकन करने वाले विशेषज्ञ प्रमुख हैं। ये आयोग की अदृश्य रीढ़ हैं। ये देश के बेहतरीन विषय विशेषज्ञ हैं। अपने क्षेत्रों में सिरमौर होने के बावजूद बिना किसी पहचान या प्रसिद्धि की चाह में वे समर्पण के साथ काम करते हैं। उनका सूक्ष्म कार्य, निष्पक्ष निर्णय और उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता यूपीएससी की क्षमता का आधार रही है, जो परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और मजबूत बनाती है। यही कारण है कि आयोग ने देश का भरोसा जीता और समय की हर कसौटी पर खरा उतरा। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका धन्यवाद करता हूं, जिनकी निःस्वार्थ सेवा सुनिश्चित करती है कि लाखों उम्मीदवारों के सपनों और आकांक्षाओं का मूल्यांकन निष्पक्षता, कड़ाई और पूरी ईमानदारी के साथ हो। शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहे आयोग के लिए यह क्षण केवल उत्सव का नहीं, बल्कि व्यापक मंथन का भी है। शताब्दी वर्ष हमारे लिए अतीत का सम्मान करने, वर्तमान का जश्न मनाने और अगले सौ साल की दृष्टि तय करने का भी अवसर है। जैसे-जैसे भारत दुनिया में अपनी पुरानी प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने की ओर बढ़ रहा है, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और तकनीकी प्रगति मौजूदा शासन माडल में बदलाव ला रही हैं। ऐसे में एक संस्थान के रूप में यूपीएससी इन बदलावों के अनुसार खुद को ढालेगा, ताकि यह भारतीय लोकतंत्र में निष्पक्षता और अवसर का प्रकाश स्तंभ बना रहे। इस दिशा में समयानुकूल प्रयास भी आरंभ हो गए हैं। नए आनलाइन आवेदन पोर्टल से अभ्यर्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया आसान हो गई है। फेस रिकग्निशन तकनीक किसी भी धोखाधड़ी को रोकने में मददगार बनेगी। हम चयनित उम्मीदवारों की तलाश के साथ-साथ उनकी मदद भी कर रहे हैं, जो हमारी प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। प्रतिभा सेतु जैसी पहल भी उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है, जो फाइनल पर्सनालिटी टेस्ट तक पहुंचते हैं, पर अंतिम सूची में नहीं आ पाते। क्षमताओं को और बढ़ाने की दिशा में एआइ के प्रयोग को भी अपनाया जा रहा है। आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों के साथ यूपीएससी के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाते हुए हम सभी अपनी विरासत की मजबूती और समग्र समाज द्वारा इस संस्थान में व्यक्त विश्वास से अभिभूत और प्रेरित हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करतीं हूं। मैं बचाव एवं राहत कार्यों की सफलता की प्रार्थना करतीं हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करतीं हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

घाटशिला के धालभूमगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की यह मार्मिक तस्वीर बेहद शर्मनाक है। एक ओर हल्की सी जुकाम आने पर भी झारखंड के मंत्री-मुख्यमंत्री दिल्ली, गुड़गांव, चेन्नई इलाज कराने चले जाते हैं, लेकिन आम जनता को कंधों पर मरीज ढोने के लिए छोड़ जाते हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य व्यवस्था की यही कड़वी सच्चाई है। घाटशिला में झामुमो के विधायक-मंत्री रहने के बावजूद यदि गरीब को एक अदद एम्बुलेंस नहीं मिल पाई, तो हेमंत जी इसके लिए आपको जरूर शर्म और आत्ममंथन करना चाहिए।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जीएसटी दरों में कटौती से किसानों को बड़ी राहत

भारत सरकार ने खेती से जुड़े उपकरणों, उर्वरकों और अन्य कृषि उत्पादों पर जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की दरों में महत्वपूर्ण कमी की है। इस निर्णय से देशभर के करोड़ों किसानों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी। अनुमान है कि इससे किसानों की सालाना करीब 60 हजार करोड़ रुपये तक की बचत होगी। आईआईएम मुंबई के अनुसार जीएसटी में बदलाव का एक बड़ा असर जहां कंज्यूमर गुड्स और ऑटो सेक्टर में देखने मिलेगा, वहीं इससे खेती किसानी में भी बड़ी राहत मिलेगी, इससे देश की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने मिलेगी। भारत सरकार का हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को तर्कसंगत बनाने का निर्णय देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। खेती से जुड़े उपकरणों, मशीनरी और उर्वरकों पर कर में कटौती से करोड़ों किसानों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी। सबसे बड़ा बदलाव ट्रैक्टर और उसके पुर्जों की टैक्सेशन में हुआ है- 45 हॉर्सपावर का ट्रैक्टर खरीदने वाले किसान को अब लगभग ₹47 हजार की सीधी बचत होगी। ट्रैक्टर टायर, जिन पर पहले 18% जीएसटी लगता था, अब केवल 5% पर उपलब्ध होंगे। स्पेयर पार्ट्स पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है, जिससे मरम्मत और रखरखाव की लागत कम होगी। इससे मशीनीकृत खेती किसानों के लिए सस्ती होगी और उनकी उत्पादकता में दीर्घकालिक बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह सुधार सिर्फ ट्रैक्टर तक सीमित नहीं है- लगभग 2 लाख कीमत वाले रोटावेटर पर अब करीब ₹14 हजार की बचत होगी। कृषि ड्रोन, पंपिंग सेट और हार्वेस्टर जैसे आधुनिक उपकरण भी पहले की तुलना में सस्ते हो जाएंगे। इससे किसानों को न केवल वित्तीय राहत मिलेगी, बल्कि उन्हें नई तकनीक अपनाने का प्रोत्साहन भी मिलेगा, जो उत्पादन और दक्षता दोनों को बढ़ाएगा। सूक्ष्म पोषक तत्वों और बायो फर्टिलाइजर पर जीएसटी कम करना एक और बड़ा कदम है। इससे खेती की लगातार आने वाली लागत घटेगी और किसान प्राकृतिक व जैविक खेती की ओर बढ़ेंगे। इससे मिट्टी की सेहत बेहतर होगी और लंबे समय में पैदावार भी बढ़ेगी। इन कदमों का समग्र प्रभाव दोतरफा होगा- उत्पादन लागत घटने से किसानों के लाभांश में सुधार होगा। सस्ते और आधुनिक उपकरणों तक पहुंच से तकनीक का उपयोग बढ़ेगा। अप्रत्यक्ष रूप से यह सुधार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, रोजगार बढ़ाएगा और देश की विकास यात्रा में गति लाएगा। यह सुधार सिर्फ कृषि तक सीमित नहीं है। 22 सितंबर 2025 से भारत 5% और 18% की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना लागू हो गयी है , जबकि लक्जरी वस्तुओं पर 40% दर बनी रहेगी। इसका उद्देश्य टैक्स प्रणाली को सरल बनाना, अनुपालन लागत घटाना और कारोबार करने की सुविधा बढ़ाना है। भारत की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था औपनिवेशिक काल के उत्पाद शुल्क से शुरू होकर वैट और 2017 में जीएसटी तक पहुंची। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद जीएसटी ने एकीकृत, डिजिटल-प्रथम कर ढांचा दिया। ताजा सुधार उसी यात्रा का अगला चरण हैजो कर प्रणाली को और सरल, न्यायसंगत और प्रभावी बनाएगा। हालांकि सरकार को अल्पावधि में करीब 48 हजार करोड़ का राजस्व नुकसान होगा, लेकिन करदाताओं की संख्या और खपत बढ़ने से इसकी भरपाई की उम्मीद है। जीएसटी संग्रह पहले ही 2017-18 के 82,000 करोड़ से बढ़कर 2025 में ₹.04 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है। जीएसटी में यह बड़ा बदलाव केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है- यह प्राथमिकताओं का भी संकेत है। खेती के उपकरणों, उर्वरकों और जीवनरक्षक दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुएं सस्ती करके सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कर प्रणाली समावेशी विकास की दिशा में काम करेगी। भारत के किसान, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनके लिए यह सुधार वास्तविक और ठोस लाभ लेकर आया है। कम लागत, बेहतर तकनीक और बढ़ी हुई आय से न केवल उनकी आजीविका सुधरेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

ट्रंप का भाषण

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक ऐसा भाषण दिया, जो तथ्यों से बिल्कुल परे था। जलवायु परिवर्तन को दुनिया के साथ किया गया सबसे बड़ा धोखा बताते हुए, उन्होंने कहा कि यूरोप द्वारा दशकों से अपने कार्बन उत्सर्जन में की जा रही कटौती की कीमत बंद कारखानों और नौकरियों के नुकसान के रूप में चुकानी पड़ी है। जलवायु परिवर्तन की कार्यप्रणाली से संबंधित लुडाइट अवधारणा में 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में वैज्ञानिकों ने कहा था कि वैश्विक शीतलन की प्रक्रिया दुनिया को मार डालेगी और जब ऐसा नहीं हुआ तो उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की प्रक्रिया यह काम करेगी। और चूंकि दुनिया का अंत नहीं हुआ, लिहाजा ट्रंप का मानना है कि बेईमान वैज्ञानिक अब अपने को सही दिखाने के लिए इसे जलवायु परिवर्तन के रूप में निरूपित कर रहे हैं। नतीजा चाहे कुछ भी हो। इस तथ्य को नहीं भूला जा सकता कि वैश्विक तापमान में 0.1 डिग्री सेंटीग्रेड (1945-70 से) की औसत गिरावट के लिए कोयले के जलने से उत्पन्न सल्फर के उत्सर्जन में हुई वृद्धि को जिम्मेदार करार दिया गया था। यह भी न भूला जाए कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अंतरसरकारी पैनल है, जिसने 1990 के दशक से ही हजारों वैज्ञानिकों को जलवायु में प्राकृतिक बदलावों और मानव-जनित बदलावों के प्रभावों के बीच के अंतर को समझने का एक मंच प्रदान किया है। इस तथ्य को भी न भूलिए कि जलवायु परिवर्तन की शब्दावली का अर्थ ठीक यही है कि ग्लोबल वार्मिंग का मतलब हर जगह गर्म मौसम नहीं, बल्कि समुद्री धाराओं के प्रवाह में व्यापक व्यवधान और उसके नतीजतन, तेजी से अनियमित होता मौसम है। ट्रम्प की खीझ जलवायु की सूक्ष्मताओं को लेकर कम और जीवाश्म ईंधन उद्योग के लिए इसके मायने को लेकर ज्यादा है। उनके हिसाब से सौर और पवन ऊर्जा का बढ़ता उपयोग इस बात का सबूत है कि दुनिया के देश हरित एजेंडे को आगे बढ़ाने के चक्कर में विनाश के कगार पर हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

TJS, that legend down the corridor

There are journalists, and then there are journalists who get that rare prefix, 'legendary'. TJS George belonged to this second order, an endangered tribe these days. Its list of card-holding members got rarer still when the man passed away today, at age 97.Behind him trails a career in letters that has spanned about as long as the life of the Indian republic, and as varied. From his erudition in Carnatic music that birthed a book on MS Subbulakshmi, and others on VK Krishna Menon as well as Nargis, it also contained landmarks in good old-fashioned print journalism, such as being the founding editor of Asiaweek in Hong Kong back in the 1970s—an act of pan-Asia ecumenism that would have resonated well today.That such an eminence was a living presence in the offices of The New Indian Express till the other day was a matter of honour and delight equally for all of us here. It was only in June 2022 that he laid his pen to rest after writing his last column, the Sunday Point of View, in his inimitable, no-holds-barred style—sharp, ironic, fearless. Over 25 years, he contributed 1,300 columns for these pages.

Politicians, judges and powerful people feared and respected his pen, and treaded carefully around him. He was famously unpredictable. In our Bangalore office, when a VVIP dropped by wanting to meet him, we would exchange nervous glances. If it was his column-writing hour—always longhand, pen on paper—he would refuse to meet them, however important they might be.Siddaramaiah, the current chief minister, had a taste of that brusqueness when TJS

admonished him in a humorous, schoolmasterly way on one such visit—for wasting time in a newspaper office instead of working among the people! No one took offence. Once at a function in Mysore, SM Krishna, then External Affairs Minister, vacated his seat for TJS when he saw him standing, but characteristically he refused.

Such was the awe he inspired among Union ministers, high court judges, chief ministers. Even when his columns were scathing, the powerful usually held their peace—it was only their sycophants who protested. He had opinions, he took stands, and never wavered, even when it led to sedition charges in earlier years. The only man he openly admired was our founder, Ramnath Goenka."I have no god," he would often say. A non-believer, or rather a believer only in humanity, and in journalism as a calling. He taught generations of journalists the importance of precision in language, and of calling a spade a spade. Outside the newsroom, George had deep interests in cities and food. He was fascinated by urban planning—often comparing the systematic grid of New York, where he and his beloved wife Ammu lived during his UN years, with the chaos of Bangalore's house numbering. In his last few years, he spent his winters in Coimbatore, leaving the chaos of Bangalore behind him, to "best idlis, dosas and coffee".

Rahul must focus on the fight at home

THE GREAT GAME: He should prepare, every day, to sharpen the cut & thrust of his argument inside and outside Parliament

IN his latest photo from Envigado, Colombia, Rahul Gandhi has exchanged his trademark white T-shirt for a navy blue shirt, puffer jacket and khaki cargo pants; he is standing in front of a Pulsar bike, made by Bajaj Auto. The comment on X reads, "Proud to see Bajaj, Hero & TVS do so well in Colombia. Shows Indian companies can win with innovation, not cronyism."But the Congress party's most important leader must surely be aware that Rahul Bajaj, father of Bajaj Auto's managing director Rajiv Bajaj — back in the licence-raj, pre-liberalisation days, when it was important to know the right people in order to cut through the awful red tape — was the last word in protectionism and fought long and hard against the idea of economic reform. The Bombay Club, of which Bajaj Sr was a card-carrying member, emphasised social and political connections over radical reform, an old-world cronyism over cut-throat ambition, but cronyism nevertheless.Rahul's social media comment is also notice that he is travelling across the first of four South American countries, including Colombia and Brazil — the Congress party hasn't told us which others. On Thursday, he visited the EIA university in Envigado, where he talked about the BJP's "wholesale attack on the democratic system in India."

The remark has triggered a lot of criticism on why the Congress leader attacks the ruling party from foreign shores so often, which in turn has led to the following questions : Should criticism about domestic politics be restricted to domestic locations? Is Rahul Gandhi being wholly unfair by taking the fight within to nations abroad? And a third, somewhat unrelated question is, why is Rahul Gandhi in South America anyway — as well as in Malaysia a few months ago, in Boston in April, in Vietnam twice earlier in the year?This article is not about the 247 foreign trips Rahul has allegedly made since 2014, as the BJP would like to tell us, dismissively — certainly, the Congressman has the right to expand his mind, tour new horizons as well as influence new audiences.It is time, however, to confront the problem that has been uncoiling at the heart of India's democracy for some years — which is the growing fracture between the ruling BJP and India's most important Opposition party. The tension has been aggravated by the fact that the Congress has lost most elections in the decade since Narendra Modi came to power. But because it still remains the nation's most important Opposition party — ruling parties in opposition to the BJP in the states, whether DMK, TMC, AAP or Left Front, simply don't add up — it has been the target of dedicated and vicious attacks by the BJP. Even statesmen like Jawaharlal Nehru, who put the country on the path of a modern, secular republic are fair game.Rahul Gandhi is even easier game because he is the most powerful man in the party, but refuses to sit on the leader's chair of nails or wear its crown of thorns. He comes across as a man who seeks power without the responsibility that accompanies it. A man with a golden heart whose personal life tragedies have made even the gods weep — but one who refuses to step aside in favour of a better man (god, forbid), because he believes that as the Leader of the Opposition, or even without that post, he holds the centre. That if the centre doesn't hold, things will fall apart.And this is the fracture at the heart of Indian democracy today : Rahul Gandhi is that democrat who continues to pave the way that keeps Narendra Modi in power. The BJP does the rest.Perhaps that's a really harsh judgement. But the fact is that the country, transforming every day, demands an alternative to Rahul's carping, especially when he's abroad. In London, in 2022, he said India's voice has been crushed; in Cambridge in March 2023, he said the BJP is carrying out an attack on the basic structure of Indian democracy; that Europe and the US must intervene and expose the reality of Modi and the BJP; in Washington DC in September 2024, he said the Congress will think of scrapping reservations only when things are more fair in India; in Boston in April this year, he said the Election Commission (EC) is compromised.

Question is, why take the fight to another country when the fight against Modi and the BJP is here? Rahul must know that American journalists, notably Vincent Sheean who left us many a record, came to India to watch how Mahatma Gandhi sharpened the instrument of non-violence, satyagraha, against the mighty British Raj.

So when Rahul focuses on the fight at home, it works much better. Last month in Karnataka, he showcased the irregular deletion of more than 6,000 votes from one constituency, Aland — the investigation made everyone sit up. Over the last few months, the Congress and other political parties as well as a vigilant civil society have forced the Supreme Court to take the EC to task over the Special Intensive Revision of electoral rolls in Bihar. The EC has been forced to comply.

The moral of the story is that time is running out for Rahul Gandhi. If he wants the united Opposition to beat the BJP at its own game, he must stop being a part-time politician. He must stay every week in India and fight the good fight.

If Rahul believes he is somehow special, marked by both genetics and politics to lead both party and country — he must prepare, every day, to sharpen the cut and thrust of his argument both inside and outside Parliament. He must learn from the driving ambition that consumes the BJP — and from the mistakes of his own party. In the Haryana polls last year, for example, he gave in to the local Congress refusal to ally with AAP, although he was in favour of the alliance; but he was abroad, and he couldn't push his will through. The rest is history. The Congress has never quite recovered.

Regular training can stem rot in judiciary

Women-targeted schemes in Karnataka—Gruha Lakshmi, a cash transfer of ?2,000 to women family heads, and Shakti, providing free bus travel—have largely impacted chief minister Siddaramaiah's incumbency sentiment

In an exemplary intervention, the Supreme Court recently directed two judicial officers in Delhi to undergo a week-long training, flagging serious lapses on their part in granting bail in a fraud case. The top court found that in successive orders favouring the same accused, the concerned additional chief metropolitan magistrate and sessions judge had disregarded binding precedents and glossed over material facts. Sadly, this was not an isolated incident.This May, the SC upbraided an additional sessions judge in Madhya Pradesh for overlooking the top court's directions in a bail matter and suggested that the judicial officer be sent for a week's training. In May 2023, the SC had asked the Allahabad High Court to withdraw work from a sessions judge and send him to the judicial academy to upgrade his assessment skills. These incidents underline the need for systemic intervention to stem the rot.There are many issues afflicting the judiciary, but the competency and credibility of judges should not be among them. A judiciary that is fighting crippling backlogs, outdated laws and procedures, and a shortage of resources, and inadequate infrastructure can continue to be the cornerstone of democracy only if its judges are competent and incorruptible.A few bad judges in a system

packed with quality are enough to weaken the judiciary, erode public trust, and compromise the rule of law. A judiciary's strength is the public's confidence in its fairness and integrity. Bad judges who undermine the principle of equal justice through corruption, unethical behaviour, biases, and faulty rulings threaten this trust.

Besides addressing flaws in the system for judicial appointment, which can facilitate enrolling of compromised and incompetent individuals, and strengthening internal accountability mechanisms to catch the bad apples, there is need to institute a system for mandatory, periodic training of judges.Doctors, teachers, pilots, and even lawmakers are routinely made to undergo training or refresher courses; why not judges? Instead of disciplining one officer at a time, the judiciary must institutionalise retraining at every level with classes on precedents, compliance, uniformity in sentencing, and, above all, bail jurisprudence, as part of a continuous professional update programme. The only way to ensure quality in judgements is to ensure that quality people are appointed and standards are maintained through continuous monitoring.

Traipsing along Manipur's faultline with an eye closed

A report on Manipur's ethnic strife by a civil liberties organisation is riddled with holes. By not verifying arguments, it places contested claims, half-truths and lies on the table

The nearly-700-page report on Manipur's ethnic crisis by the People's Union for Civil Liberties or PUCL has two cautionary notes for research writing and publishing. One, written and published words tend to live on even after their contents have been proven inaccurate or false. There are always some who would cite and give them new life. Two, in motivated research, the legal principle of audi alteram partem, or hearing all parties before making judgement, is often forsaken. The PUCL report is replete with instances of both.Two examples should illustrate the point. On page 362, a testimony by an unnamed Meitei journalist claims: "We have a journalists' union, the All Manipur Working Journalists' Union (AMWJU). This union has a decisive role—on how to carry a story, how to kill a story. It operates like 'godi media' and they are pro-Biren Singh."Another voice adds that there are journalists who refuse these consensual lines, indicating he/she is one such: "I have been warned, threatened, a gun has been put on my head," adding he was arrested twice, and cases were slapped on his organisation. He further indicates his membership with AMWJU was rejected as his organisation was not recognised by the union on the point that only "private limited companies can run TV channels and digital media".Considering that these allegations are slanderous, should PUCL not have given AMWJU a chance to explai before publishing these voices?This columnist is familiar with the background of these issues. For instance, the stipulation of admitting digital media journalists only if their employer organisation is a private limited company is not an independent policy of AMWJU, but it leans on a November 30, 2022 order of the ministry of information and broadcasting.The order says only private limited firms running 'multi-system operators' can apply for an I&B ministry registration. AMWJU used this to deal with the problem of accommodating an exponentially increasing number of journalists in an age anybody with a smartphone can claim to be a journalist.On the allegation of AMWJU setting consensual standards for news coverage, this is not for all news and happens especially in coverage of factional fights between insurgents. Member journalists sit together to decide how or whether to carry such news, and stand together so that no one ends up alone to face coercion later. Outrageous as this is, it has to be understood as a coping mechanism in a prolonged conflict situation.

The other red flag is the tendency of perpetuating published ideas even after they have been proven false.For example, the PUCL report refers to a September 2022 report on the Manipur crisis by the Editors Guild of India to claim that declaration of reserved and protected forests has been weaponised to target one community (pages 108 and 320). When the EGI made this allegation, a signed clarification was issued by the then principal chief conservator of forests, S S Chhabra, explaining there was no recently-declared reserved or protected forest in Manipur. The latest declaration for a reserved forest was on January 4, 1990, and for a protected forest on June 18, 1979. This clarification has been ignored in the PUCL report.On page 300, the report deals with the case of the Churachandpur-Khoupum protected forest. It claims that 38 villages originally in this 499.06-sq-km forest that had been declared in 1966 were set to be evicted as encroachers. The same principal chief conservator's clarification had explained that this,

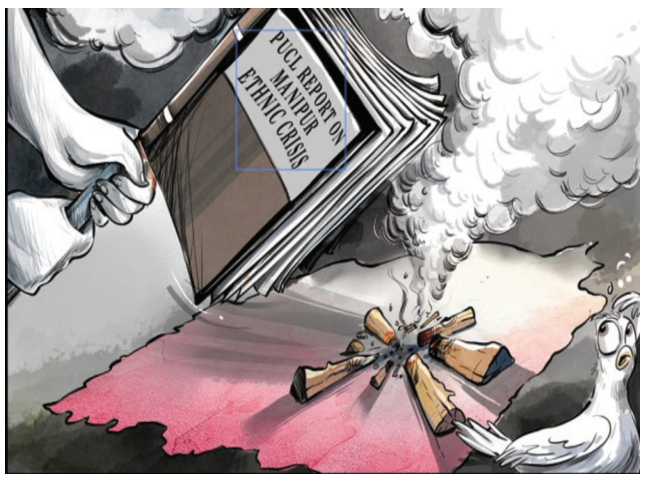

too, was untrue.In 1972, a forest officer 'set aside' these 38 villages, though there is no provision for such action in a protected forest. This ultra vires setting aside was what was sought to be annulled by the principal chief conservator in a November 2022 order, which the PUCL report cites as 'discriminatory'.This annulling, however, does not mean the 38 villages will face eviction, for existing villages in a protected forest are allowed to remain where they were. The problem, on the other hand, is that the number of villages in the Churachandpur-Khoupum forest has grown from 38 in 1966 to 191 now. The new villages, hence, can face the prospect of eviction. Poor research rigour also makes the PUCL report confuse the difference between a protected and a reserved forest.

No habitation is allowed within reserved forests. Hence when a forested area is notified as potentially reserved and there are claims of villages in the proposed area, a settlement officer has to confirm the claims and then either 'set them aside', so they are no longer inside the area, or acquire them after paying due compensation. By contrast, in a protected forest, human habitation is allowed; so the question of 'setting aside' does not arise.The thumb rule is that in reserved forests no human activity is allowed except those expressly permitted by the forest authorities, and in protected ones, all activities of the existing villages are allowed except those expressly prohibited by the forest authorities. All these had been clarified, but none of it is reflected in the PUCL report.

On the matter of eviction, the official figures are revealing. Between October 24, 2015, when the eviction drive began, and April 18, 2023, when the last eviction took place, there have been a total of 413 households moved out from 24 reserved and protected forests. Except for a few, such as K Songjang in Noney district, all others are in valley districts. Community-wise, count of evicted households falls as Kuki 59, Meitei 143, Meitei-Pangal 137, Naga 38, and Nepali 36. This does not suggest any targeted victimisation that the PUCL report presumes.

India-EU FTA: 14th round of trade talks to begin on October 6; aim to finalise deal before year-end

MUMBAI. (Agency)

India and the European Union (EU) are gearing up for the 14th round of free trade agreement (FTA) negotiations in Brussels on Monday, as both sides aim to smoothen out the differences and finalise the deal by the end of the year.

Senior officials from India and the 27-member bloc will hold a five-day round of talks, beginning from October 6. An official said the discussions will aim to resolve outstanding issues to help conclude the negotiations at the earliest.

Commerce and industry minister Piyush Goyal recently expressed confidence that the two sides will sign the agreement soon. He is also expected to meet EU trade commissioner Maros Sefcovic in South Africa later this month to assess the progress, with December set as the deadline to wrap up the talks, PTI reported.The pact seeks to boost two-way commerce and investments.

Last month, Sefcovic and European commission agriculture commissioner Christophe Hansen travelled to India to meet Goyal and review developments in the negotiations.The proposed trade pact, revived in June 2022 after an eight-year pause, seeks to boost trade and investment flows between India and the EU. Earlier talks were suspended in 2013 over disagreements on market access.

The EU is pressing for steep tariff cuts on automobiles and medical devices, lower taxes on products such as wine, spirits, meat and poultry, and stronger intellectual property protections. For India, the deal could make its exports, including ready-made garments, pharmaceuticals, steel, petroleum products and electrical machinery, more competitive in the European market, according to .Negotiations cover 23 policy areas, including goods and services trade, investment, sanitary and phytosanitary measures, technical barriers to trade, rules of origin, customs and trade facilitation, competition, trade remedies, government procurement, dispute settlement, intellectual property rights, geographical indications and sustainable development.

The EU is currently India’s largest trading partner for goods. Bilateral trade reached $136.53 billion in 2024–25, with Indian exports worth $75.85 billion and imports worth $60.68 billion. The bloc accounts for around 17% of India’s total exports, while India makes up 9% of the EU’s global exports.

Bank Holiday Alert: Know When Banks Will Remain Shut Between Oct 6 and Oct 12– Check List

New Delhi.(Agency)

Planning to visit your bank next week? You may want to check the holiday list first! Banks across India will remain shut on several days due to regional festivals and RBI-declared holidays. With events like Laxmi Puja, Karva Chauth, and weekend offs falling close together, some states might even enjoy a long weekend. In fact, October 2025 has as many as 21 bank holidays lined up, covering major festivities.

Banks in India, including the State Bank of India (SBI), do not operate on all Sundays, the second and fourth Saturdays of each month, and other holidays notified by the Reserve Bank of India (RBI).October 6 (Monday): Banks will remain closed in Agartala and Kolkata for Lakshmi Puja.October 7 (Tuesday): Banks shut in Bengaluru, Bhubaneshwar, Chandigarh, and Shimla for Maharshi Valmiki Jayanti / Kumar Purnima.October 10 (Friday): Banks in Shimla will be closed for Karva Chauth.October 11 (Saturday): Second Saturday weekly off – banks closed across India.October 12 (Sunday): Sunday weekly holiday – banks closed nationwide.

What to Do If You Need Banking on Holidays

Even when banks are closed, you can still use online and mobile banking services, unless there’s a specific technical notification. For urgent cash needs, ATMs remain functional, and digital payment options like UPI and banking apps work as usual.

FPI outflow reaches Rs 1.6 lakh cr in 2025: What it means for Indian market? Experts explain

New Delhi.(Agency)

Foreign portfolio investors (FPIs) remained net sellers of Indian equities in September, withdrawing Rs 23,885 crore (around USD 2.7 billion) and taking year-to-date outflow to Rs 1.58 lakh crore (USD 17.6 billion).This marks the third consecutive month of withdrawals, following heavy outflows of Rs 34,990 crore in August and Rs 17,700 crore in July, data from depositories showed.

The latest selling was driven by multiple factors, like US trade and policy shocks — steep tariff hikes of up to 50 per cent on Indian goods and a one-time USD 100,000 H-1B visa fee, which hurt sentiment toward export-oriented sectors, especially IT, Himanshu Srivastava, Principal, Manager Research, Morningstar Investment Research India, said.

The rupee’s fall to a record low level also added currency risk, while relatively high valuations of Indian equities prompted rotation to other Asian markets, he added.Despite the ongoing sell-off, some analysts believe conditions may gradually turn in India’s favour.Vaqarjaved Khan, Senior Fundamental Analyst at Angel One, noted that valuations have now become more reasonable and that factors, such as a cut in GST rates and a pro-growth monetary policy, could help rekindle foreign interest.“India remains the fastest-growing major economy globally,” Khan said, adding that the upcoming earnings season and macroeconomic data will play a key role in determining FPI flows in the near term.Echoing this, Srivastava pointed out that a sustained FPI turnaround will hinge on tariff clarity, currency stabilisation, earnings visibility, and a supportive global rate environment. If these factors improve, India’s strong structural growth story could draw foreign investors back selectively.Meanwhile, debt markets witnessed net inflow, FPIs invested about Rs 1,085 crore under the general limit and Rs 1,213 crore through the voluntary retention route in September.VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Investments, observed that FPIs’ strategy of shifting funds from India to other markets has so far yielded better returns, as Indian equities have underperformed most global markets over the past year, with one-year returns in negative territory.

RBI has kept possibility of future rate cuts open: Crisil Intelligence

Kolkata.(Agency)

The Reserve Bank of India (RBI) has kept the possibility of future rate cuts open, with its monetary policy committee (MPC) sharply revising its inflation forecast downwards, according to a recent report by Crisil Intelligence. The central bank had on October 1 kept its policy interest rate unchanged at 5.5 per cent for the second consecutive time, citing concerns over tariff uncertainties.The report said the MPC acknowledged that GDP growth would face downside risks in the second half of the current financial year (2025-26), due to the impact of US tariffs. However, the recent rationalisation of GST rates will partially offset the overall impact, Crisil Intelligence said.“Certain labour-intensive sectors are most vulnerable to the impact of US tariffs and need policy support. With inflation becoming a less worry this fiscal, the initiation of US Federal Reserve’s rate cuts will provide space for the RBI to cut rates,” the report stated. Since February 2025, the RBI has reduced the policy rate by 100 basis points. In its previous policy review in June, it had trimmed the repo rate by 50 basis points to 5.5 per cent.

The central bank has been tasked by the government to ensure that Consumer Price Index (CPI)-based retail inflation remains at 4 per cent with a margin of 2 per cent on either side. Based on the recommendation of the MPC, the RBI reduced the repo rate by 25 bps each in February and April, and 50 basis points in June amid easing retail inflation.

The retail inflation is trending below 4 per cent since February this year. It eased to a six-year low of 2.07 per cent in August, aided by an easing of food prices and favourable base effect.

SIP vs RD: Where should your monthly savings go

New Delhi.(Agency)

For most Indian households, setting aside a fixed amount every month is a discipline passed down through generations. Earlier, Recurring Deposits (RDs) were the default choice — safe, predictable, and easy to understand. But with mutual fund SIPs now becoming mainstream, the question has shifted from “Should I save monthly?” to “Where should I invest monthly — SIP or RD?”IndiaToday.in spoke to Ranjit Jha, MD and CEO of Rurash Financials, and Shubham Gupta, CFA and Co-founder of Growthvine Capital, to decode this classic dilemma.

IT ALL BEGINS WITH YOUR GOAL

“If the goal is short-term, anything under three years, RDs clearly win with their safety and predictability,” says Ranjit Jha. “But when you’re thinking long term — five years, ten years or more, SIPs are demonstrably more beneficial due to their exposure to equity and the power of compounding.”Shubham Gupta puts it simply: “RDs are nothing but SIPs in fixed deposits. They give guaranteed returns but rarely beat inflation. SIPs, on the other hand, give

your money a chance to grow much faster, if you stay invested patiently.”

THE GAME OF RETURNS: STABLE VS POWERFUL

An average RD today offers 4–7% returns. Decent, but just enough to keep pace with inflation. But SIPs have played on a different pitch altogether.

“Over a 5–10 year period, SIPs in well-managed equity mutual funds have historically delivered 10–15% CAGR,” says Jha. “The gap is wide because RD is fixed-income, while SIPs participate in the growth of businesses through equity.”Gupta agrees, adding, “In the last decade, SIPs have delivered 15–20%, but even sustainably, 10–12% is achievable. RDs grow your savings safely; SIPs grow your wealth meaningfully.”

TAXATION: THE INVISIBLE DIFFERENCE

Returns are one thing, but what remains after tax is what truly counts.

“RD interest is fully taxable every year as per your income slab,” explains Gupta. “You pay tax even on accrued income, even if your RD has not matured.”“In contrast, SIPs are taxed only at redemption. If you stay invested for more than a year, LTCG rate is 12.5% with an exemption of INR 1.25L in capital gains each financial year making the tax rate lower than RDs for most investors,” he says.Jha points out another edge, “Additionally, SIPs in ELSS funds offer a tax deduction under Section 80C, giving them a clear tax advantage for long-term investors.”

PAN Card Misuse: Here’s How To Check If A Loan Has Been Taken In Your Name

New Delhi.(Agency)

New Delhi: Loan frauds and identity thefts are on the rise, and one of the biggest risks is someone taking a loan in your name using your PAN card. Since your PAN is directly linked to your credit history, any loan whether you applied for it or not will show up in your credit report and could hurt your credit score. The good news is, there are simple ways to check if your PAN has been misused and steps you can take to protect yourself.The easiest way to find out if a loan has been taken in your name is by reviewing your credit report. Credit bureaus like CIBIL, Experian, Equifax, and CRIF High Mark maintain records of all loans and credit cards linked to your PAN. You can request a free annual credit report by verifying your PAN and mobile number. Once you have it, carefully check for any accounts or loans you don’t recognize.

2. Watch Out for Red Flags

While reviewing your report, look for loans or credit cards you didn’t apply for, incorrect account numbers, unfamiliar lender names, or new hard inquiries you didn’t authorize. These could indicate that someone has misused your PAN. If you spot multiple suspicious entries, act immediately to prevent further damage to your credit.

3. What to Do if You Find a Fake Loan

If you discover a fraudulent loan, notify the lender and dispute the record with the credit bureau that reported it—most allow online disputes. You will need to provide proof of identity, details of the loan, and a signed affidavit. Additionally, file a complaint with your local cybercrime police cell along with evidence of PAN misuse.4. Prevent Future PAN Misuse

Never share your PAN on unsafe websites, apps, or forwards. Avoid sharing it publicly or handing it over unnecessarily. If your PAN is lost, apply for a reprint and monitor your credit report in the following months. Use strong passwords for financial accounts and enable SMS or email alerts for loans or credit linked to your PAN.

PFRDA Plans 3 New NPS Pension Schemes To Offer Flexibility, Assured Returns, And Inflation-Protected Retirement Income

New Delhi.(Agency)

The Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) has proposed introducing three new pension schemes under the National Pension System (NPS). These new options aim to offer subscribers greater flexibility, predictable retirement income, and partial assurance of benefits to suit different financial needs.This scheme will allow retirees to keep part of their pension corpus invested in market-linked assets for potential growth while converting the rest into a fixed annuity for guaranteed income. The plan will include a Step-Up Systematic Withdrawal Plan (SWP) feature, ensuring a steady increase in monthly payouts while maintaining a safety net through assured returns.Assured Benefit SchemeDesigned for those seeking income stability, this plan will guarantee a fixed pension amount with inflation protection. The pension payout will increase every year based on the Consumer Price Index for Industrial Workers (CPI-IW), ensuring retirees’ purchasing power is protected from inflation over time.

Assured Pension Credit Scheme

Under this proposal, subscribers will accumulate “pension credits” during their working years. Each credit will correspond to a pre-defined monthly pension amount upon retirement. This design aims to make post-retirement income simple, transparent, and predictable — a clear shift toward a defined benefit structure.

Why These New Pension Options Matter

Flexibility: Pensioners can select plans that match their financial goals — whether growth-oriented, risk-averse, or balanced.Predictability: By introducing assured elements, retirees will gain better visibility on their post-retirement income.Inflation Protection: The assured benefit plan’s CPI-linked increase ensures income keeps pace with cost-of-living changes.Balanced Growth: Combining market exposure with assured income can protect wealth against inflation while generating better long-term returns.

PFRDA’s Consultation and Next Steps

The PFRDA has released a detailed consultation paper titled “Enhancing the National Pension System: Proposals for Flexible, Assured, and Predictable Pension Schemes.” It is currently open for public feedback from subscribers, pension funds, and financial experts until October 31.After the review, PFRDA is expected to finalize the framework and seek approval from the Finance Ministry before rollout.The proposed pension schemes could mark a major reform in India’s retirement planning landscape. By combining flexibility, assurance, and inflation protection, the new framework is designed to help India’s growing retired population secure a stable and sustainable income stream — without fully.

Earnings Season, US Shutdown, FOMC Minutes Likely To Drive Indian Markets Next Week

On October 9, Tata Consultancy Services (TCS) and Tata Elxsi are scheduled to release their September quarter results. Meanwhile, the IPO market will also attract investors’ attention. The Tata Capital IPO is set to open next week, while updates regarding LG Electronics’ IPO are also expected to influence market sentiment.

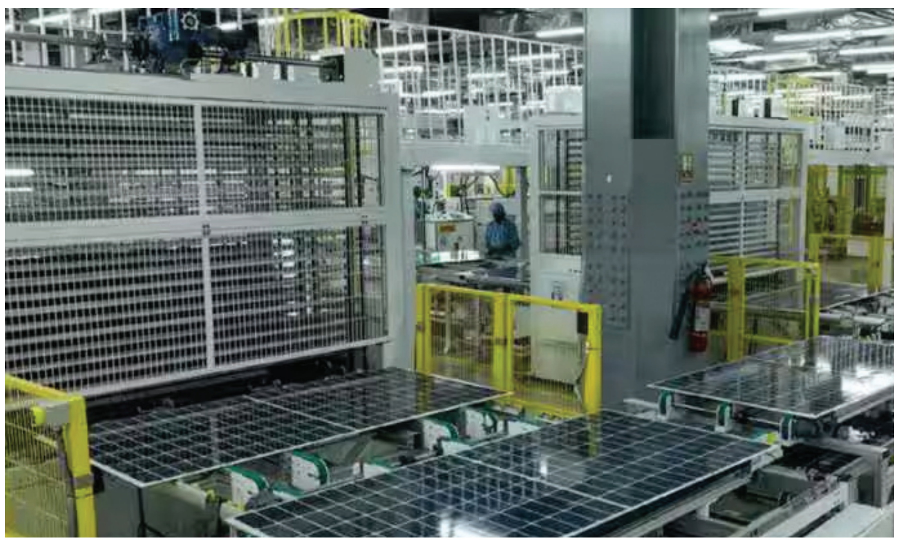

New Delhi.(Agency)

The coming week will be crucial for Indian stock markets as key triggers such as Q2 earnings, the US government shutdown, FOMC minutes, and other major economic data are likely to determine market trends. Starting next week, companies will begin announcing their financial results for the July-September quarter (Q2).On October 9, Tata Consultancy Services (TCS) and Tata Elxsi are scheduled to release their September quarter results. Meanwhile, the IPO market will also attract investors’ attention. The Tata Capital IPO is set to open next week, while updates regarding LG Electronics’ IPO are also expected to influence market sentiment.The minutes of the US Federal Open Market Committee (FOMC) will be released, providing detailed insights into the discussions held during the meeting on September 16–17 regarding interest rate decisions. Global investors are closely watching the US government shutdown, which is likely to continue into next week amid the funding standoff between Democrats and Republicans.Commenting on the technical outlook, analysts said that on the weekly timeframe, Bank Nifty continues to hold firm above the 20-week EMA, suggesting sustained strength and supporting the broader bullish undertone.

“If selling pressure re-emerges and the index decisively breaks below 55,140, further downside towards 55,000 and 53,832 (200-day EMA) may unfold. On the upside, immediate resistance is placed at 55,850, followed by 56,000 and 56,400,” analysts added.

“On the daily timeframe, Nifty found strong support near the 24,600 zone and rebounded higher, posting two consecutive green candles, which reflects renewed buying interest and improving sentiment,” they added.Meanwhile, Indian stock markets performed well in the previous week. The Nifty gained 239 points, or 0.97 per cent, to end at 24,894, while the Sensex rose 780 points, or 0.97 per cent, to end at 81,207.Between September 29 and October 3, the Nifty PSU Bank index topped the sectoral chart with a 4.43 per cent rise, followed by Nifty Metal (up 3.93 per cent), Nifty Private Bank (up 2.53 per cent), Nifty Media (up 1.87 per cent), and Nifty PSE (up 2.77 per cent).Buying interest was also seen in midcap and smallcap segments. The Nifty Midcap 100 index climbed 1,124 points, or 2 per cent, to close at 57,503, while the Nifty Smallcap 100 index advanced 317 points, or 1.81 per cent, to settle at 17,787.

Drug watchdog wants action against Coldrif makers under serious offences: Report

The action has been taken in the wake of suspicion linking the death of 11 children in Madhya Pradesh and Rajasthan with this Coldrif cough syrup.

Agency New Delhi.

The Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) will direct the Tamil Nadu Food and Drug Administration (FDA) to take strict action against the makers of Coldrif syrup under the most serious offences, following the deaths of nine children allegedly due to consumption of contaminated cough syrups, official sources told news agency ANI.

The Union Health Secretary will convene a video conference with principal secretaries, health secretaries, and drug controllers from all states and Union Territories to discuss the rational use of cough syrups and drug quality, sources added.The CDSCO has launched risk-based inspections of drug manufacturing units in six states -- Himachal Pradesh, Uttarakhand, Gujarat, Tamil Nadu, Madhya Pradesh, and Maharashtra -- after collecting 19 samples, including cough syrups, antipyretics, and antibiotics, amid deaths of 11 children in Madhya Pradesh and Rajasthan.

A multidisciplinary team, including experts from the National Institute of Virology, Indian Council of Medical Research, National Environmental Engineering Research Institute, CDSCO, and AIIMS-Nagpur, is analysing the samples to determine the cause of deaths in and around Chhindwara, Madhya Pradesh.

Earlier this week, the CDSCO said six of its tested samples and three tested by the Madhya Pradesh Food and Drugs Administration were free of Diethylene Glycol (DEG) and Ethylene Glycol (EG), toxic compounds known to cause serious kidney damage.

"The six drug samples tested by CDSCO which did not show the presence of DEG/EG were of other drugs and syrups including antibiotics, antipyretics and Ondansetron, consumed by the children who fell ill in the Chhindwara district of Madhya Pradesh," news agency PTI quoted a source as saying.

Officials clarified that these samples did not include the two cough syrups under scrutiny, including Coldrif.

In response, states including Kerala, Tamil Nadu, and Madhya Pradesh have banned the sale of Coldrif syrup, while Telangana has issued a public alert advising people to stop using the product.

Emergency engine deploys on UK-bound Air India flight, airline says all safe

Agency New Delhi.

An Air India Boeing Dreamliner 787-8 aircraft operating from Amritsar to Birmingham was grounded in the UK after its emergency turbine, the Ram Air Turbine (RAT), deployed mid-descent on Saturday. The incident occurred on flight AI117, which was on its final approach to Birmingham."The landing was safe in Birmingham. All electrical and hydraulic components were found to be working normally," confirms Air India.

The Ram Air Turbine system is a tiny fan-like device that deploys automatically when an aircraft loses power, usually in cases where all engines stop running. The fan uses the incoming wind to generate emergency power.

Notably, the same aircraft model, Boeing Dreamliner 787-8, was earlier involved in the Ahmedabad plane crash in June this year, in which the RAT had also deployed. The interim probe report in that case found that a fuel supply cutoff led to engine shutdowns, triggering the emergency mechanism.

According to Air India, "The operating crew of flight AI117 from Amritsar to Birmingham on October 4 detected deployment of the Ram Air Turbine (RAT) of the aircraft during its final approach. All electrical and hydraulic parameters were found normal, and the aircraft performed a safe landing at Birmingham. The aircraft has been grounded for further checks and consequently, AI114 from Birmingham to Delhi has been cancelled, and alternative arrangements are being made to accommodate the guests. At Air India, the safety of passengers and crew remains top priority."

The airline confirmed that all electrical and hydraulic systems were functioning normally upon landing. However, as per standard operating procedures, the aircraft has been grounded for detailed inspection.

Left with no hope: UP man jumps into river with 4 children after wife elopes

Agency New Delhi.

A man and his four children allegedly jumped into the Yamuna River in Uttar Pradesh after his wife eloped with another man, police said on Saturday.According to police, the man, identified as Salman, took the extreme step following a dispute with his wife on Friday. Before taking the plunge, he recorded a video and sent it to his sister, Gulista, in which he held his wife, Khushnuma, and her lover responsible.The video has since surfaced online.

On Saturday, Gulista approached the police, who immediately reached the spot and launched a rescue operation with the help of divers.Additional Superintendent of Police Santosh Kumar Singh said the children were identified as Mahak (12), Shifa (5), Aman (3), and an eight-month-old infant, Inaisha.

Family members told police that Salman and Khushnuma had been married for 15 years, but frequent disputes had intensified in recent months.

The latest quarrel reportedly took place on Friday, after which Khushnuma eloped with her boyfriend. Later that day, Salman took his four children to the Yamuna bridge and jumped into the river."Further investigation is underway," Singh added.

After Private Fact-Finding Report On Ladakh, Chief Secretary's Response

Agency New Delhi.

Ladakh Chief Secretary Pawan Kotwal has held "certain sections" responsible for working to sabotage talks after they realised the dialogue process would be able to meet most of the demands of the people of Ladakh.

The core demands include having a legislature in the Union Territory and bringing the mountainous region under the Sixth Schedule of the Constitution, which provides for the administration of tribal areas through an autonomous governance structure.Many issues were being addressed through talks between the Centre's high-powered committee (HPC) and the two organisations, Leh Apex Body (LAB) and Kargil Democratic Alliance (KDA), Kotwal said.Certain sections worked in a negative manner and sabotaged the dialogue process for personal and political gains at the cost of the interests of Ladakh, the Chief Secretary said, adding these sections with a premeditated approach aimed to derail the process, continued with hunger strike despite scheduled talks and misled the people.

A combination of these factors led to a law and order situation on September 24, and subsequent unfortunate developments of loss of four precious lives, said the Chief Secretary of the Union Territory (UT) formed in August 2019 after the Centre scrapped special status to Jammu and Kashmir and divided the state into two Uts.

Investigating agencies have got evidence, and more will come out, the Chief Secretary said in a detailed response today after some groups held a press conference to announce a fact-finding report they have prepared on Ladakh.

However, such fact-finding exercises by individuals and groups - not a formal, court-monitored one - are often criticised by their opponents as lacking in accuracy and objectivity when claims are contested.The fact-finding report, released in Delhi today in the presence of Samajwadi Party MP Iqra Hasan, was jointly prepared by the Socialist Party (India), the National Alliance of People's Movements (NAPM), and Hum Bharat Ke Log.

Manipur BJP MLAs In Delhi To Meet Central Leaders, Seek Government Formation

Agency New Delhi.

BJP MLAs and leaders from Manipur including former chief minister N Biren Singh will meet the party's central leaders to discuss the formation of a popular government in the state.Before leaving for Delhi, N Biren Singh told reporters at Imphal International Airport that a delegation is going to Delhi to meet central leaders."Would urge the central leaders to facilitate the formation of a new popular government, resolve the crisis faced by internally displaced persons and reopen key highways at the earliest," he said.Former ministers Sapam Ranjan Singh and Heikham Dingo Singh, and BJP MLA Tongbram Robindro Singh accompanied the former chief minister to Delhi on Saturday.The same day, a group of MLAs including former minister Leishangthem Susindro Meitei, Thangjam Arunkumar and Louremban Rameshwor Meetei, all BJP MLAs, separately left Imphal for Delhi.

Speaker Thokchom Satyabrata Singh, former minister Govindas Konthoujam and MLAs Kongkham Robindro, Sapam Kunjakeshwor, Thounaojam Shyamkumar and Karam Shyam are also expected to leave Imphal on Sunday.The state had a BJP-led coalition government headed by Biren Singh before the imposition of President's rule on February 13 this year.

Singh quit the chief ministerial post on February 9, four days before the President's rule was imposed in the state due to prolonged ethnic violence, which broke out on May 3, 2023.The 60-member Manipur assembly is under suspended animation and has a tenure till 2027.

Manipur Governor Ajay Kumar Bhalla is already in Delhi. Bhalla, a former Home Secretary, met Defence Minister Rajnath Singh on Saturday and called on Vice President CP Radhakrishnan on Friday.

Senior government officials in Manipur including Chief Secretary Puneet Kumar Goel and Commissioner-cum-Secretary (Home) N Ashok Kumar have also left for Delhi. The purpose of their visit has not been disclosed.

AAP names industrialist Rajinder Gupta for Punjab Rajya Sabha bypoll

AAP has chosen industrialist Rajinder Gupta for Punjab's Rajya Sabha bypoll, filling the seat left vacant by Sanjeev Arora after the Assembly by-election.

Agency New Delhi.

The Aam Aadmi Party (AAP) on Sunday officially announced industrialist and Trident Group chairman Rajinder Gupta as its candidate for the Rajya Sabha bypoll in Punjab.The seat fell vacant following the resignation of Sanjeev Arora, who contested and won an Assembly bypoll from Ludhiana West and later became a minister in the Punjab government. Rajinder Gupta is expected to file his nomination in the Punjab Assembly later today, reportedly in the presence of Chief Minister Bhagwant Mann."The Political Affairs Committee (PAC) of Aam Aadmi Party hereby announces to nominate Shri Rajinder Gupta as a candidate for election to the Rajya Sabha by the elected members of the Legislative Assembly of Punjab," the party said in its official announcement.

Earlier, Kamal Oswal of the Oswal Group was seen as the frontrunner for the seat, but sources say Gupta's name emerged during the final weeks of deliberation.

The nomination process for the Punjab Rajya Sabha bypoll will begin on October 6 and voting for the lone seat will be held on October 24. With AAP having an overwhelming majority in the 117-member state Assembly, Tajinder Gupta is most likely to grab a seat in the Upper House.

Rajinder Gupta stepped down as vice-chairman of the State Economic Policy and Planning Board and as chairperson of the Kali Devi Temple Advisory Committee, sparking speculation about his potential AAP candidacy in the bypoll.

Rajinder Gupta, chairman emeritus of Trident Group, has also served as president of the Punjab Cricket Association. Gupta's contributions to the industry have been recognised with several accolades, including the Padma Shri award in 2007 for his service in trade and industry.

Even if suffocated, won't quit Trinamool: Kunal Ghosh rules out exit buzz

Agency New Delhi.

Trinamool Congress leader Kunal Ghosh, who created a flutter in political circles with a cryptic Facebook post, on Saturday pledged his loyalty to party supremo and West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee, saying he would never quit the party despite challenges.Ghosh, journalist-turned-TMC spokesperson, had hinted at an alleged internal discontent in his earlier post, saying that even if a "very strong heavyweight figure" disliked him, it did not concern him as he enjoyed a strong bond with "Didi" (Mamata Banerjee).In the post, he had also warned, "If my tail is set on fire like Hanuman's, I will set Lanka

ablaze," as "ordinary party workers must keep vigil on leaders."

Ghosh, who had in the past criticised veteran TMC MP Sudip Bandyopadhyay before the Lok Sabha polls and been vocal against actor-turned-MP Dev on social media and in press meets, however, softened his stand on Saturday after getting a letter from Mamata Banerjee wishing him on the occasion of Bijoya Dashami.

Attaching an image of Banerjee's letter, he said, "I had first come in contact with her in 1987 and during the long association, I was showered with her blessings and affection. Many could not digest this, and I went through the most difficult phase of my life. But I never thought of quitting the party," he said.The former Rajya Sabha MP added: "I see a new arena where I can play not as an individual but as part of a team.

I may not clearly see the outcome yet, but I'm preparing to walk to the crease with my head held high. Whether you join me on the field, watch from the gallery, or on TV — be with me. I promise an exciting match."

Cyclone Shakhti moving away from Maharashtra coast, to weaken after October 6

Coastal districts of Maharashtra, including Mumbai, Thane, Palghar, Raigad, Ratnagiri, and Sindhudurg, have been on high to moderate alert due to strong winds, heavy rains, and rough seas, with fishermen warned not to venture out.

Agency New Delhi.

Severe Cyclonic Storm (SCS) Shakhti over the northwest Arabian Sea is steadily moving west-southwest and is expected to reach the northwest Arabian Sea by Sunday evening (October 5), the India Meteorological Department (IMD) said in its latest update late Saturday night.

The storm, located about 320 km east-southeast of Ras Al Hadd in Oman, is forecast to recurve eastwards from October 6 and gradually weaken as it moves further over the Arabian Sea.

The IMD had earlier warned of heavy rain, strong winds, and rough sea conditions along Maharashtra's coastline as the cyclone intensified. Disaster management authorities have been asked to stay vigilant, and evacuation plans have been put in place in low-lying coastal areas.Mumbai, Thane, Palghar, Raigad, Ratnagiri, and Sindhudurg districts remain under high to moderate alert until October 7. Wind speeds of 45–55 kmph, gusting up to 65 kmph, have already been recorded along the northern Maharashtra coast, and conditions are expected to worsen as the system moves westwards.

Authorities have cautioned fishermen not to venture into the sea, while residents in vulnerable coastal areas are being advised to remain alert for tidal surges and localised flooding. Sea conditions along and off the Gujarat–north Maharashtra and Pakistan coasts are expected to remain rough to very rough through Sunday.Named by Sri Lanka, Cyclone Shakhti initially tracked westward before shifting west-southwest. On Friday evening, it was positioned roughly 300 km west of Dwarka, 330 km south-southwest of Karachi, and 360 km west of Porbandar, moving at about 8 kmph.The weather system is expected to lose intensity after October 6 as it moves eastwards over the Arabian Sea, though the IMD has urged coastal communities.

NEWS BOX

Death toll from Indonesia school collapse rises to 37; 26 still missing

SIDOARJO. (Agency)

The death toll from an Indonesian school collapse rose to 37 on Sunday, officials said, as rescuers recovered more victims buried under the rubble. Part of the multi-storey building on Indonesia's Java island suddenly collapsed on Monday as students gathered for afternoon prayers.

"As of Sunday morning, the number of recovered victims was 141 people. 104 were in safe condition, 37 were dead," national search and rescue agency operations director Yudhi Bramantyo said in a statement. He added that 26 people were still missing. The death toll included 4 body part that rescuers retrieved from the rubble on Saturday, Yudhi said.

The recovery operation was around "60 percent" complete, national disaster agency official Budi Irawan told reporters, adding that he hoped it would be concluded soon.Our hope is that by tomorrow everything will be levelled and we can determine the approximate number of victims who are in the rubble," Budi said in a livestreamed press conference.

Local search and rescue agency head Nanang Sigit confirmed the death toll of 37 in a separate statement.

Investigators have been looking into the cause of the collapse, but initial signs pointed to substandard construction, according to experts. The rescue operation was complex because vibrations in one place could affect other areas, officials said.

But the families of the missing agreed on Thursday for heavy equipment to be used, after the 72-hour "golden period" for the best chance of survival came to an end.

Gaza civil defence says at least 57 killed in Israeli strikes since dawn as Trump urges Israel to halt attacks

GAZA. (Agency)

Gaza's civil defence agency said Israeli bombardment had killed at least 57 people since dawn on Saturday, even after US President Donald Trump urged Israel to halt its attacks on the territory."The death toll from the ongoing Israeli bombardment since dawn today stands at 57, including 40 in Gaza City alone," Mahmud Bassal, spokesman for the agency under Hamas authority, told AFP.Media restrictions in Gaza and difficulties in accessing many areas mean AFP is unable to independently verify the tolls and details provided by the civil defence agency or the Israeli military.Bassal said the victims in Gaza City included 18 people who were killed in an Israeli strike targeting the home of the Abdul Aal family in the city's Al-Tuffa neighbourhood.Mohammed Abu Salmiya, head of Gaza's main Al-Shifa Hospital, had earlier told AFP that at least 39 people had been killed since dawn, including dozens in Gaza City.

"Since President Trump called on Israel to stop bombing Gaza, Israel has actually escalated its attacks," said Mahmud Al-Ghazi, 39, a resident of Al-Rimal neighbourhood in Gaza City.

"Today, Israel bombed several homes full of civilians, like the Abdul Aal family home...The shelling continues with artillery and drones dropping bombs on civilians' homes and directly targeting people," he said."Who will stop Israel now? We need the negotiations to move faster to stop this genocide and the ongoing bloodshed," he added.Israeli media reported that the military had shifted to a defensive posture in Gaza following Trump's call, though the military did not confirm this to AFP.

Ukraine says Russian strikes kill one, Poland scrambles jets

KYIV. (Agency)

.Ukraine said on Sunday that a Russian attack on Zaporizhzhia had killed one person, as Poland said it had scrambled jets to secure its airspace.Ivan Fedorov,

the head of the southeastern Ukrainian region, said on Telegram that a Russian "combined strike" had killed a woman and wounded nine other people.A 16-year-old girl was among those receiving "necessary assistance" from medical personnel after the attack, Fedorov said.He posted photos, seemingly from the site of the attack, showing a partly destroyed multi-storey block and a burnt-out car.A nationwide air alert was in place across Ukraine as of 4:09 am (0109 GMT).Poland's armed forces said on X that they had mobilised planes and put ground defences on high alert to secure the country's airspace, especially in areas close to Ukraine.

The mayor of Lviv, a western Ukrainian city near the border with Poland, said public transport routes were not operating due to a "massive enemy attack".

Public transport in Ivano-Frankivsk, another western city, would "start running later than usual" on Sunday, its mayor said.Russia has also stepped up its attacks on Ukraine's energy infrastructure as the weather chills.Fedorov said on Sunday that Russia's overnight attack left "more than 73,000 consumers... without electricity" in Zaporizhzhia, and the Lviv mayor said part of the city had no power.

What to expect as Syria goes to the polls for the first time since Assad's ouster

Despite not being a popular vote, the election results will likely be taken as a barometer of how serious the interim authorities are about inclusivity, particularly of women and minorities.

BEIRUT. Agency)

Syria is holding parliamentary elections on Sunday for the first time since the fall of the country's longtime autocratic leader, Bashar Assad, who was unseated in a rebel offensive in December.Under the 50-year rule of the Assad dynasty, Syria held regular elections in which all Syrian citizens could vote. But in practice, the Assad-led Baath Party always dominated the parliament, and the votes were widely regarded as sham elections.Outside election analysts said the only truly competitive part of the process came before election day — with the internal primary system in the Baath Party, when party members jockeyed for positions on the list.

The elections to be held on Sunday, however, will not be a fully democratic process either. Rather, most of the People's Assembly seats will be voted on by electoral colleges in each district, while one-third of the seats will be directly appointed by interim President Ahmad al-Sharaa.Despite not being a popular vote, the election results will likely be taken as a barometer of how serious the interim authorities are about inclusivity, particularly of women and minorities.Here's a breakdown of how the elections will work and what to watch.

How the system works

The People's Assembly has 210 seats, of which two-thirds will be elected on Sunday and one-third appointed. The elected seats are voted upon by electoral colleges in districts throughout the country, with the number of seats for each district distributed by population.In theory, a total of 7,000 electoral college members in 60 districts — chosen from a pool of applicants in each district by committees appointed for the purpose — should vote for 140 seats.

However, the elections in Sweida province and in areas of the northeast controlled by the Kurdish-led Syrian Democratic Forces have been indefinitely postponed due to tensions between the local authorities in those areas and the central government in

Damascus, meaning that those seats will remain empty.In practice, therefore, around 6,000 electoral college members will vote in 50 districts for about 120 seats.The largest district is the one containing the city of Aleppo, where 700 electoral college members will vote to fill 14 seats, followed by the city of Damascus, with 500 members voting for 10 seats.All candidates come from the membership of the electoral colleges.Following Assad's ouster, the interim authorities dissolved all existing political parties, most of which were closely affiliated with the Assad government, and have not yet set up a system for new parties to register, so all candidates are running as individuals.

Why no popular vote

The interim authorities have said that it would be impossible to create an accurate voter registry and conduct a popular vote at this stage, given that millions of Syrians were internally or externally displaced by the country's nearly 14-year civil war and many have lost personal documents.

This parliament will have a 30-month term, during which the government is supposed to prepare the ground for a popular vote in the next elections.The lack of a popular vote has drawn criticism of being undemocratic, but some analysts say the government's reasons are legitimate.

At least 18 dead in rain-triggered disaster in Eastern Nepal

KATHMANDU. (Agency)

At least 18 people have lost thier lives in flooding and landslide incidents in Ilam of Eastern Nepal over the last 24 hours, police said on Sunday morning.

According to the Koshi Province Police Office's Spokesperson SSP Deepak Pokhrel, at least 5 people were dead in landslide in Suryodaya Municipality, 3 in Mangsebung Municipality, 6 in Ilam Municipality till this morning. Likewise, three people are dead in Deumai Municipality whereas another one in Fakfokthum village council.

"The death toll might go high as we are assessing the damage. We only have the preliminary details of the damages and losses as of now," SSP Pokhrel told ANI over phone.As of now, all three tiers of security agencies- Nepal Army, Armed Police Force and the Nepal Police has been deployed on site.They have been deployed to evacuate residents from floodplains within Kathmandu valley as rivers continue to swell following heavy downpours and warnings of further rainfall.Security agencies launched search and evacuation operations on Saturday morning in settlements along the major rivers flowing through the valley. Personnel conducted door-to-

door searches, helped residents move out, and assisted in relocating belongings to safer places.The Department of Hydrology and Meteorology reported rising water levels in the Bagmati, Hanumante, Manohara, Dhobi Khola, Bishnumati, Nakkhu, and Balkhu rivers.

Authorities warned that flooding could reach roadside areas and enter settlements. Residents and motorists were urged to avoid travelling along riverbanks due to the risk of inundation.

Forecasts indicate a very high risk of flooding and landslides in several districts, including Sunsari, Udaypur, Saptari, Siraha, Dhanusha, Mahottari, Sarlahi, Rautahat, Bara, Parsa, Sindhuli, Dolakha, Ramechhap, Sindhupalchok, Kavrepalanchok, Kathmandu, Lalitpur, Bhaktapur, Makwanpur, and Chitwan.

Nepal had earlier braced for an above-average monsoon this year, but the rainfall pattern has shifted. The monsoon season usually runs from June to the end of September, but reactivation has triggered downpours even during the withdrawal phase.The National Disaster Risk Reduction and Management Authority (NDRRMA) has predicted that around two million (1,997,731) people from 457,145 households could be affected by monsoon-related disasters this year.

Greta Thunberg 'dragged by hair, forced to wear Israeli flag', say activists

world.(Agency)

Swedish climate activist Greta Thunberg was allegedly subjected to mistreatment by Israeli authorities following her detention aboard a flotilla attempting to deliver humanitarian aid to Gaza, according to testimonies from several fellow activists, Reuters reported.Thunberg, along with approximately 137 others from multiple countries, was part of the 'Sumud Flotilla', a civilian-led initiative aiming to break the Israeli naval blockade on the Gaza Strip.

The flotilla was intercepted by Israeli forces earlier this week, leading to the detention and subsequent deportation of its participants.Two activists, Hazwani Helmi of Malaysia and Windfield Beaver of the United States, told Reuters that Thunberg was "shoved" and "forced to wear an Israeli flag" during her detention.

The activists, now back in Istanbul, described conditions in Israeli custody as "inhumane", claiming detainees were denied adequate food, water, and access to medical care."They treated us like animals," said Helmi, 28. "Greta was forced to play a terrorist," he added, accusing Israeli authorities of attempting to use Thunberg for propaganda purposes.Beaver, 43, corroborated these claims, alleging that Thunberg was "pushed into a room" as Israel's far-right National Security Minister, Itamar Ben-Gvir, arrived. He added that she was "treated terribly" and "used as propaganda."Turkish activist Ersin Çelik, speaking to the news agency alleged that Greta Thunberg was "dragged by the hair", assaulted, and forced to kiss the Israeli flag in a bid to intimidate others. "They did everything imaginable to her, as a warning," he said.

However, Israel's Ministry of Foreign Affairs dismissed the allegations as "complete lies", asserting that all detainees were "safe and in good health" and that the state was working to expedite the deportations.In a separate development, The Guardian reported that the Swedish foreign ministry had sent an internal email to Thunberg's associates, detailing her account from detention.The email, quoting a consular official who visited the activist in custody, stated that she had complained of dehydration, inadequate food and water, and poor hygiene.Thunberg also alleged that she had developed skin rashes from bedbugs in her cell and endured long periods of sitting on hard surfaces.The email also referred to reports from another unnamed detainee, who claimed that Thunberg had been forced to hold flags while being photographed.The detained activists, who arrived in Istanbul on Saturday, included nationals from the United States, United Arab Emirates, Algeria, Morocco, Italy, Kuwait, Libya, Malaysia, Mauritania, Switzerland, Tunisia, and Jordan, in addition to 36 Turkish citizens, according to Turkish foreign ministry officials.

Gen Z protests are shaking Morocco. Here's what to know

RABAT . (Agency)

. Demonstrations in more than a dozen cities have jolted Morocco for a week straight, with the young people behind them showing they can translate digital discontent into a real-world movement that authorities can't ignore.The North African nation is the latest to be rocked by "Gen Z" protests against corruption, lack of opportunity and business as usual. Similar movements have risen in countries such as Madagascar, Kenya, Peru, and Nepal. They differ in origin but share in common a refusal to go through institutions like political parties or unions to be heard.In Morocco, anger has boiled over contrasts between government spending on stadiums in the lead-up to the 2030 FIFA World Cup and a subpar health system that lags behind countries with similarly sized economies.Here's what to know:

Meet the protestersA leaderless collective called Gen Z 212 — named after Morocco's dialing code — is the engine behind the protests. Members

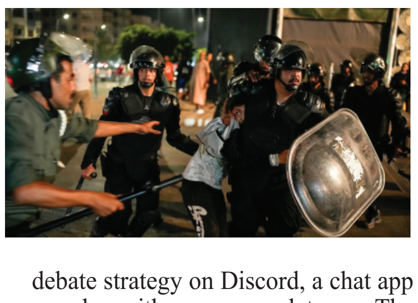

debate strategy on Discord, a chat app popular with gamers and teens. The core group has about 180,000 members, but spinoffs have also sprouted, organizing demonstrations in towns independently.Like other nations swept by Gen Z protests, Morocco is experiencing a youth bulge, with more than half of the population under 35.

Yet as the country pours billions into infrastructure and tourism, unemployment for Moroccans ages 15-24 has climbed to 36%. And with opportunity lacking, more than half of Moroccans under 35 say they have considered emigrating, according to a June survey from Afrobarometer.

When midweek demonstrations turned violent, officials said most participants were minors and rights groups say many detained were under 18.

What they are protesting

Morocco is Africa's most visited country, appealing to tourists from around the world with its medieval palaces, bustling markets, and sweeping mountain and desert landscapes. But not far from tourist routes, the daily reality for most of Morocco's 37 million people includes soaring costs of living and stagnating wages.The North African Kingdom has made significant strides in lifting standards of living.

Sanae Takaichi breaks barriers as Japan's first female ruling party leader- a conservative star in a male-dominated group

As Rakaichi tried out the party president's chair and posed for a photo as is customary for the newly elected leader, she said, "Now that the LDP has its first female president, its scenery will change a little."

TOKYO. (Agency)

In a country that ranks poorly internationally for gender equality, the new president of Japan's long-governing Liberal Democrats, and likely next prime minister, is an ultra-conservative star of a male-dominated party that critics call an obstacle to women's advancement.Sanae Takaichi, 64. admires former British Prime Minister Margaret Thatcher and is a proponent of former Prime Minister Shinzo Abe's conservative vision for Japan.Takaichi is the first female president of Japan's predominantly male ruling party that has dominated Japan's postwar politics almost without interruption.She hardly touched on gender issues during the campaign, but on Saturday, as she tried out the party president's chair and posed for a photo as is customary for the newly elected leader, Takaichi said: "Now that the LDP has its first female president, its scenery will change a little.First elected to parliament from her hometown of Nara in 1993, she has served in key party and government posts, including minister of economic security, internal affairs and gender equality.Female lawmakers in the conservative Liberal Democratic Party who were given limited ministerial posts have often been shunned as soon as they spoke up about diversity and gender equality. Takaichi has stuck with old-fashioned views favored by male party heavyweights.Takaichi also admits she is a workaholic who would rather study at home instead of socializing. After unsuccessfully running for party presidency twice in the past, she made efforts to be more sociable to build connections as advised, she said.

But on Saturday, as she called for an all-out effort to rebuild the party and regain public support, she asked all party lawmakers to

"work like a horse." Then she added, "I will abandon the word 'work-life balance.' I will work, work, work and work."

The "work-life balance" quickly trended on social media, triggering mixed reactions — support for her enthusiasm and concern about her work ethic.Women comprise only about 15% of Japan's lower house, the more powerful of the two parliamentary chambers. Only two of Japan's 47 prefectural governors are women.

A drummer in a heavy-metal band and a motorbike rider as a student, Takaichi has called for a stronger military, more fiscal spending for growth, promotion of nuclear fusion, cybersecurity and tougher policies on immigration.She vowed to drastically increase female ministers in her government. But experts say she might actually set back women's advancement because as leader she would have to show loyalty to influential male heavyweights. If not, she risks a short-lived leadership.Takaichi has backed financial support for women's health and fertility treatment as part of the LDP policy of having women serve in their traditional roles of being good mothers and wives. But she also recently acknowledged her struggles with menopausal symptoms and stressed the need to educate men about female health to help women at school and work.

NEWS BOX

Gautam Gambhir's favourite: Srikkanth's dig at India player after Australia selection

New Delhi. (Agency)

Former India cricketer Kris Srikkanth took a light-hearted dig at Harshit Rana after the Delhi fast bowler was selected for both the ODI and T20I squads for the upcoming tour of Australia. Rana, who has enjoyed consistent backing from coach Gautam Gambhir, seems to have become a regular fixture in the side — something Srikkanth found amusing.Speaking on his YouTube channel, the 1983 World Cup winner joked that Harshit Rana is clearly Gambhir's favourite player and, apart from captain Shubman Gill, is the first name on the team sheet. Rana, who made his ODI debut earlier

this year against England, has stayed in the squad in Jasprit Bumrah's absence.Bumrah, who recently played the Asia Cup and the West Indies Tests back-to-back, has been rested for the ODI leg of the Australian tour."Harshit Rana is a permanent because he is Gautam Gambhir's favourite. He is always a certainty and the first name on the team sheet after Shubman Gill," Srikkanth quipped following the squad announcement.

India ODI squad for Australia tour:

Shubman Gill (Captain), Rohit Sharma, Virat Kohli, Shreyas Iyer (Vice-Captain), Axar Patel, KL Rahul (WK), Nitish Kumar Reddy, Washington Sundar, Kuldeep Yadav, Harshit Rana, Mohammed Siraj, Arshdeep Singh, Prasidh Krishna, Dhruv Jurel (WK), Yashasvi Jaiswal.

India T20I squad for Australia tour:

Suryakumar Yadav (Captain), Abhishek Sharma, Shubman Gill (Vice-Captain), Tilak Varma, Nitish Kumar Reddy, Shivam Dube, Axar Patel, Jitesh Sharma (WK), Varun Chakaravarthy, Jasprit Bumrah, Arshdeep Singh, Kuldeep Yadav, Harshit Rana, Sanju Samson (WK), Rinku Singh, Washington Sundar.Reacting to other selections, Srikkanth raised questions about Nitish Kumar Reddy's inclusion in the ODI squad. He argued that Reddy isn't a proper all-rounder and would struggle on Australian pitches."Where did Nitish Kumar Reddy come from? If you ask them, they'll say he's Hardik Pandya's replacement.

Lionel Messi helps Inter Miami beat New England Revolution 4-1

Lionel Messi showcased his playmaking brilliance as he set up three goals to lead Inter Miami to a commanding 4-1 victory over the New England Revolution. The win propelled Inter Miami to third place in the Eastern Conference and marked Messi's 41st goal contribution of the MLS regular season.

New Delhi. (Agency)

Inter Miami ended their two-match winless streak with a commanding 4-1 victory over the New England Revolution in Fort Lauderdale on Saturday, powered by Lionel Messi's three assists. The win lifts Miami (17-7-8, 59 points) into third place in the Eastern Conference, just three points behind FC Cincinnati for second, as the regular season nears its conclusion.

Messi's performance marked his 41st goal contribution of the season, making him only the second player in MLS history to reach at least 40 combined goals and assists in a single campaign. Jordi Alba and Tadeo Allende each scored twice, while New England (9-16-8, 35 points) suffered their fifth loss in six matches.Messi orchestrated Inter Miami's attack without scoring himself, delivering three decisive assists in a match played under challenging wet conditions.

His first contribution came in the 32nd minute with a through ball to Allende, who beat New England goalkeeper Matt Turner to open the scoring. Messi continued to shape the game, setting up both Alba and Allende for crucial goals at key moments.The match swung clearly in Miami's favor in the first half. Messi threaded a pinpoint pass to Allende for the opening goal in the 32nd minute, then intercepted a New England clearance near halftime to set up Alba, who doubled the lead in stoppage time. Both goals showcased swift teamwork and clinical finishing, with Messi at the heart of both build-ups.

New England briefly threatened a comeback in the 59th minute when Dor Turgeman collected a Carles Gil pass, dribbled into the box, and fired past Rocco Rios Novo, who started in goal for Miami after Oscar Ustari conceded five in the previous match against Chicago Fire. The goal reduced the deficit to 2-1, creating a momentary shift in momentum.

However, Inter Miami responded instantly. Within a minute, Messi drove a rapid counterattack from midfield, culminating in Allende's second goal of the night and restoring Miami's two-goal advantage. Three minutes later, Telasco Segovia created space on the left and delivered a pass to Alba, who scored his second goal and Miami's fourth. With Messi orchestrating the offense, Miami maintained relentless pressure, making it impossible for New England to recover defensively.Post-match, head coach Javier Mascherano praised Messi's influence: "He gave us the possibility of opening the score and then securing the result-not only with the pass for Jordi, but when they made it 2-1, and in the next play with an assist that only he can give. He keeps showing the ability he has and, more than anything, the ambition and desire to go for more." Messi's performance not only fueled Miami's attack but also set a new benchmark for MLS playmakers, as he joined Carlos Vela as the only players with 40 or more goal contributions in a regular season.

Manchester United's players showed they don't want to change coach: Ruben Amorim

New Delhi. (Agency)

Manchester United manager Ruben Amorim insisted his players proved they are fully behind him following their 2-0 victory over Sunderland at Old Trafford on Saturday. The win, secured through goals from Mason Mount and Benjamin Sesko, eased some of the pressure on the Portuguese coach, who has overseen nine Premier League wins in 33 matches since taking charge in November.Coming into the game, some fans had voiced frustration over United's slow start to the season, but on Saturday, the atmosphere suggested renewed backing for Amorim, with supporters even singing his name. Mount, selected ahead of Matheus Cunha, opened the scoring with a fine finish before Sesko netted in front of the home crowd, marking his first goal at Old Trafford. Sunderland struggled to adjust, even switching to a 3-4-3 formation in an attempt to regain control. Despite flashes of attacking intent from the visitors, including efforts from Bertrand Traore and Granit Xhaka, VAR ruled out a penalty against Sesko.United's dominance was clear, and they could have increased their lead were it not for Sunderland goalkeeper Robin Roefs' impressive saves, including a fingertip stop to deny Bruno Fernandes. Debutant Senne Lammens had a quieter evening in goal for United. The win moves United up to ninth in the Premier

League, just one point behind Sunderland in sixth. Amorim's next opportunity to secure back-to-back league victories comes after the international break at Anfield.Amorim reflected on the performance and his players' commitment: "I saw today that I know the players want to do their best and I know they don't want to change the coach," he said. "But like I said (to the players) during this week, 'I will kill myself to do anything in every transition.' (The team) need to show that with their actions. Sometimes when we look at our team I know for sure that when we see the games in the end they know sometimes we can do better. I feel it during the week but we need to show it on the pitch."Encouraged by the performance and the players' support, Amorim reiterated: "I saw it today. And I know they want to do the best and I know they don't want to change the coach all the time. We need to show with actions. Sometimes when we look at our team, I know for sure that when we see the games in the end I know sometimes we can do better. I feel it during the week but we need to show it on the pitch."While the win was a boost, Amorim acknowledged the challenge of maintaining momentum with an upcoming international break before United's next league game against Liverpool. "There is no momentum with our team," he added. "We know what happens when we win one game, the frustration is not to see the same team at home and away. If we cannot play well, we must stop the opposition playing well and that's the way a big team plays during the season, so that is the big frustration."

Vinicius Jr. double vs Villarreal takes Real Madrid top of LaLiga table

New Delhi. (Agency)

Real Madrid overtook arch-rivals Barcelona at the summit of the LaLiga table with a convincing 3-1 victory over Villarreal at Santiago Bernabeu on Saturday, October 5. Vinicius Jr. starred with two goals while Kylian Mbappe added a late strike, ensuring Madrid secured their seventh league win of the campaign and moved two points clear at the top. Villarreal, who finished the match with 10 men, remain in third place with 16 points.Vinicius Jr. broke the deadlock early in the second half with a decisive finish, later converting a penalty he had won to double Real Madrid's advantage. Villarreal's Georges Mikautadze quickly halved the deficit with a low drive, but the visitors' challenge faded after Santiago Mourino was sent off for two yellow cards. Mbappe completed the scoring in the 80th minute, capitalizing on a counterattack.A closely contested first half saw limited opportunities for both teams. Real Madrid gradually increased their pressure after the 20-minute mark, with Aurelien Tchouameni

heading just wide and Mbappe nearly profiting from a mistake in Villarreal's defense. Villarreal's best chance came when Tani Oluwaseyi broke through, but Thibaut Courtois produced an excellent save to keep the match goalless at the break.The breakthrough arrived in the early stages of the second half. Vinicius Jr. advanced down the left, cut inside, and squeezed a shot from a narrow angle that deflected off Santi Comesana and found the net. Vinicius soon won a penalty after being fouled by Rafa Marin, converting the spot-kick under goalkeeper Arnau Tenas in the 69th minute to make it 2-0.Villarreal responded almost immediately, as Mikautadze fired home from the edge of the box to reduce the deficit. However, their hopes of a comeback were hampered when Mourino received his second yellow card for a foul on Vinicius Jr.

Health scare in Australia A camp as four players fall ill in Kanpur

The Australia A team in Kanpur faced a health setback as four players, including their captain, were affected by stomach infections during the unofficial one-day series against India A.

New Delhi. (Agency)

A health scare hit the Australia-A camp during their ongoing One-Day series against India-A in Kanpur, as four players, including the captain, were diagnosed with stomach infections. While India-A had won the first unofficial ODI comprehensively, Australia-A levelled the three-match series 1-1 with an easy nine-wicket victory in the second ODI.Fast bowler Henry Thornton was the most affected and was admitted to Regency Hospital after his condition worsened. The other three players were treated and discharged following routine

medical tests. Team sources suggested the illness may have been linked to food consumed at the hotel, though neither hospital authorities nor team management have confirmed this officially.According to the team's local manager, four players were initially sent to the hospital for examination. While three were cleared to return after their reports came back normal, Thornton exhibited symptoms of a severe infection and had to be kept under observation. He was later discharged once his condition improved and allowed to return to the hotel.In response to the incident, the Australian team management revised the players' diet plan as a precautionary measure. Though the adjustment has disrupted training routines, officials emphasized that player health remains the top priority. All four affected cricketers had featured in the opening ODI of the series.

Team sources added that the Australia-A medical unit is closely monitoring the situation and has advised players to avoid local food and water temporarily. Doctors at Regency Hospital confirmed that Thornton's condition is now stable, though his return to action will depend on further medical evaluation.

Suryakumar Yadav reveals biggest regret: Wanted to play under MS Dhoni's captaincy

MILAN . (Agency)

India T20I captain Suryakumar Yadav has revealed a personal regret in his cricketing career: never having had the opportunity to play under the legendary MS Dhoni. Speaking after leading India to an unbeaten Asia Cup triumph in Dubai last week, Suryakumar reflected on missing the chance to represent the national side under the iconic 'Captain Cool'. Although he has faced Dhoni on numerous occasions in the lucrative Indian Premier League, Suryakumar has used those encounters as an opportunity to learn from the legendary skipper by closely observing his approach to

the game.Speaking at JITO Connect 2025, the flamboyant batter said, "Firstly, I always wanted to get an opportunity when he was the captain of India. But I never got it. I saw him behind the stumps whenever I played against him. He has been very cool. One thing that I have learned from him when I played against him is to stay relaxed in all pressure situations, he looks around the game, sees around what is happening and then takes a call."Suryakumar Yadav made his international debut relatively late, under Virat Kohli's captaincy against England in Ahmedabad in 2021. Although he did not get an opportunity to bat in his first match, he quickly announced himself with unorthodox strokeplay delivered with flair.Reflecting on his experience under Kohli, Suryakumar said, "I think I made my debut under Virat bhai as captain. I think Virat bhai is a very hard task master. He pushes your limits, and he wants the best. I mean, all the captains want the best from all the players, but he was full of energy on the field and off the field as well. He was a bit different."Last year, Suryakumar Yadav was entrusted with the T20I captaincy, previously held by Rohit Sharma, in recognition of his consistency and leadership potential. Under Rohit's leadership, he had memorable moments, including a match-winning catch in the T20 World Cup 2024 final against South Africa in Barbados.

Tennis rigged for Alcaraz and Sinner After Federer, Zverev makes shocking allegations

Germany's Alexander Zverev has accused tennis tournaments of making courts that favour Jannik Sinner and Carlos Alcaraz. Zverev's allegations come only days after Roger Federer spoke about the issue.

New Delhi. (Agency)

Days after Roger Federer questioned tennis tournaments for favouring Carlos Alcaraz and Jannik Sinner, Germany's Alexander Zverev has made sensational allegations against tournament directors for slowing the surfaces down across the world.The world number three alleged that the directors were slowing down the courts to help Carlos Alcaraz and Jannik Sinner succeed across all surfaces. During an on-court interview at the Shanghai Masters, Zverev said that the sport needed to bring back variety on the tour.Earlier, Federer had said the slower courts allowed players to play the same way on clay, grass, or hard courts, adding that he wanted to see Alcaraz and Sinner adjust to fast conditions.But Zverev not only echoed those sentiments but also fired a provocative shot at tournament directors.

"I hate when it's the same and I know that the tournament directors are going towards that direction because obviously they want Jannik and Carlos to do well every tournament, and that's what they prefer," Zverev said in an on-court interview.

"I've been on tour for 12 years now and we always had different surfaces. We always had tournaments which you liked and we always had tournaments which you didn't like so much."While Alcaraz has won six Grand Slam titles at the age of 22, Sinner has won four, with the top two players in the world splitting the last eight majors between them."You couldn't play tennis the same way

on a grass court, hard court and a clay court. Nowadays you can play almost the same way on every surface, so I don't like it, I'm not a fan of it," added Zverev, who has yet to win a major title."I think tennis needs game styles. Tennis needs a little bit of variety and I think we're lacking that right now."

While Alcaraz withdrew from the Shanghai Masters tournament with an ankle injury, second seed Sinner moved into the next round alongside Zverev.

Sinner Responds to Allegations

When the Italian was asked if tournament directors were standardising courts and making them slower to benefit him and Alcaraz, he offered a diplomatic response.

"Me and Carlos, we don't make the courts. It's not our decision," he said."We try to adapt ourselves in every situation. I feel like still every week is a bit different.

"I've played some great tennis even when it was faster courts. But I'm not making the courts, so I just try to adapt and play my best tennis I can, and that's it."The speed of a tennis court largely depends on its surface and how it affects the ball's bounce. The courts can be made slower by using specific techniques, unique to each court.

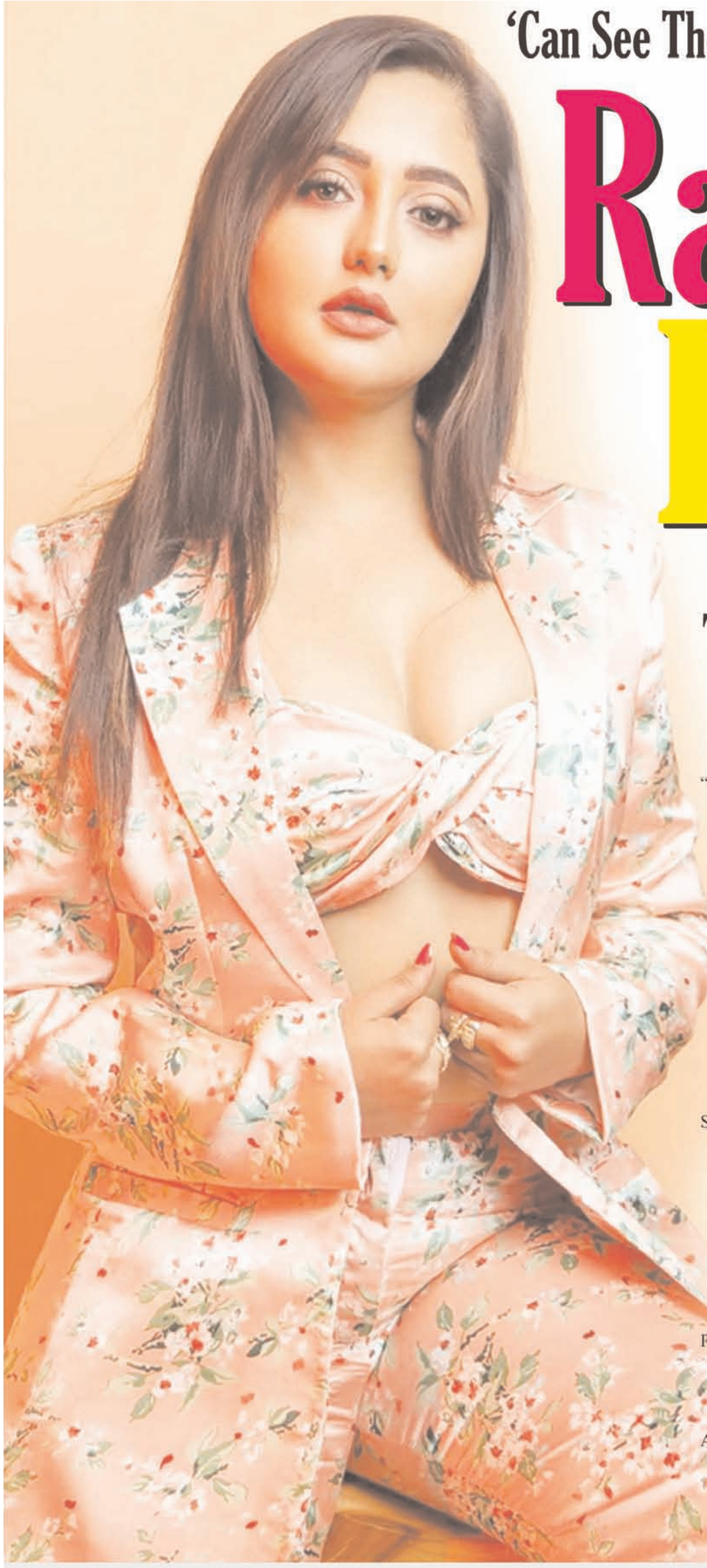

'Can See The Result Already': Fans Praise Rashami Desai After She Loses 9 Kg

Television actress Rashami Desai has shared insights into her ongoing weight loss journey, revealing that she has managed to shed nine kgs despite grappling with several health issues. The actress also offered her fans a closer look at her fitness routine, detailing the obstacles and challenges she has encountered along the way.Reflecting on her progress in an Instagram post, Rashami said that the journey has not been without difficulties, emphasising the vital role of dedication, consistency and patience in achieving her goals.

"I have not reached my destination, but I've got the surety that I can do it. Coz I had no faith in me," she said, adding, "I'm down 9 kg and having different health concerns."The 39-year-old shared a carousel of images showcasing herself practising yoga. She mentioned that she is approaching her journey slowly, taking things step by step, and prioritising comfort over rushing or stressing. Rashami also revealed that she prefers to stick to a few outfits that make her feel confident and comfortable."

And these are the only clothes I wear and keep telling myself that one step at a time," Rashami added.

She also opened up about the lessons she learnt about life in her weight loss journey. In a heartfelt post, she reflected on the pressures people often put on themselves to achieve their goals."Everyone loves comfort and wants to do the best in life. But in all that, we forget that relationship + commitment = ME. We expect too much from ourselves… and with this, I've realised. The world will wait let's do the right things, I have started my journey, and it's still going on," Rashami said.She concluded the post by saying, "And I know THIS TOO SHALL PASS….."

Polish-German actress Claudia Ciesla praised Rashami's dedication and hard work, calling her a true fighter.The post quickly went viral, with many people, including members of the television fraternity, praising Rashami's efforts.One person commented, "Let's do this… Best wishes, I wish you can do it till you reach your goals."

Another wrote, "So proud of your journey. Keep it up! you're doing amazing.""I can see the result already. Keep going," wrote the next.Earlier, Rashami revealed that she lost around 10 kg by following a healthy diet and fitness regimen while working on the Colors show Uttaran.

Jacqueline Fernandez Attends Paris Fashion Week In A Show-Stopping Black Dress

When it comes to fashion, Jacqueline Fernandez needs no introduction. The actress' style game is always on point as she often makes headlines with her bold wardrobe choices. Recently, she grabbed the audience's attention with her jaw-dropping, bold look at Victoria Beckham's show at Paris Fashion Week.For the grand event, Jacqueline dressed in a floor-length black gown with a plunging neckline that extended down to the midriff. The dress featured long sleeves and a fitted bodice that hugged

her torso, creating a streamlined and sophisticated silhouette. At the waist, the outfit was ruched with a jewel-like brooch. The skirt flowed into a fluid silhouette with a subtle train. Jacqueline accessorised her look with large hoop earrings in a metallic tone.

As for the glam quotient, the actress opted for a dewy base with a warm bronze finish swept across the cheeks and nose for a sun-kissed radiance. Her eyes were enhanced with subtle brown eyeshadow, defined lashes, and a softly lined upper lash line to add depth without overpowering the look. A nude-brown lipstick in a satin finish completed her makeup look. Jacqueline styled her hair into a half ponytail with soft waves cascading down one side.

On the professional front, Jacqueline Fernandez was last seen in Tarun Mansukhani's comedy thriller Housefull 5, the fifth instalment of the franchise. Apart from her, the film featured an ensemble cast including Akshay Kumar, Abhishek Bachchan, Riteish Deshmukh, Sanjay Dutt, Fardeen Khan, Shreyas Talpade, Nana Patekar, Jackie Shroff, Dino Morea and Nargis Fakhri.

Jacqueline will next be in Welcome to the Jungle, which marks her yet another collaboration with Akshay Kumar. Joining the two will be Suniel Shetty, Arshad Warsi, Paresh Rawal, Johnny Lever, Rajpal Yadav, Tusshar Kapoor, Shreyas Talpade, Lara Dutta and Disha Patani, among others. Directed by Ahmed Khan, the film is set to hit theatres this Christmas.Additionally, Jacqueline is set to headline a Telugu female-centric film directed by Tollywood filmmaker V. Jayashankarr. While details about the project are still under wraps, sources close to the development have confirmed that the movie.

Even On Weekends, Malaika Arora Makes Sure To Stick To Her Workout Routine

While most people tend to skip their workouts on weekends, Malaika Arora is clearly not one of them. On Saturday, October 4, the Bollywood diva, who has long been celebrated for her dedication to fitness and health, was spotted after her morning workout session at the gym. She was captured by the paparazzi as she stepped out of her car, which was parked outside her home, and made her way inside.A video that surfaced on Instagram showed Malaika holding a water bottle in one hand and her phone in the other as she stepped out. She gave the shutterbugs a brief, faint smile, acknowledging their presence and left the place in a hurry. Malaika did not stop on her way to pose for a photo session and went straight inside the building.

Malaika Arora Gets Accompanied By A Furry Friend

A sweet moment from Malaika's latest outing also caught the attention of social media users. As the actress exited her car, she was accompanied by a furry friend. A dog, wagging its tail happily, followed her as she made her way to the building. It waited patiently beside her as she stood for the lift and even went inside with her when she did. Malaika did not chase the dog away, but let it inside.

For her workout today, Malaika sported a bright all-yellow athleisure outfit. She wore a bralette featuring thin noodle straps, a deep neckline and a criss-cross in the back, paired with matching shorts. She tied her hair into a neat ponytail and wore a pair of white sneakers.

What's Malaika Arora Up To These Days?

The actress, who was last seen on-screen as a judge on Hip Hop India Season 2 with Remo D'Souza, is all set to appear on a new show titled Pitch to Get Rich. The one-of-a-kind reality show, produced by the Fashion Entrepreneur Fund (FEF) and Dharmatic Entertainment, will premiere on October 20 on JioHotstar.

With a massive Rs 40 crore investment pool, the fashion entrepreneur reality series promises to turn creativity into serious business by backing the country's next generation of fashion entrepreneurs. The series features Karan Johar, Akshay Kumar, Manish Malhotra and Malaika Arora as judges, mentors and investors.

Neetu Kapoor Had This Much Fun With Daughter Riddhima Kapoor Sahni And 'Little' Samara

Neetu Kapoor, her daughter Riddhima Kapoor Sahni and granddaughter Samara recently took some time out to enjoy a relaxing outing in Mumbai. The trio was spotted leaving a restaurant in Mumbai, accompanied by a few family members. Before heading to their cars, they stopped to pose for photographers and had a fun conversation with them.

The Kapoor family has always been a favourite with the media and social media, as they're known for their friendly nature and charming personalities.

Neetu, Riddhima and Samara Enjoy Family Outing In Mumbai

For their outing, the Jugjugg Jeeyo actress kept it casual in a white shirt paired with jeans, while Riddhima looked elegant in a blue outfit. The star of the moment was Samara, who stole the spotlight with

her bright smile and pouts for the camera. Before leaving, the Kapoor family made sure to say goodbye to the photographers.The moment turned funny when Samara, instead of saying "Good Night," said "Have a nice day." Her mother, Riddhima Kapoor Sahni, quickly corrected her by pointing out that it was nighttime, which made everyone laugh.

Riddhima Kapoor Sahni Set To Make Acting Debut

Neetu Kapoor has been a part of the film industry for many years and has appeared in several hit movies. Riddhima Kapoor Sahni, who has focused on her career as a fashion designer, is now ready to step into acting. She will make her debut alongside her mother and Kapil Sharma in an untitled comedy film.

The film will be directed by Ashish R Mohan

Earlier, a source close to the project told Pinkvilla, "The Ashish R Mohan directorial marks the big screen debut of Riddhima Kapoor Sahni, and she is excited to step into the world of showbiz with a film in comic space. Neetu Kapoor has a solid role in the film, and is the key player in the middle of chaos".